नई दिल्ली
मंगलवार 3 नवंबर 2026
कार्तिक मास कृष्ण पक्ष,
नवमी वर्ष : 30, अंक : 197
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 29
न्यून. 15

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com



पंजाब से आम आदमी पार्टी के तीन विधायक भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पंजाब आम आदमी पार्टी के तीन विधायकों सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब में आप के लिए यह बड़ा झटका माना जा रहा है। हरमीत सिंह पठानमाजरा (सनौर विधानसभा), चेतन सिंह जौड़ामाजरा (समाना विधानसभा) और कुंवर विजय प्रताप सिंह (अमृतसर उत्तर) ने इस्तीफा देकर सोमवार को भाजपा के नई दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर पंजाब भाजपा प्रभारी सतीश पूनिया, सह-प्रभारी वीरेंद्र सचदेवा, पंजाब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों तथा राष्ट्रीय मीडिया संयोजक आशीष ऊषा अग्रवाल भी मौजूद थे।

हरमीत सिंह पठानमाजरा (सनौर), चेतन सिंह जौड़ामाजरा (समाना) और कुंवर विजय प्रताप सिंह (अमृतसर उत्तर) ने भाजपा की नीतियों में विश्वास जताया

पंजाब का विकास पीएम मोदी ही करेंगे

इन विधायकों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनकल्याणकारी नीतियों और नेतृत्व से प्रभावित होकर भाजपा का दामन थामा। उन्होंने कहा कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार भ्रष्टाचार, नशे, गैंगस्टरवाद, बेरोजगारी और कर्ज जैसे मुद्दों पर विफल रही है। तीनों पूर्व विधायकों ने पंजाब में शांति, खुशहाली, विकास और सुशासन बहाल करने तथा 2027 में भाजपा के नेतृत्व में बदलाव लाने के उद्देश्य से पार्टी में शामिल होने की बात कही। तीनों विधायकों ने स्पष्ट रूप से कहा कि पंजाब का विकास प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार ही कर सकती है। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा ही पंजाब को विकास के रास्ते पर अग्रसर कर सकती है।

आशीष ऊषा अग्रवाल ने कराया परिचय

कार्यक्रम का संचालन करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक आशीष ऊषा अग्रवाल ने कहा कि आज का दिन पंजाब की राजनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। कुंवर विजय प्रताप सिंह वर्ष 2022 से पंजाब की अमृतसर उत्तर विधानसभा सीट से विधायक हैं। वह पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं और 1998 बैच से वर्ष 2021 तक पुलिस सेवा में रहे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न दायित्व निभाए और अंतिम रूप से आईजीपी के पद पर कार्य किया। वर्ष 2021 में पुलिस सेवा से इस्तीफा देकर उन्होंने सामाजिक और राजनीतिक जीवन में प्रवेश किया। हरमीत सिंह पठानमाजरा पंजाब की सनौर विधानसभा सीट से विधायक हैं। वह तीन दशकों से अधिक समय से राजनीतिक और सामाजिक जीवन में सक्रिय हैं। उनके पिता भी लंबे समय तक राजनीति में सक्रिय रहे। उन्होंने सरपंच, ब्लॉक समिति के चेयरमैन और शिरोमणि अकाली दल की युवा इकाई के जिला अध्यक्ष सहित विभिन्न दायित्व निभाए हैं। चेतन सिंह जौड़ामाजरा पंजाब की समाना विधानसभा सीट से विधायक हैं। वह पंजाब सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं और ▶▶ शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

शरद पवार की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार को सीने में दर्द और खांसी की शिकायत के बाद पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया है। सांस लेने के दौरान सीने में दर्द होने पर उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। उनकी बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। पवार के मेडिकल टेस्ट किए जा रहे हैं।



फिल्ममेकर वेद राही का 93 साल की उम्र में निधन

मुंबई। भारतीय साहित्य और मनोरंजन जगत के दिग्गज लेखक एवं फिल्ममेकर वेद राही का 93 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने रविवार को महाराष्ट्र के ठाणे स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। उन्हें दूरदर्शन के धारावाहिक 'गुल गुलशन गुलफाम' के निर्देशन के लिए विशेष रूप से याद किया जाता है।



भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी के साथ डॉ. हिमांशु द्विवेदी का सार्थक संवाद

त्रिवेदी बोले-कांग्रेस पार्टी और राहुल भारत विरोधी शक्तियों का मुखौटा बन गए हैं... खतरा पहचानिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी का कहना है कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी भारत विरोधी शक्तियों का मुखौटा बन गए हैं, हम इसलिए सावधान करना चाहते हैं कि इस मुखौटे पर मत जाइए, पीछे छिपे असली खतरे को पहचानिए। राहुल गांधी जाने-अनजाने में आज उन शक्तियों के टूल बन गए हैं पूरी तरीके से। त्रिवेदी के साथ हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने सार्थक संवाद किया। पेश हैं प्रमुख अंश।



- **एक दमदार सरकार रहते हुए, भारतीय जनता पार्टी को 'लोकतंत्र बचाने' के संदर्भ में निकलना पड़ा, अराजकता हटाने' के संदर्भ में बात करनी पड़ रही है।**
- भारत का जिस प्रकार का राइज़ हो रहा है दुनिया में, देखिए, तीन बड़े ब्लॉक्स हैं अमेरिका, चाइना और यूरोप, तीनों जगह समस्या आ रही है। नेचुरली अब भारत के सामने संभावनाएं हैं, तो बहुत सी शक्तियां नहीं चाहतीं, उसमें देश के अंदर की भी, बाहर की भी, कि भारत उभरे। तो आप देखिए, मोदी जी का नेतृत्व अगर नहीं होता, तो अगल में देखिए, बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, शक्तिशाली देश देखिए, फ्रांस, इटली, स्पेन, बेल्जियम, अल्बानिया, क्या हो रहा है? इवन कैपिटल हिल और ब्लैक लाइव्स मैटर्स जैसे उग्र आंदोलन अमेरिका जैसे देश में हो गए। उसके बाद भारत में ▶▶ शेष पेज 5 पर

उनसे सीधी बातचीत

- **आज भाजपा सफलता के जिस शिखर पर है, तो क्या आप मानते हैं कि नरेंद्र मोदी का नेतृत्व इतना चमत्कारिक है, इसलिए यह सफलता मिल गई, जो अटल जी या आडवाणी जी के दौर में नहीं थी?**
- देखिए, आपने जो बात कही, उसको थोड़ा और व्यापक फलक पर देखेंगे, तो थोड़ा एक्सपैंड करके, अटल जी-आडवाणी जी के युग से और पीछे जा के, पिछले 70 सालों में भारतीय जनसंघ और भाजपा का विस्तार देखिए। और यह जो कांग्रेस और राहुल गांधी कहने का प्रयास करती है कि साहब वो एंटी-इंकंबेंसी थी। अरे साहब, ऐसा नहीं है, हमारा ऑर्गेनिक राइज हुआ है। 50 का दशक, हम एक इरेलेवेंट पार्टी, अप्रासंगिक दल, हमें कोई पूछता नहीं था। 60 का दशक, 1966 में गो-रक्षा आंदोलन हमने किया और 67 के चुनाव में हमारे 35-35 सांसद जीत के आए। उत्तर प्रदेश की विधानसभा में 96 एमएलए जीत के आए। और उत्तर भारत के अनेक राज्यों में हमने संविद सरकारें 1968-69 में बनाईं, यानी हम एक प्रासंगिक दल बने। 70 का दशक, हम जनता पार्टी के मुख्य घटक बने। अनेक राज्यों में हमारी गठबंधन सरकारों, तीन राज्यों में हमारे मुख्यमंत्री बने, जिसमें हिमाचल, राजस्थान और मध्य प्रदेश, और उस समय छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश का हिस्सा था। 80 का दशक, थोड़ा सा शुरुआत में दो-दो सीट वाला झटका आया, मगर लोग भूल जाते हैं, उस समय भी इन टर्म्स ऑफ परसेंटेज ऑफ वोट भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस के बाद नंबर दो की पार्टी थी, हमारा 8% वोट था। वहां पे दूसरे नंबर की पार्टी इन टर्म्स ऑफ सीट्स तेलुगु देशम थी, 23 थी, मगर उसका परसेंटेज ऑफ वोट 2% के आसपास था। अब आप आइए, 80 के दशक का एंड आता है, हम 89 सीट की 86 सीट की पार्टी। और 91 में हम मुख्य विपक्षी दल। पहला गैर-कांग्रेसी दल जो 100 सीटों से ऊपर आया और हमने यूनिपोलर पॉलिटिक्स को बाईपोलर कर दिया। 90 के दशक का अंत आता है, अब गठबंधन के हम साथी नहीं हैं, गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं अटल जी के नेतृत्व में।





वकीलों के साथ विवाद मामला: दो अधिकारियों के तबादले को वापस लेने की मांग

दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर पुलिसकर्मियों का विरोध प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



दिल्ली के शाहदरा थाने में पुलिस और वकीलों के बीच हुई झड़प के बाद दो अधिकारियों के तबादले के विरोध में सोमवार सुबह महिला कर्मियों सहित लगभग 100 पुलिसकर्मी दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर एकत्र हुए और विरोध प्रदर्शन किया। तख्ती और पोस्टर हाथों में लिए प्रदर्शनकारी पुलिसकर्मियों ने मांग की कि सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) मनस्वी वशिष्ठ और शाहदरा के थाना प्रभारी (एसएचओ) रहे अरुण कुमार को उनकी पुरानी पदस्थापनाओं पर बहाल किया जाए। यह विवाद थाने में पुलिस और वकीलों के बीच हुई हाथापाई से शुरू हुआ, जिसमें एक वकील घायल हो गया था। वकीलों के अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान करने के बाद, एसीपी और निरीक्षक का तबादला कर दिया गया था। इसके बाद वकीलों ने अपनी हड़ताल वापस ले ली थी। एसीपी वशिष्ठ ने पुलिसकर्मियों के प्रदर्शन के आह्वान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि यह प्रदर्शन एक स्वाभाविक आह्वान है और वह भी इसमें शामिल हो रहे हैं। प्रदर्शनकारी पुलिसकर्मियों ने वकीलों पर दुर्व्यवहार और धमकी देने का आरोप लगाया। वशिष्ठ ने कहा कि उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से अनुरोध किया था कि वे उन्हें अपनी बात रखने के लिए एक मंच प्रदान करें और इस संबंध में एक औपचारिक आवेदन भी प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि वरिष्ठ अधिकारी हमें अपनी बात रखने का अवसर देंगे। हम खुलकर बात करेंगे और इस मामले का समाधान निश्चित रूप से निकलेगा। एसीपी ने कहा कि हमने यह कदम इसलिए उठाया है क्योंकि पुलिस को जिस गुंडागर्दी का सामना करना पड़ रहा है और थानों के अंदर जो सुरक्षा समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, उनके खिलाफ आवाज उठाना जरूरी है। कुछ लोग गुंडागर्दी कर रहे हैं और वे केवल हमारे ही नहीं बल्कि पूरे समाज के दुश्मन हैं। उन्होंने कहा कि यदि थाने ही सुरक्षित नहीं हैं, तो कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं हो सकता।

शाहदरा थाने में 23 अक्टूबर को हाथापाई के दौरान अधिवक्ता ललित बंसल के सिर में गंभीर चोट लगी थी। इसके बाद थाने में वकीलों और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प हुई, जिसके कारण जिला अदालत के वकीलों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। दिल्ली पुलिस ने 28 अक्टूबर को गांधी नगर में उपमंडल पुलिस अधिकारी के पद पर तैनात वशिष्ठ का तबादला महिलाओं एवं बच्चों के लिए विशेष पुलिस इकाई (एसपीयूडब्ल्यूएसी) में कर दिया था। शाहदरा थाने के तत्कालीन एसएचओ अरुण कुमार का तबादला सुरक्षा इकाई में कर दिया गया था। वकीलों द्वारा बंसल पर हुए हमले और थाने में हुई झड़प के लिए कथित रूप से जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग किए जाने के बीच तबादले किए गए थे। प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को पुलिसकर्मियों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए सतर्क कर दिया गया था। जिला पुलिस उपायुक्तों (डीसीपी) से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था कि उनके कर्मी इस प्रदर्शन में भाग न लें।

वशिष्ठ ने दिल्ली पुलिस आयुक्त के साथ बातचीत का प्रस्ताव भी रखा था, और कहा था कि इसका ऑनलाइन प्रसारण किया जाए ताकि पुलिसकर्मी और जनता इसे देख सकें।

मकोका मामले में वांछित समेत माया गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार



एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने माया गिरोह के दो कथित आदतन झपटमारों और चोरों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से एक महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत एक मामले में वांछित था। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान मोहम्मद उमर अंसारी (23) और सुमित बेनीवाल (23) के रूप में हुई है, जिन्हें 25 अक्टूबर को मदनपुर खादर में गश्त के दौरान गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि दोनों मोटरसाइकिल पर सवार थे, जब पुलिसकर्मियों ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन उन्होंने कथित तौर पर भागने का प्रयास किया और मोटरसाइकिल संतुलन बिगड़ने पर फिसल गई, जिसके बाद दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कहा कि अंसारी माया गिरोह का सदस्य है और इस साल मई में दर्ज मकोका मामले में वांछित था।

पति ने पत्नी पर हथौड़ी से किया हमला



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

■ अवैध संबंधों का था शक

उत्तर पश्चिमी दिल्ली के वजीरपुर गांव में 30 वर्षीय व्यक्ति ने विवाहेतर संबंध के संदेह में अपनी पत्नी पर कथित तौर पर हथौड़ी से हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान संजय के रूप में हुई है, जिसे एक नवंबर को हुई घटना के बाद लोगों ने पकड़ लिया था। उन्होंने कहा कि वजीरपुर गांव में हत्या के प्रयास की एक घटना के संबंध में अशोक विहार थाने को सूचना मिली। अधिकारियों ने बताया कि घरेलू विवाद के बाद आरोपी ने कथित तौर पर अपनी पत्नी संगीता पर हमला किया। पुलिस ने कहा कि महिला के सिर पर कई चोटें आईं और उसे दीप चंद बंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि हमले के बाद आरोपी घर में ताला लगाकर भागने लगा, लेकिन उसे मकान मालिक और उसके भाई ने मौके पर ही पकड़ लिया, जिन्होंने बाद में उसे पुलिस को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार, अपराध जांच टीम और फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और कथित तौर पर हमले में इस्तेमाल की गई हथौड़ी को जब्त कर लिया गया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अंकुर कुमार,** पुत्र लक्षण दास गोयल निवासी 98, पश्चिम विहार एक्सटेंशन, नई दिल्ली ने **केस रजिस्ट्रेशन सं. 895/2023 धारा 138 एन.आई.अधिनियम थाना दक्षिण रोहिणी, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अंकुर कुमार** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अंकुर कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा **धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता** की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **केस रजिस्ट्रेशन सं. 895/2023 धारा 138 एन.आई.अधिनियम थाना दक्षिण रोहिणी, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अंकुर कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **07.12.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार: श्री संयम जैन,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-04 (उत्तर-पश्चिम),
कोर्ट नंबर 112,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली।

DP/15716/RD/2026

महापौर ने बांटे दिवंगत कर्मचारियों के 46 आश्रितों को करुणामूलक आधार पर नियुक्ति पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली



महापौर प्रवेश वाही ने सोमवार को एक कार्यक्रम के दौरान दिल्ली नगर निगम के दिवंगत कर्मचारियों के 46 आश्रितों को जन स्वास्थ्य विभाग में एमटीएस के पद पर करुणामूलक आधार पर लगाने संबंधित नियुक्ति पत्र प्रदान किए। निगम मुख्यालय स्थित सत्य नारायण बंसल सभागार में हुए कार्यक्रम में महापौर वाही के अलावा उप महापौर मोनिका पंत, नेता सदन जय भगवान यादव व डीडीए के सदस्य राजीव बब्बर, निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अशोक रावत एवं निगम के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। इस मौके पर बोलते हुए महापौर वाही ने कहा कि निगम, अपने कर्मचारियों के हितों के प्रति संवेदनशील व उनकी हर संभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। महापौर वाही ने कहा कि हम कर्मचारियों के हितों का ध्यान रखते हैं और इसी कड़ी में कुछ दिन पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा जन स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत 4000 एमटीएस (पब्लिक हेल्थ) कर्मचारियों को समान कार्य के लिए समान वेतन के अंतर्गत वेतन जारी किया गया था। उन्होंने कहा कि जबकि इससे पहले निगम में कार्यरत 1467 स्वच्छता कर्मचारियों को नियमित किया जा चुका है। दिल्ली नगर निगम की भारतीय जनता पार्टी की सरकार कर्मचारियों के हितों एवं अधिकारों के प्रति पूरी तरह से सजग है और हम पूरी संवेदनशीलता से उनके हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में अपने कर्मचारियों के कल्याण तथा उनके अधिकारों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि निगम के कर्मचारी दिल्ली में नागरिक सुविधा प्रदान करने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनकी मेहनत और योगदान से शहर की सफाई व्यवस्था सहित अन्य नागरिक सेवाएं सुचारू रूप से संचालित होती है।

सौरभ भारद्वाज का सुप्रीम कोर्ट पर निशानाः आखिरी समय में ग्रीन पटाखों की अनुमति से दिल्ली फिर बनेगी गैस चेंबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली



दिल्ली प्रदेश आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिवाली के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति देने पर सवाल उठाए है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पटाखे बनाने वालों को पहले से पता था कि इस बार दिवाली पर दिल्ली में ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति मिलेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि इजाजत मिलने से अब ग्रीन पटाखे बनाने वाले ही प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों पर ग्रीन पटाखे का लेबल चिपका कर उन्हें ही बेचेंगे। भारद्वाज ने सुप्रीम कोर्ट पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि जब हमेशा से दिवाली की तारीख का सभी को पहले से पता होता है कि कब तो ऐसे में सुप्रीम कोर्ट आखिरी समय में ग्रीन पटाखे की अनुमति क्यों देता है। भारद्वाज ने पूछा कि दिवाली 8 नवंबर को है, यह सुप्रीम कोर्ट को कब पता चला, क्या नवंबर में पता चला। सुप्रीम कोर्ट आखिरी मिनट तक ऐसा क्यों करता है, यह तो मिसमैनेजमेंट है। जो सुप्रीम कोर्ट तमाम सरकारों और लोगों को मैनेजमेंट सिखाता है, क्या उसे यह समय रहते नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब तो दिल्लीवाले राम भरोसे हैं क्योंकि दिवाली पर दिल्ली फिर से गैस चेंबर बन जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले साल भ्रष्ट पुलिस अफसरों ने प्रतिबंधित व हर तरह के पटाखे चलाने दिए और दिल्ली को गैस चेंबर बनाकर रख दिया था। जबकि भाजपा सरकार ने रात के समय एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशनों को ही बंद कर प्रदूषण के डेटा में हेराफेरी की थी। भारद्वाज ने कहा कि क्या जाहिर पटाखा बनाने वाले जानते थे कि 7 और 8 नवंबर को ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति मिल जाएगी। यही कारण है कि उन्होंने पहले से ही भारी तादाद में ग्रीन पटाखे बनाकर रखे थे। उन्होंने अंदेशा जताया कि ऐसा भी हो सकता है कि उन्होंने साधारण ग्रीन पटाखे बना रखे थे और सुप्रीम कोर्ट का ऑर्डर आने के बाद अब वे उसके ऊपर ग्रीन क्रैकर्स का लेबल चिपका देंगे। जहां यह तक चेक नहीं होता कि पटाखे बेचने वाले के पास लाइसेंस है या नहीं, वहां पुलिस का एक कांस्टेबल यह कैसे जांच कर सकता है कि वह ग्रीन क्रैकर्स है या नहीं।

सत्या इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड
"मालवा काउंटी" परियोजना के विकासकर्ता
ए.बी. बायपास रोड, राऊखेड़ी, इंदौर, मध्य प्रदेश

सार्वजनिक सूचना
आवंटियों/ग्राहकों को अंतिम सूचना

सर्वसाधारण एवं विशेष रूप से ए.बी. बायपास रोड, राऊखेड़ी, इंदौर, मध्य प्रदेश स्थित **"मालवा काउंटी"** परियोजना के निम्नलिखित आवंटियों/ग्राहकों को इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उनके नाम आवंटित इकाइयों/भूखंडों के आवंटन दिनांक के पश्चात आवंटियों के द्वारा भूखंडो के पंजीयन हेतु अंतिम भुगतान नहीं किया गया एवं कंपनी द्वारा बार बार मांग पत्र एवं स्मरण पत्र भेजने के बाद भी भुगतान नहीं करने के कारण **सत्या इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ("विकासकर्ता") द्वारा निरस्त किए जा चुके हैं जिसकी सूचना पूर्व में ही प्रदान की जा चुकी है।**

संबंधित आवंटियों/ग्राहकों का विवरण निम्नानुसार हैं :

क्र.	आवंटी/ग्राहक का नाम	इकाई/भूखंड क्रमांक	पता
1.	श्रीमती सपना गोयल	सी–054	1107, सेक्टर–40, गुड़गांव, हरियाणा, भारत –122001
2.	श्रीमती रंजीता धाम	ई–231	3856/23, रैगर पुरा, आर्य समाज रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110005
3.	श्री प्रदीप वर्मा	एन–038	जी–107, रेल विहार, सेक्टर–15–II, गुड़गांव, हरियाणा–122001
4.	श्री मुनीश मोंगा	एन–101	40/14, प्रथम तल, पूर्वी पटेल नगर, नई दिल्ली–110008
5.	श्रीमती स्वाति मल्होत्रा	एन–154	503, भूखंड क्रमांक 16, सेक्टर–19, खारघर, नवी मुंबई, महाराष्ट्र–410210
6.	श्री नवीन लूथर	एन–168	जे–209, सैनिक फार्म्स, नई दिल्ली–110062

अनुबंधानुसार भूखंड निरस्तीकरण पश्चात विकासकर्ता को इकाइयों/भूखंडों का विपणन करने, उन्हें किसी अन्य व्यक्ति/संस्था को आवंटित करने, हस्तांतरित करने, विक्रय करने अथवा उनके संबंध में अन्य व्यवहार करने का हक प्राप्त हो गया है ।

उपरोक्त आवंटियों/ग्राहकों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन दिनांक से **15 (पंद्रह) दिवस के भीतर** विकासकर्ता से संपर्क कर अनुबंध, आवंटन निरस्तीकरण की शर्तों के अनुसार भूखंड आवंटन के लिए जमा की गई राशि प्राप्त करने के लिए समस्त असल रसीदों के साथ विकासकर्ता के कार्यालय में उपस्थित हो कर राशि प्राप्त कर लें। इस सूचना के प्रकाशन से पूर्व में निरस्त किसी भी आवंटन को पुनः बहाल अथवा प्रभावी नहीं माना जाएगा।

यह सार्वजनिक सूचना संबंधित आवेदन पत्र/आवंटन पत्र/अनुबंध, भू–संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 एवं उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों/विनियमों तथा अन्य लागू कानूनों के अंतर्गत सत्या इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के समस्त अधिकारों, उपलब्ध कानूनी उपायों, दावों एवं आपत्तियों को सुरक्षित रखते हुए प्रकाशित की जा रही है।

सत्या इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की ओर से
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

तमाम प्रतिबंधों के बावजूद दिल्ली में वायु प्रदूषण से बुरा हाल, कई जगह एक्यूआई पहुंचा 600 से ऊपर

नई दिल्ली। दिल्ली में सरकार द्वारा लगाए गए तमाम प्रतिबंधों के बावजूद सोमवार को राजधानी के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लेवल का आंकड़ा 600 से ऊपर पहुंच गया। जबकि औसत दिल्ली का एक्यूआई भी बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा विकसित 'समीर' ऐप के अनुसार दिल्ली में सुबह के समय औसत एक्यूआई 300 से अधिक दर्ज किया गया। जबकि रात के समय जहांगीरपुरी आईटीआई क्षेत्र में एक्यूआई आंकड़ा 680 से ऊपर पहुंच गया। ऐप के अनुसार दिल्ली के 54 निगरानी केंद्रों में से 31 केंद्रों में वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में दर्ज की गई जबकि तीन केंद्रों में यह बहुत खराब श्रेणी में रही। जानकारी अनुसार दिल्ली के प्रमुख क्षेत्रों में शामिल नई दिल्ली में 399, शाहदरा में 459, सोनिया विहार में 457, पंजाबी बाग में 418, रोहिणी में 326, सफदरजंग एनक्लेव में 398, साकेत में 378, आईटीओ में 349, लक्ष्मी नगर में 253, आनंद विहार में 179, वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में 436, नरेला में 373, अलीपुर में 588, रोहिणी के शहीद सुखदेव कॉलेज क्षेत्र में 470, पुठ खुर्द बवाना में 329, झीलमिल में 329, द्वारका 483, पटपटगंज 503 और ओखला 295 एक्यूआई दर्ज हुआ। यह हालात तब है जब दिल्ली में सरकार ने 1 नवंबर 2026 से बीएस -VI से नीचे के मानकों वाली बाहरी वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। जबकि अनावश्यक निर्माण कार्यों व तोड़फोड़ पर भी रोक लगा गई है। सरकार ने 50 प्रतिशत कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम पर रखा है। इसके अलावा खुले में आग जलाने आदि पर भी प्रतिबंध लगा रखा है। इन सब के बावजूद दिल्ली में वायु प्रदूषण में सुधार के बजाए उल्टा हालत बिगड़ने लगी है।

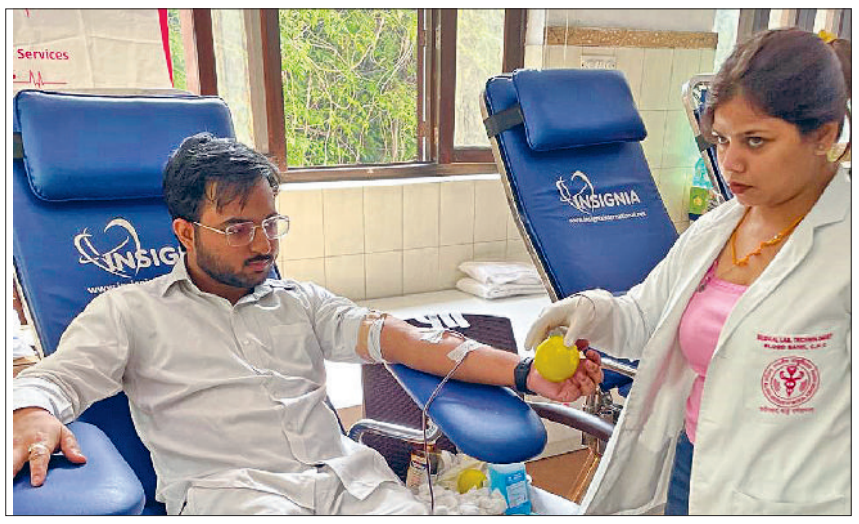

सत्य साईं सेवा संगठन, दिल्ली–एनसीआर, जिला पश्चिम द्वारा प्रशांति धाम, द्वारका में एम्स नई दिल्ली के सौजन्य से आयोजित रक्तदान शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस शिविर में कुल 90 रक्तदाता पहुँचे, जिनमें से एम्स की गहन चिकित्सकीय जाँच के उपरांत 45 सफल रक्तदान संपन्न हुए। 13 डॉक्टरों एवं तकनीशियनों की समर्पित टीम, जिसका नेतृत्व सीनियर रेजिडेंट डॉ. प्रज्ञा भारद्वाज ने किया।

डीएमआरसी ने बढ़ाए कार्य दिवसों पर 20 और अतिरिक्त फेरे

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने कहा कि राजधानी में बढ़ते प्रदूषण के बाद ग्रैप दो की पाबंदियां लागू हो गई है। डीएमआरसी ने कहा कि जिसके चलते राजधानी में ग्रैप दो के मद्देनजर, दिल्ली मेट्रो कल से सभी कार्य दिवसों पर 20 और फेरे बढ़ाएगी। इस तरह, इसके नेटवर्क पर कुल अतिरिक्त फेरों की संख्या 40 हो जाएगी। इसका उद्देश्य लोगों को अपने निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना और प्रदूषण को कम करने में मदद करना है। बता दें कि सोमवार को दिल्ली में वायु प्रदूषण का ग्राफ बढ़कर 300 के पार पहुंच गया। ऐसे में सरकार ने दिल्ली में ग्रैप दो की पाबंदियों को लागू कर दिया है।

सरकार और जनता के बीच सेतु का काम कर रहा मीडिया

फरवरी 2025 से दिल्ली में विकास और जनकल्याण के कार्य जारीः रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली



■ सीएम ने दीपावली के उपलक्ष्य में सोमवार को पत्रकारों से मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर संवाद किया

दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को पत्रकारों से मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत बनाने तथा जनता की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को सरकार तक पहुंचाने में मीडिया की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को दीपावली की शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए कहा कि फरवरी 2025 से दिल्ली में विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्यों का सिलसिला जारी है। इन बदलावों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ जनता की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को सरकार तक पहुंचाने में मीडिया के साथियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसरोकारों के प्रति मीडिया की सजगता और लोकतंत्र को सशक्त बनाने में उसका योगदान अभिनंदनीय है। मीडिया केवल खबरों को लोगों तक पहुंचाने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता और सरकार के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण सेतु भी है। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, कैबिनेट सहयोगियों, प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, पंकज सिंह, रविंद्र इंद्राज और कपिल मिश्रा, विधायकों तथा अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

MCG MUNICIPAL CORPORATION OF GURUGRAM
NURTURING GURUGRAM

सार्वजनिक सूचना
[हरियाणा नगर निगम अधिनियम, 1994 की धारा 217(2) के अंतर्गत]

खसरा नंबर 764, गांव नाथूपुर, गुरुग्राम में स्थित सार्वजनिक गली (पब्लिक स्ट्रीट) के एक भाग को स्थायी रूप से बंद करने के प्रस्ताव पर आपत्तियां/सुझाव आमंत्रित करने बारे

1. जन सामान्य को सूचित किया जाता है कि नगर निगम गुरुग्राम के विचाराधीन एक प्रस्ताव है, जिसके अंतर्गत हरियाणा नगर निगम अधिनियम, 1994 की धारा 217(2) के अधीन गांव नाथूपुर, तहसील एवं जिला गुरुग्राम के खसरा नंबर 764 (कुल क्षेत्रफल लगभग 5.38 एकड़, राजस्व रिकॉर्ड में "गैर मुमकिन रास्ता" के रूप में दर्ज) में से लगभग 2.00 एकड़ (8,141 वर्ग मीटर) भूमि को स्थायी रूप से बंद करने तथा शेष भाग को 18.00 मीटर चौड़ी सार्वजनिक सड़क के रूप में पुनः नियोजित करने का प्रस्ताव है, जिससे राजकीय विद्यालय एवं आसपास के क्षेत्रों तक आवागमन बना रहेगा।
2. विस्तृत सूचना तथा मौजूदा एवं पुनः नियोजित ले-आउट प्लान नगर निगम की वेबसाइट https://www.mcg.gov.in पर उपलब्ध हैं तथा किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय के दौरान वरिष्ठ नगर योजनाकार, नगर निगम गुरुग्राम, कार्यालय, नगर निगम गुरुग्राम, प्लॉट नंबर सी-1, इन्फो सिटी, सेक्टर-34, गुरुग्राम में देखे जा सकते हैं।
3. प्रभावित होने वाले निवासी एवं अन्य संबंधित व्यक्ति अपनी लिखित आपत्तियां/सुझाव आयुक्त, नगर निगम गुरुग्राम को उपरोक्त पते पर अथवा ई-मेल cmc@mcg.gov.in & stp@mcg.gov.in द्वारा **इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से एक माह के भीतर अर्थात 30.11.2026 को सायं 5:00 बजे तक** प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

आयुक्त,
नगर निगम गुरुग्राम

दिनांक: 31.10.2026

नगर निगम गुरुग्राम, प्लॉट नंबर सी-1, इन्फो सिटी, सेक्टर-34, गुरुग्राम

संवाद - 1078/11/1150/2027/50710/C/88/7 दि. 02.11.26

नई दिल्ली, मंगलवार 3 नवंबर 2026

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



11 हर्ष की फिरकी का कहर, एक पारी में 53 रन देकर झटके शानदार 9 विकेट

haribhoomi.com

3

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हैदराबाद में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में हुए शामिल



कहा, कांग्रेस चाहे जितना जोर लगा ले भाजपा एक-एक घुसपैठिए को देश से बाहर निकालकर ही दम लेगी

दिल्ली में राहुल ने जो रैली की, वह 'वोट बचाओ रैली' नहीं, वो घुसपैठिया बचाओ रैली थी: शाह

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को हैदराबाद में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को संबोधित किया और कांग्रेस पर घुसपैठियों को बचाने, एसआईआर का विरोध करने, भ्रष्टाचार करने और जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की 'वोट बचाओ रैली' वास्तव में 'घुसपैठिया बचाओ रैली' है। शाह ने मतदाता सूची से फर्जी, डुप्लीकेट और मृत व्यक्तियों के नाम हटाने का समर्थन किया तथा राहुल गांधी को संसद का विशेष सत्र बुलाकर इन मुद्दों पर चर्चा करने की चुनौती दी।

उन्होंने तेलंगाना की जनता से राज्य में कांग्रेस सरकार को सत्ता से हटाने और भाजपा के पक्ष में जनसमर्थन जुटाने की अपील की। कार्यक्रम में तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय राज्य मंत्री संजय कुमार, राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण, लोकसभा सांसद श्रीमती डी. के. अरुणा, इटला राजेंद्र, अरविंद धर्मपुरी और कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

शाह ने कहा कि अगर उस समय सरदार पटेल निजाम को नहीं झुकाते, तो आज हैदराबाद भारत का हिस्सा नहीं होता। सरदार पटेल ने ही हैदराबाद के निजाम को झुकाकर हैदराबाद को भारत का हिस्सा बनाया और तेलंगाना को भारत से जोड़ा। आज हैदराबाद में हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर खड़े हैं। कल दिल्ली में भी राहुल गांधी की एक रैली हुई थी, जिसे उन्होंने 'वोट बचाओ रैली' का नाम दिया। कांग्रेस की यह वोट बचाओ रैली नहीं, बल्कि घुसपैठिया बचाओ रैली थी। कांग्रेस पार्टी एसआईआर को रोककर देश की मतदाता सूची में शामिल बांग्लादेशी घुसपैठियों को बचाना चाहती है। मगर राहुल गांधी और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी चाहे जितना जोर लगा लें, भारतीय जनता पार्टी एक-एक घुसपैठिए को मतदाता सूची और देश से बाहर निकालने के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस और उसकी पूरी कंपनी एसआईआर को रोकने में लगी है, क्योंकि घुसपैठिए उसका वोट बैंक हैं। इसके विपरीत, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ एसआईआर के समर्थन में खड़े हैं। इस देश में केवल वही व्यक्ति मतदान कर सकता है, जो भारत का नागरिक है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी दावा करते हैं कि 13 करोड़ वोट काट दिए गए हैं, जबकि उनका यह दावा झूठा है। इन 13 करोड़ मतदाताओं में से करीब सवा छह करोड़ लोग ऐसे हैं, जो दूसरी जगह रहने चले गए हैं। करीब 2.8 करोड़ यानी लगभग तीन करोड़ लोगों की मृत्यु हो चुकी है। ऐसे में जिन लोगों ▶▶शेष पेज 5 पर

एसआईआर के बगैर भी भाजपा जीती

शाह ने कहा कि विपक्ष का दावा है कि भाजपा एसआईआर के कारण ही चुनाव जीतती है। 2014 और 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने एसआईआर के बिना ही चुनाव जीते थे। भाजपा ने 2024 में भी देश के मतदाताओं के समर्थन से जीत हासिल की। इसके बाद महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली, बिहार और असम में भी भाजपा ने जीत दर्ज की। अब तेलंगाना में भी भाजपा जीत हासिल करेगी। 2024 के बाद भाजपा महाराष्ट्र में जीती और हरियाणा में सबसे बड़े बहुमत के साथ सरकार बनाई। भाजपा ने लगभग 30 साल बाद दिल्ली में जीत दर्ज की और बिहार में भी सबसे बड़े बहुमत के साथ जीत हासिल की। पश्चिम बंगाल में भी ममता बनर्जी की पार्टी को हार का सामना करना पड़ेगा। भाजपा ने असम में लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की। दो दिन पहले राहुल गांधी ने मॉक पार्लियामेंट आयोजित की थी। अगर राहुल गांधी हमसे सलाह लेते, तो हम उन्हें कहते कि इस नकली संसद में बिना नेता प्रतिपक्ष बने एक बार प्रधानमंत्री बन जाएं, क्योंकि असली संसद में वे कभी प्रधानमंत्री नहीं बन पाएंगे। अगर राहुल गांधी नकली संसद में प्रधानमंत्री बन जाएं, तो सोनिया गांधी के हृदय को शांति मिल जाएगी। राहुल गांधी इस तरह चुनाव नहीं जीत सकते। चुनाव में केवल तीन-चार महीने सक्रिय रहने और फिर विदेश चले जाने से काम नहीं चलेगा। उन्हें देश में पसीना बहाना होगा, जनता के साथ एकजुट होकर रहना होगा और उनकी समस्याओं का समाधान करना होगा।

दिवाली पर प्रदूषण रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने तय किया समय

दिल्ली-एनसीआर में दो दिन ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 7 और 8 नवंबर, 2026 को ग्रीन पटाखे फोड़ने की अनुमति दी है। पटाखे सुबह 6 बजे से 7 बजे तक और रात 8 बजे से 10 बजे तक फोड़े जा सकेंगे। यह अनुमति सुप्रीम कोर्ट के 15 अक्तूबर, 2025 के पहले के आदेश के अनुसार दी गई है। शीर्ष कोर्ट ने निर्देश दिया है कि अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक और जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित शांत क्षेत्रों के 300 मीटर के दायरे में कोई भी पटाखा नहीं फोड़ा जाएगा।

गैर बीएस-6 वाहन के प्रवेश पर रोक रहेगी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 1 नवंबर से 31 जनवरी तक राजधानी में दिल्ली के बाहर पंजीकृत उन वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने के प्रशासन के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जो बीएस-6 उत्सर्जन मानकों पर खरे नहीं उतरते हैं।

शैक्षिणक संस्थान नो-क्रैकर जोन बने

कोर्ट ने कहा है कि इन सभी क्षेत्रों के साथ शैक्षणिक संस्थानों को भी 'नो-क्रैकर जोन' घोषित किया जाएगा। इन क्षेत्रों को उचित तरीके से चिह्नित किया जाएगा और इनके बारे में लोगों को जानकारी दी जाएगी। वैध प्रमाणपत्र रखने वाले पटाखा और आतिशबाजी ▶▶शेष पेज 5 पर

नीट पीजी परीक्षा पर मांगा जवाब

नीट पीजी परीक्षा की आंसर की और प्रश्नपत्र सार्वजनिक करने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) से स्पष्टीकरण मांगा है। अदालत ने पूछा है कि उम्मीदवारों को प्रश्नपत्र की कॉपी रखने की अनुमति देने से परीक्षा की निष्पक्षता और विश्वसनीयता कैसे प्रभावित हो सकती है। अदालत ने मौजूदा नीति पर असंतोष जताते हुए बोर्ड से पूछा है कि वह नीट-पीजी परीक्षा में प्रश्नपत्र और उत्तर कुंजी की पूरी जानकारी देने से क्यों बच रहा है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने बोर्ड को इस संबंध में लिखित जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

25% अग्निवीरों को सेनाओं में स्थायी नौकरी देने के फॉर्मूले में नहीं होगी कोई तब्दीली!

4 साल की सेवा पूरी करने के बाद बाहर होने वाले 75% अग्निवीरों में से कुछ को मिलेगा 2 वर्ष का सेवा विस्तार



हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

इसी महीने 21 नवंबर को केंद्र सरकार की बहुचर्चित अग्निपथ योजना का पहला सार्वजनिक इम्तिहान होगा। क्योंकि भारतीय नौसेना के कुल करीब 3 हजार अग्निवीरों का पहला बैच अपने चार वर्षीय सेवाकाल को पूरा करने के बाद बाहर निकलेगा। लेकिन इससे ठीक पहले सूत्रों का कहना है कि योजना के मुताबिक, सशस्त्र सेनाओं में भर्ती के साथ सेवा देने की 48 महीने की तय अवधि के बाद सेना, वायुसेना और नौसेना में स्थायी नौकरी पाने वालों का आंकड़ा फिलहाल 25% ही रहेगा। जबकि बाकी बचे हुए ▶▶शेष पेज 5 पर

आज होगी उच्च-स्तरीय बैठक

रक्षा मंत्रालय में अग्निवीरों के पहले बैच के इसी महीने बाहर निकलने के विषय को लेकर बीते कुछ दिनों से लगातार बैठकों का सिलसिला जारी है। मामले पर मंगलवार को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में भी एक उच्च-स्तरीय बैठक हो सकती है। जिसमें रक्षा मंत्रालय से प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और रक्षा उत्पादन सचिव शामिल हो सकते हैं।



खबर संक्षेप

ठगी के मामलों में दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने दो अलग-अलग साइबर ठगी के मामलों में



कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अजरुद्दीन निवासी गांव पायला कलां, राजस्थान शिवम निवासी गांव इंदराई, पुलिस ने बताया कि सेक्टर-8 निवासी एक महिला ने साइबर थाना बल्लभगढ़ में शिकायत दी थी कि 5 अक्टूबर को उसका मोबाइल फोन अचानक हैक हो गया।

वाहन चोरी के मामले में दो वाहन चोर गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखाओं की टीमों ने वाहन चोरी के दो अलग-अलग मामलों



को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस ने बताया कि मुजेसर में दर्ज मोटरसाइकिल चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए अमन श्रीवास्तव निवासी गांधी कॉलोनी को संत सूरदास मेट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया है।

183 बोतल देसी शराब के साथ 147450 रुपए बरामद

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा अपराधियों पर शिकंजा कसने और



जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए विशेष वीकेंड अभियान के माध्यम से लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के निर्देशन में 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक चलाए गए तीन दिवसीय अभियान में पुलिस ने विभिन्न मामलों में 116 आरोपियों को गिरफ्तार किया। 22.720 किलोग्राम गांजा, 4 देसी कट्टा, एक कारतूस 183 बोतल देसी शराब व जुआ अधिनियम के 147450 रुपए बरामद किये हैं।

मानव रचना यूथ कप में दिखा किशोर खिलाड़ियों का खेल कौशल

कालका पब्लिक स्कूल, श्रेष्ठ एफसी, आजाद फुटबाल अकादमी और आयशर एफसी ने दर्ज की शानदार जीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

मानव रचना यूथ कप फुटबाल टूर्नामेंट में कालका पब्लिक स्कूल, श्रेष्ठ एफसीए आजाद फुटबाल अकादमी और आयशर एफसी ने प्रतिद्वंद्वी टीमों पर शानदार जीत दर्ज की। मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर.14 के फुटबाल मैदान पर खेले जा रहे दिल्ली-एनसीआर के इस टूर्नामेंट में नेता जी सुभाष क्लब साउथ दिल्ली, जावी क्लब ने भी मुकाबले जीते।

अंडर-8 आयु वर्ग में कालका पब्लिक स्कूल की टीम ने नेता जी सुभाष अकादमी दक्षिण दिल्ली की टीम को 11.0 से करारी मात दी। कालका पब्लिक स्कूल की टीम की जीत के नायक रहे अनन्य रावत, जिन्होंने 8 गोल किए।

दो गोल तेजस और एक कबीर ने किया। बहरहाल नेता जी सुभाष अकादमी की टीम ने अंडर.10 में एमआर स्पोर्ट्स अकादमी पर 5.0 से जीत हासिल कर अपने खेमे में कुछ खुशियां दी।

- अनन्य अक्षत श्रेष्ठ, माज ने किए दनादन गोल
- नेता सुभाष क्लब साउथ दिल्ली, जावी क्लब ने भी जीते मुकाबले



एनआईएफसी अकादमी को 6.0 से पराजित किया

आदि और रेयांश ने 2.2 गोल, विवान ने एक गोल किया। अंडर-12 के एक मैच में श्रेष्ठ एफसी ने कालका पब्लिक स्कूल की टीम को 19.1 से हराया। अक्ष श्रेष्ठ ने सात गोल मारे। अश्मित सिंह ने दो, खुशी, सिद्धार्थ लामा व युवराज सिंह ने 3.3 गोल और प्रणव बहादुर ने एक गोल किया। अंडर-14 आयु वर्ग के एक मैच में आयशर एफसी ने एमआरएसए को 5.0 से हराया। धानिक व शिवांश ने 2.2 गोल किए। विराज ने एक गोल किया। इसी आयु वर्ग के एक और मैच में ज़ावी सिटी अकादमी ने एनआईएफसी अकादमी को 6.0 से पराजित किया। दीपांश ने तीन गोल, अयान भाटिया ने दो व कृयांश अरोड़ा ने एक गोल किया।

फरीदाबाद नगर निगम की नई वेबसाइट का शुभारंभ

नागरिकों को मिलेंगी एक ही मंच पर निगम की सेवाएं और जानकारियां: मेयर प्रवीण जोशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

नगर निगम फरीदाबाद की महापौर श्रीमती प्रवीण बत्रा जोशी ने आज नगर निगम की आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त यशेंद्र सिंह तथा आईटी एक्सईएन संजीव उपस्थित रहे।

महापौर प्रवीण बत्रा जोशी ने कहा कि नई वेबसाइट का उद्देश्य नगर निगम से संबंधित सेवाओं एवं जानकारियों को शहरवासियों तक सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक तरीके से पहुंचाना है। अब नागरिकों को नगर निगम की विभिन्न सेवाओं, योजनाओं, विकास कार्यों एवं प्रशासनिक गतिविधियों से जुड़ी जानकारी एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हो सकेगी। वेबसाइट के माध्यम से नागरिकों को प्रॉपर्टी टैक्स, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, नगर निगम की विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं, नागरिक शिकायतों, विकास कार्यों, टेंडर एवं महत्वपूर्ण सूचनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त करने में सुविधा होगी। इससे लोगों को आवश्यक जानकारी के लिए बार-बार नगर निगम कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता भी कम होगी। महापौर ने कहा कि डिजिटल सुविधाओं का विस्तार सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा प्रयास है फरीदाबाद के नागरिकों को नगर निगम से जुड़ी अधिक से अधिक सुविधाएं घर बैठे उपलब्ध हों निगम की कार्यप्रणाली में तकनीक का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

- वेबसाइट के माध्यम से घर बैठे सुविधाएं उपलब्ध मिलेगी

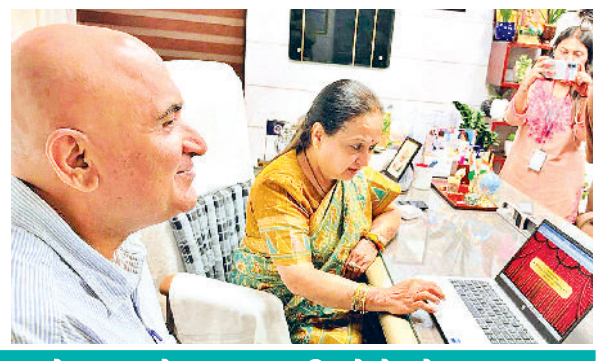

श्री कृष्ण सेवा सदन ने जरूरतमंद परिवारों में बांटे राशन, कंबल,

फरीदाबाद। श्री कृष्ण सेवा सदन द्वारा दीपावली के पावन अवसर पर जरूरतमंद परिवारों के लिए राशन, कंबल, मिठाइयां, प्रेशर कुकर और प्रोत्साहन राशि वितरण कार्यक्रम का आयोजन आर्य समाज मंदिर 3 नंबर ए ब्लॉक में किया गया। सदन द्वारा पिछले लगभग 20 वर्षों से गरीब महिलाओं में हर महीने राशन वितरण का कार्य निरंतर किया जा रहा है। हर वर्ष दीपावली के उपलक्ष्य में सभी 65 जरूरतमंद महिलाओं को एक जगह एकत्र कर उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सदन के सभी सदस्य और सेवादार उपस्थित रहे। सदन के चेयरमैन सुरेश गुलाटी, प्रधान प्रवीण कुमार, एडवोकेट संदीप सेठी, मनीष मदान, संतोष मदान, दयानंद विरमानी, गोविंद सिंह, शांति आर्या और सुभाष मदान, श्यामलाल आहूजा और बी.आर. अरोड़ा सहित



सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सहयोगी एडवोकेट दीपक गेरा और सीएमए सचिन कथूरिया ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई और सेवा कार्य में सहयोग किया। इस अवसर पर एडवोकेट संदीप सेठी ने जरूरतमंद महिलाओं के लिए सहयोग हेतु जनता से अपील की।

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने किया उद्घाटन, रक्तदान को बताया मानवता की सच्ची सेवा

फरीदाबाद। रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद मिडटाउन की ओर से महाराणा प्रताप भवन बल्लभगढ़ में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर

- रोटरी क्लब मिडटाउन ने लगाया रक्तदान

का उद्घाटन हरियाणा सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने किया। इस दौरान उन्होंने रक्तदान को मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए लोगों से ऐसे पुनीत कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कुल 40 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। आयोजकों ने कहा कि रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों को समय पर जीवनरक्षक सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है।

हाईवे किनारे ढाबे के निर्माण को लेकर उठाए सवाल, हाईकोर्ट के आदेशों का हवाला देकर कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर सिधरावली के नजदीक स्थित मन्नत ढाबे के निर्माण और संचालन को लेकर बोहड़ा खुर्द निवासी चंद्रपाल ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित जमीन पर ढाबे का निर्माण और संचालन निर्धारित नियमों के अनुरूप नहीं हो रहा है। चंद्रपाल ने प्रशासन से मामले की जांच कर नियमानुसार उचित कार्रवाई करने की मांग की है। पत्रकारों से बातचीत में चंद्रपाल ने बताया कि ढाबे के आसपास उनके परिवार की करीब 830 कनाल 15 मरला जमीन है, जिसमें लगभग दो एकड़ क्षेत्र में ढाबा बना हुआ है। उनका दावा है कि उक्त जमीन के संबंध में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में मामला विचाराधीन है और अदालत ने 18 जनवरी 2024 को अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए थे। इसके बावजूद वहां निर्माण कार्य होने की बात सामने आ रही है। चंद्रपाल ने जमीन के भू-उपयोग परिवर्तन (सीएलयू) और ग्रीन बेल्ट से जुड़े नियमों की भी जांच कराने की मांग की। उनका कहना है कि इस संबंध में उन्होंने जिला उपायुक्त, एसडीएम और जिला नगर योजनाकार (प्रवर्तन) कार्यालय में शिकायतें दी हैं, लेकिन अभी तक उन्हें अपेक्षित कार्रवाई की जानकारी नहीं मिली है।

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय, सोनीपत।

मु.न. 214 दिनांक 28.10.2026 धारा 127 (6) बी.एन.एस. थाना बरोदा जिला सोनीपत।

गुमशुदा की पहचान



नाम- प्रीति ।
पिता का नाम संजयदीन ।
पता - वासी गाँव मदीना जिला सोनीपत ।
उम्र-20 वर्ष ।
कद -5 फुट ।
हुलिया:- रंग सांवला, लम्बुतरा चेहरा, काली आँखें, काले बाल, हृष्ट-पुष्ट शरीर ।
पहनावा - नीले व सफेद रंग की कुर्ती, सफेद रंग का पायजामा पहने हुए है।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 28.10.2026 को प्रीति पुत्री संजयदीन वासी गाँव मदीना जिला सोनीपत, बिना किसी को बताए घर से कहीं चली गयी है। जो अब तक घर वापिस नहीं आयी है। जिस सम्बन्ध में उपरोक्त मुकदमा थाना में दर्ज रजिस्टर है। अगर किसी को उपरोक्त गुमशुदगी बारे कोई सूचना मिलती हैं तो निम्नलिखित नंबरों पर सूचित करें।
प्रबन्धक थाना मो. नं.-7419410546
अनुसंधानकर्ता मो. नं.- 9991354465
कन्ट्रोल रुम सोनीपत- 0130-2222903,100

हस्ता/-अपराध अभिलेख अधिकारी,
कृते पुलिस उपायुक्त
मुख्यालय, सोनीपत ।
पीआरडीएच-1084/11/5552/2027/50683/88/7 दि. 02.11.26

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रदीप उर्फ मोहित, पिता: अशोक कुमार, निवासी: झुग्गी नंबर 16/16 और 3/2, ए-ब्लॉक, शाहबाद डेयरी, दिल्ली** ने **FIR No. 146/17, पुलिस थाना मौर्य एन्कलेव, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **प्रदीप उर्फ मोहित** मिल नही रहा है। और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **प्रदीप उर्फ मोहित** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना मौर्य एन्कलेव, दिल्ली** के अभियुक्त **प्रदीप उर्फ मोहित** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.12.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री अनुराधा जिंदल
एसीजेएम-03, उत्तर-पश्चिम,
पहली मंजिल, कमरा नंबर 101,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/15685/NW/2026

प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया ने की कार्यकर्ताओं की एकजुटता और समर्पण की सराहना

प्रदेशभर से उमड़ा युवाओं का हुजूम

वोट बचाओ-देश बचाओ महारैली में हरियाणा युवा कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन



हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित 'वोट बचाओ-देश बचाओ महारैली' में हरियाणा युवा कांग्रेस ने शानदार भागीदारी कर अपनी संगठनात्मक ताकत और एकजुटता का परिचय दिया। प्रदेश के विभिन्न जिलों, विधानसभा क्षेत्रों और ब्लॉक से हजारों युवा कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे और लोकतंत्र एवं मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के मुद्दे पर अपनी आवाज बुलंद की। हरियाणा युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया ने महारैली में शामिल सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेशभर के युवाओं ने जिस उत्साह, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ भागीदारी निभाई, वह संगठन के लिए गर्व का विषय है। जिला अध्यक्षों, विधानसभा अध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों, प्रदेश पदाधिकारियों और हजारों कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी ने युवा कांग्रेस की संगठनात्मक मजबूती को प्रदर्शित किया है। लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक का वोट उसकी सबसे बड़ी ताकत है। निष्पक्ष चुनाव और प्रत्येक पात्र नागरिक के मतदान अधिकारों की सुरक्षा बेहद जरूरी है। कटारिया ने कहा कि युवा कांग्रेस युवाओं, किसानों, मजदूरों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष करती रहेगी।

पंडित हरिदत्त के भजनों के अलावा अनेक वक्ताओं ने संस्मरण साझा किये

मेवाड़ में वरिष्ठ पत्रकार प्रभाष जोशी की सत्रहवीं पुण्यतिथि पर स्मृति सभा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

प्रभाष परम्परा न्यास, प्रज्ञा संस्थान और मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने वसुंधरा स्थित इंस्टीट्शंस के मेवाड़ ऑडिटोरियम में प्रख्यात पत्रकार दिवंगत प्रभाष जोशी की सत्रहवीं पुण्यतिथि पर स्मृति सभा का संयुक्त रूप से आयोजन किया।

वीएन भातखंडे संगीत महाविद्यालय गाजियाबाद के संस्थापक-निदेशक मशहूर शास्त्रीय गायक पंडित हरिदत्त शर्मा एवं उनकी टीम ने अपनी सुमधुर आवाज में अनेक भजन गाकर उपस्थित जनसमूह को भाव विभोर कर दिया। लगभग एक घंटे तक लोग उनके भजनों को मंत्रमुग्ध होकर सुनते रहे। स्मृति सभा में वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रभाष परंपरा न्यास के



प्रबंध न्यासी राम बहादुर राय, मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया, निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार शम्भुनाथ शुक्ला, प्रभाष जोशी की पत्नी उषा जोशी, पुत्र संदीप जोशी, वरिष्ठ पत्रकार हेमंत शर्मा, प्रभाष परंपरा न्यास के न्यासी नरेश सिरोही, मनोज चतुर्वेदी, अखिलेश शर्मा, मनोज मिश्रा समेत देश के अनेक पत्रकारों ने प्रभाष जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी और प्रभाष जी के संस्मरण साझा किये।



गन्ने का भाव साढ़े पाँच सौ रुपए प्रति क्विंटल मिले

गाजियाबाद। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय राकेश टिकैत सोमवार को एक पुराने मुकदमे में ग़ाज़ियाबाद कोर्ट में हाज़िर होने आये थे । मीडिया से बातचीत में कोर्ट परिसर में राकेश टिकैत ने कहा कि किसान आंदोलन 22 जनवरी 2021के बाद किसानों की एमएसपी पर सरकार से कोई बातचीत नहीं हुई है और ना ही देश में किसान आंदोलन के बाद कोई बड़ा आंदोलन हुआ है । अब जेन जी और विपक्ष ने सरकार के ख़िलाफ़ आन्दोलन शुरू किये हैं ।

अपराध शाखा डीएलएफ ने आरोपी को किया गिरफ्तार

बल्लभगढ़ के होटल में महिला की गला घोंटकर हत्या, खर्चे के लिए पैसे मांगने पर हुआ था विवाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

बल्लभगढ़ की चावला कॉलोनी स्थित एक होटल में महिला की हत्या के सनसनीखेज मामले में फरीदाबाद पुलिस की अपराध शाखा डीएलएफ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि महिला द्वारा खर्चे के लिए पैसे मांगने पर दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसी विवाद में आरोपी ने पहले महिला का हाथों से गला दबाया और फिर उसकी साड़ी से गला घोंटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी होटल से फरार हो गया था।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 1 नवंबर को थाना शहर बल्लभगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत चावला कॉलोनी



स्थित एक होटल के संचालक सागर निवासी संजय कॉलोनी ने पुलिस को शिकायत दी थी कि 31 अक्टूबर की सुबह करीब 10 बजे शेखर कुमार निवासी जिला मुंगेर, बिहार तथा मुंगेर बिहार निवासी एक महिला होटल में आए थे। दोनों ने होटल में कमरा लिया था। दोपहर करीब 2 बजे वह व्यक्ति खाना लेने जाने की बात कहकर होटल से बाहर चला गयाए लेकिन वापस नहीं लौटा। उसी दिन रात करीब 9:30 बजे होटल के सफाई कर्मचारी ने कमरे में जाकर देखा तो महिला मृत अवस्था में पड़ी हुई थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और शिकायत के आधार पर थाना शहर बल्लभगढ़ में हत्या की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। अपराध शाखा की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 2 नवंबर को आरोपी शिव कुमार को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी करीब चार साल पहले काम की तलाश में फरीदाबाद आया था और सीकरी में किराये पर रहने लगा था। मृतका और आरोपी एक ही बिल्डिंग में ऊपर नीचे रहते थे।

अलंकित लिमिटेड

CIN: L74900DL1989PLC036860

पंजी. कार्यालय : 205-208, अनारकली कॉम्पलैक्स, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110055

30.09.2026 को समाप्त तिमाही और अर्ध वर्ष हेतु समेकित एवं स्टैंडअलोन अअंकेक्षित वित्तीय परिणामों के विवरण का सार

(ईपीएस को छोड़कर रु. लाखों में)

क्र. सं.	विवरण	समेकित					स्टैंडअलोन				
		समाप्त तिमाही	समाप्त तिमाही	समाप्त अर्ध वर्ष	समाप्त अर्ध वर्ष	समाप्त वर्ष	समाप्त तिमाही	समाप्त तिमाही	समाप्त अर्ध वर्ष	समाप्त अर्ध वर्ष	समाप्त वर्ष
		30.09.2026 अअंकेक्षित	30.09.2025 अअंकेक्षित	30.09.2026 अअंकेक्षित	30.09.2025 अअंकेक्षित	31.03.2026 अंकेक्षित	30.09.2026 अअंकेक्षित	30.09.2025 अअंकेक्षित	30.09.2026 अअंकेक्षित	30.09.2025 अअंकेक्षित	31.03.2026 अंकेक्षित
1	कुल आय	9,972.75	8,567.63	18,145.51	19,338.18	37,344.23	2,514.23	1,903.27	4,821.09	4,625.84	12,554.89
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, असाधारण मदों से पूर्व)	991.10	485.42	1,762.34	1,338.04	2,283.51	439.51	305.34	669.93	662.18	1,380.14
3	कर से पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण मदों के बाद)	991.10	485.42	1,762.34	1,338.04	2,283.51	439.51	305.34	669.93	662.18	1,380.14
4	कर के बाद अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि)	738.94	448.94	1,270.55	1,045.07	2,087.02	317.56	305.16	471.05	539.88	1,228.24
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय (अवधि हेतु निहित लाभ/(हानि) (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद)	756.75	464.78	1,306.96	1,076.75	2,161.45	333.27	319.57	502.48	568.69	1,291.09
6	इक्विटी शेयर कैपिटल	2,711.58	2,711.58	2,711.58	2,711.58	2,711.58	2,711.58	2,711.58	2,711.58	2,711.58	2,711.58
7	रिजर्व्स (पूर्ववर्ती लेखा वर्ष की बैलेंस शीट के अनुरूप पुनर्मूल्यांकन रिजर्व्स को छोड़कर)		-		-	29,008.77	-	-	-	-	30,351.33
8	अर्जन प्रति शेयर (रु. 1/- प्रत्येक के) (वार्षिकृत नहीं)										
	1. बेसिक	0.27	0.16	0.46	0.35	0.70	0.12	0.11	0.17	0.20	0.45
	2. डायल्युटेड	0.27	0.16	0.46	0.35	0.70	0.12	0.11	0.17	0.20	0.45

टिप्पणी :

1. 30 सितम्बर 2026 को समाप्त तिमाही और अर्ध वर्ष हेतु उपरोक्त अअंकेक्षित वित्तीय परिणामों की समीक्षा और अनुशंसा ऑडिट कमेटी द्वारा कर दी गई है और 02 नवम्बर 2026 को आयोजित उनकी बैठकों में निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदित किए गए। सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशंस और घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015 के नियमन 33 के तहत ऑडिट अरूपांतरित मत सहित वैधानिक अंकेक्षक द्वारा पूर्ण कर ली गई है।
2. उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग और अन्य घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015 के नियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजेज के पास दायर किए गए तैमाहिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सार है। तैमाहिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट्स **www.bseindia.com** और **www.nseindia.com** पर उपलब्ध हैं। ये कम्पनी की वेबसाइट **www.alankit.in** पर भी उपलब्ध हैं।
3. उपरोक्त परिणाम कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 133 और अन्य मान्यताप्राप्त लेखा प्रैक्टिसेज और पॉलिसीज, जहां तक लागू योग्य हैं, के तहत निर्धारित कम्पनी (भारतीय लेखा मानकों) नियमों 2015 (Ind AS) के अनुरूप तैयार किये गये हैं।

दिनांक : 02.11.2026
स्थान : नई दिल्ली

कृते अलंकित लिमिटेड
हस्ता/-
अंकित अग्रवाल
प्रबंध निदेशक

उपराज्यपाल ने की नरेला में डीडीए की ओर से किए जा रहे प्रमुख विकास कार्यों की समीक्षा

किसी भी तरह की लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त : संधू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

निवासियों को सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू ने सोमवार को नरेला के निरीक्षण के दौरान यह निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि यहां क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और नागरिक सेवाओं की शुरुआत तथा उनके क्रियान्वयन की वह स्वयं लगातार निगरानी करेंगे।इस अवसर पर उन्होंने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की ओर से इस उपनगर के विकास तथा बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उपराज्यपाल ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने नरेला में तैयार आवासीय फ्लैटों के प्रति जबरदस्त रुचि दिखाई है। इसका प्रमाण इन फ्लैटों की अभूतपूर्व और तेजी से हुई बिक्री है।

उन्होंने जोर दिया कि जिन लोगों ने ये मकान खरीदे हैं, उन्हें सभी जरूरी नागरिक सुविधाएं और सुरक्षा उपलब्ध कराना संबंधित एजेंसियों तथा सभी हितधारकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने दिल्लीवासियों को किफायती आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नरेला में फ्लैटों पर छूट सहित विभिन्न अभिनव योजनाएं शुरू करने के लिए डीडीए की सराहना भी की।

उपराज्यपाल ने नरेला में विभिन्न सरकारी एजेंसियों की ओर से किए जा रहे सहायक कार्यों का भी जायजा लिया। इनमें सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में दिल्ली पुलिस, स्वच्छता और अन्य नागरिक सेवाओं के संबंध में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), जलापूर्ति और सीवरेज के संबंध में दिल्ली जल बोर्ड तथा डीटीसी बसों की परिवहन कनेक्टिविटी के संबंध में परिवहन विभाग के कार्य शामिल हैं।



पुलिस थानों, चौकियों और बीट व्यवस्था को शुरू करने के निर्देश

उपराज्यपाल ने नरेला के सेक्टर ए-1 से ए-4 स्थित पॉकेट-11 में डीडीए के तैयार आवासीय फ्लैटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने डीडीए के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुलिस थानों, पुलिस चौकियों और बीट व्यवस्था को जल्द से जल्द शुरू करने के लिए पुलिस विभाग को आवश्यक निर्मित स्थान उपलब्ध कराने के सभी जरूरी कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पुलिस की मौजूदगी मजबूत होने से आपराधिक और नशे से जुड़ी गतिविधियों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। स्थानीय स्तर पर पुलिस की बेहतर मौजूदगी से सार्वजनिक सुरक्षा बढ़ेगी, निगरानी व्यवस्था मजबूत होगी और निवासियों में सुरक्षा की भावना विकसित होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवासीय विकास के साथ आवश्यक सार्वजनिक सुविधाओं, सुव्यवस्थित सार्वजनिक स्थलों और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था का होना भी जरूरी है।

शिक्षा हब विकसित करने के लिए भूमि का भी किया निरीक्षण

उपराज्यपाल ने सेक्टर जी-7 और जी-8 में एकीकृत शिक्षा हब विकसित करने के लिए राज्य विश्वविद्यालयों को आवंटित भूमि का भी निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने लैंड पूलिंग पॉलिसी के तहत जोन पी-2 के सेक्टर 8बी की तैयारियों की समीक्षा की। यह सेक्टर लैंड पूलिंग पॉलिसी के अंतर्गत 70 प्रतिशत सन्निहित (लगातार जुड़ी हुई) पूल की गई भूमि का लक्ष्य हासिल करने वाला पहला सेक्टर बन गया है। मास्टर प्लान दिल्ली-2047 के तहत प्रस्तावित 138 हेक्टेयर में विकसित होने वाले शिक्षा हब को उच्च शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोजगार सृजन के एकीकृत केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। उपराज्यपाल ने नरेला को एक प्रमुख शैक्षणिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए विकास कार्यों में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लैंड पूलिंग पॉलिसी के तहत इस उपनगर में विकास कार्यों को गति मिलने से योजनाबद्ध और सतत शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

सुरक्षा से समझौता करने वाले के खिलाफ की जाएगी कार्रवाई

वर्षों से तैनात जेल अधिकारियों का किया जाएगा तबादला: सूद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

वर्षों से एक ही स्थान पर तैनात अधिकारियों का तबादला करना निहित स्वार्थों पर अंकुश लगाने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और दिल्ली की सभी जेलों में पूर्ण ईमानदारी एवं जवाबदेही स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद जेल प्रशासन में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का प्रशासन सुधारात्मक संस्थानों के भीतर भ्रष्टाचार, जबरन वसूली और व्यवस्थागत अक्षमता के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करता है। मंत्री सूद ने कहा कि हम जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने, बंदियों के कल्याण से जुड़े मामलों पर कड़ी निगरानी रखने और प्रत्येक शिकायत का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कानून प्रवर्तन एजेंसियों और जेल प्रशासन के प्रति जनता का विश्वास हमारे लिए सर्वोपरि है। सुशासन या बंदियों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता करने वाले व्यक्ति के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने बताया कि आंतरिक जवाबदेही को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि ऐसे सभी जेल अधिकारियों की तत्काल पहचान की जाए, जो एक ही स्थान पर तीन वर्ष से अधिक समय से तैनात हैं, और उनका तत्काल प्रभाव से तबादला किया जाए। नए निर्देशों के तहत सीपीआरओ, फैक्ट्री, खरीद (प्रोक्योरमेंट) विंग तथा पहली बार अपराध करने वाले कैदियों, आर्थिक अपराधों से जुड़े कैदियों और सिविल बंदियों के लिए निर्धारित जेलों जैसे संवेदनशील विभागों में निर्धारित अवधि से अधिक समय से तैनात अधिकारियों की पूरी सूची प्रस्तुत करने को कहा गया है।



दस वर्षों के तैनाती संबंधी विस्तृत रिकॉर्ड भी मांगे

मंत्री आशीष सूद ने भ्रष्टाचार और कदाचार के आरोपों का सामना कर रहे कुछ अधिकारियों के पिछले दस वर्षों के तैनाती संबंधी विस्तृत रिकॉर्ड भी मांगे गए हैं। दिल्ली सरकार ने जेलों में बंदियों के कल्याण और सुरक्षा को लेकर भी सख्त निगरानी व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों से कहा गया है कि कैदियों को उपलब्ध कराए जाने वाले भोजन और दवाइयों की गुणवत्ता तथा उनकी बाजार दरों का सत्यापन किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता को रोका जा सके।

- भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करता है प्रशासन
- सुरक्षा से समझौता करने वाले के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जाएगी

'लंबित शिकायतों पर की गई कार्रवाई की मांगी रिपोर्ट'

मंत्री के अनुसार, जेलों के भीतर अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए ऐसी आधुनिक स्कैनिंग तकनीक अपनाने की संभावनाओं पर भी विचार किया जा रहा है, जिसके माध्यम से कैदियों को नुकसान पहुंचाए बिना तंबाकू और मादक पदार्थों की तस्करी का पता लगाया जा सके। इसके साथ ही जेल प्रशासन को जेलों की सुरक्षा में चूक और कर्मियों के कदाचार से संबंधित सभी लंबित शिकायतों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रस्तुत करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।



1984 कांग्रेस द्वारा सिखों का नरसंहार नहीं भूलेगा हिन्दुस्तान: भाजपा

नई दिल्ली। 1984 में 31 अक्टूबर से 2 नवम्बर के बीच कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा करवाये सिखों के कत्लेआम के विरोध में '1984 - कांग्रेस द्वारा सिखों का नरसंहार नहीं भूलेगा हिन्दुस्तान' इस नारे की गूंज के साथ 1984 के कुछ पीड़ित परिवारों के सदस्यों ने श्रद्धांजलि पदयात्रा निकाली। प्रदेश भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार को सिख संगत एवं दिल्ली भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ गुरुद्वारा श्री बंगला साहिब से गुरुद्वारा श्री रकाबगंज साहिब तक गुरुवाणी का जाप करते हुए यह श्रद्धांजलि पदयात्रा निकाली। इस पदयात्रा की व्यवस्था भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के कार्यकर्ताओं ने संभाली। दिल्ली भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत एवं बाँसुरी स्वराज, वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव बब्बर भी 1984 नरसंहार के पीड़ित परिवारों के सदस्यों सरदार करतार सिंह, सरदारनी प्रीति सिंह कौर, जसवीर कौर, भागी कौर, परमजीत कौर, मनप्रीत कौर आदि के साथ सैकड़ों सिख महिलाओं के जत्थे, निहंग जत्थेदारों, तिलक विहार निवासी प्रभावित सिख परिजनों की टोली और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता भी श्रद्धांजलि पदयात्रा में शामिल हुए। सभी ने गुरुद्वारा श्री रकाबगंज साहिब में नरसंहार में शहीद हुए सिखों की स्मृति में मोमबत्ती जलाई। सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1984 में सिखों के खिलाफ हुए नरसंहार में लोगों को संगठित तरीके से निशाना बनाया गया। एक-एक घर की पहचान की गई, वहां रहने वाले सिख परिवारों को घरों से बाहर निकाला गया और उनके साथ अमानवीय अत्याचार किए गए। यह आम जनता का किया हुआ काम नहीं था, बल्कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं और उनके समर्थित एवं संरक्षित लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया। इसका प्रमाण इस बात से भी मिलता है कि कांग्रेस ने कभी दंगा पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने और उनके जख्मों पर मरहम लगाने के लिए गंभीर प्रयास नहीं किए।

कत्लेआम कांग्रेस की सोची-समझी थी साजिश: स्वराज

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि 1984 में सिख समुदाय के निर्दोष भाई-बहनों का कत्लेआम कांग्रेस की सोची-समझी साजिश थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने यह कहकर नरसंहार को जायज ठहराने की कोशिश की थी कि जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। आज उसी मानसिकता का परिचय उनके पुत्र राहुल गांधी ने दिया है। एक नवंबर 1984 को कांग्रेस कार्यकर्ताओं और उनके संरक्षण में पल रहे उपद्रवियों ने सिख समुदाय के लोगों को जिंदा जला दिया था।

श्री अरबिंदो कॉलेज ने मनाया दीपावली मंगल मिलन समारोह

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध श्री अरबिंदो कॉलेज ने मंगलवार को कॉलेज प्रांगण में दीपावली मंगल मिलन समारोह व दीपावली मेले का भव्य आयोजन किया जिसमें छात्र, शिक्षकों व कर्मियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कॉलेज के मीडिया संयोजक डॉ. हंसराज सुमन ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कॉलेज की विभिन्न सोसायटियों के छात्रों ने मिलकर तरह-तरह की स्टालों के माध्यम से इस पर्व को अत्यंत हर्षोल्लास, सौहार्द और पारिवारिक वातावरण में तैयार कर सबका मन मोह लिया। छात्र-छात्राओं ने मिलकर महिलाओं के पहनने के आभूषण, मेहंदी लगाने, ग्रीन ग्लो, हाथों से बनाए दीयों के अलावा मुख्य आकर्षण सभी राज्यों का दीपावली पर लोकनृत्य, नुक्कड़ नाटक व ग्रीन दीपावली मनाई। साथ ही गरीब बच्चों व उनके परिवार के लिए छात्र अपने घरों से कपड़े डोनेशन के लिए लेकर आएं थे जिसे दीपावली के बाद झुग्गी बस्तियों में वितरित किया जाएगा। दीपावली मंगल मिलन समारोह व मेले का उद्घाटन कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अरुण चौधरी ने किया ।

हमारी बौद्धिक विरासत का भविष्य युवा पीढ़ी के प्रश्नों पर करता है निर्भर : विजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

हमारी सभ्यता की बौद्धिक विरासत का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि युवा पीढ़ी कौन-से प्रश्न पूछने के लिए तत्पर है। यह बात दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को साउथ एशियन यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में कही। इस अवसर पर उन्होंने यूनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम-2 का उद्घाटन किया तथा मेजर जनरल (डॉ.) जी. डी. बख्शी, एस.एम., वी.एस.एम. द्वारा लिखित पुस्तक 'वेदासः 'जीवन की भाषा – पवित्र ध्वनि से डीएनए-आरएनए' का विमोचन भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपराओं को केवल विरासत में मिली धरोहर के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि नए दृष्टिकोणों के माध्यम से उनका अन्वेषण, शोध और गहन अध्ययन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल मौजूदा ज्ञान प्रदान करने वाले संस्थान नहीं हैं, बल्कि ऐसे केंद्र हैं जहां ज्ञान का निरंतर पुनर्निर्माण, संवर्धन और विकास होता है। इस अवसर पर साउथ एशियन यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष प्रो. के के अग्रवाल, प्रो. रमेश चंद्र गौड़, मेजर जनरल (डॉ.) जी. डी. बख्शी, एस.एम., वीएस.एम, इन्फिनिटी फाउंडेशन के संस्थापक एवं लेखक राजीव मल्होत्रा, दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव रश्मि सिंह, भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ. अरविंद कुमार तथा सम्पूर्णा फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. शोभा विजेंद्र सहित विश्वविद्यालय के उपाध्यक्षगण, प्रशासनिक अधिकारी, संकाय सदस्य, विद्वान और विद्यार्थी उपस्थित थे।

ऑडिटोरियम-2 के उद्घाटन पर गुप्ता ने कहा कि एक ऑडिटोरियम केवल एक भौतिक संरचना नहीं होता, बल्कि वह ऐसा मंच होता है जहां विचारों को अभिव्यक्ति मिलती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह नया सभागार बौद्धिक आदान-प्रदान, सांस्कृतिक गतिविधियों, कलात्मक अभिव्यक्ति और अकादमिक चर्चाओं का एक जीवंत केंद्र बनेगा। पुस्तक का उल्लेख करते हुए गुप्ता ने वेदों को भारत की अमूल्य सभ्यतागत विरासत का अभिन्न अंग बताया, जिसमें दर्शन, भाषा, काव्य, गणित, ब्रह्मांड, प्रकृति और जीवन से जुड़े मौलिक प्रश्नों का समावेश है। उन्होंने कहा कि मेजर जनरल बख्शी की यह कृति वैदिक भाषा और समकालीन वैज्ञानिक अवधारणाओं के बीच संबंधों को समझने का प्रयास करती है।

डीयू में 'साइबर सतर्कता 1.0' कार्यक्रम हुआ आयोजित

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) द्वारा 'दिल्ली यूनिवर्सिटी कंप्यूटर सेंटर' (डीयूसीसी) और 'फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी' (एफओटी) के माध्यम से, विद्यार्थियों और पूरे विश्वविद्यालय समुदाय के बीच साइबर सुरक्षा जागरूकता एवं जिम्मेदार डिजिटल तौर-तरीकों को बढ़ावा देने के लिए 'साइबर सतर्कता 1.0- साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया। डीयूसीसी के निदेशक प्रो. संजीव सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की 'साइबर सूचक' पहल के तहत आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से लगभग 1 करोड़ 65 लाख साइबर अपराध जागरूकता ईमेल भेजे गए। इसका उद्देश्य ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, पहचान की चोरी और उभरते साइबर खतरों के बारे में जागरूकता फैलाना था। इस कार्यक्रम के तहत विशेषज्ञों के सत्र, इंटरैक्टिव चर्चाएं, साइबर सुरक्षा प्रोजेक्ट प्रदर्शनी और एक क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम के समापन समारोह में डीयू के मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. गजेंद्र सिंह, फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी के डीन एवं डीयूसीसी के निदेशक प्रो. संजीव सिंह, संयुक्त रजिस्ट्रार डॉ. प्रदीप कुमार, संयुक्त रजिस्ट्रार डॉ. रोहन राय, गृह मंत्रालय के 'इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर' (आई4सी) के डिप्टी कमांडेंट ललित वशिष्ठ, दिल्ली पुलिस के एसीपी मनोज कुमार, और सीईआरटी-इन के उप निदेशक कपिल वानखेड़े सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। उपस्थित अतिथियों ने साइबर जागरूकता को मजबूत करने की दिशा में विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए डिजिटल सुरक्षा तथा 'साइबर स्वच्छता' के महत्व पर जोर दिया। साइबर सुरक्षा प्रोजेक्ट प्रदर्शनी और क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को उनके नवाचार, ज्ञान और भागीदारी के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए।

पेज एक का शेष

उनसे सीधी बातचीत...

कुछ हो नहीं पा रहा है, तो इसलिए नहीं हो पा रहा है कि मोदी जी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी एनडीए की सरकार है। इसको आप ऐसे समझिए कि दुनिया के समंदर में सुनामी आई हुई है, अगल बगल के जहाज पलट गए हैं, हमारे जहाज पर हिचकोले लग रहे हैं, तो यह आरोप यह नहीं कहेंगे कि दुनिया में लहरें चल रही हैं षड्यंत्र की, यह कहेंगे कि जहाज के कप्तान को, कप्तान की वजह से हम बचे हुए हैं। तो मैं मोदी जी की तरफ से विपक्ष के लिए कहना चाहूंगा, हमें इल्जाम मत दीजिए, बहुत अफसोस होता है। बड़ी तरकीब से कश्ती यहां तक ले आए हैं, बदल देते हैं हम दरिया की लहरें अपनी हिम्मत से, आंधियों में भी अक्सर चराग हमने जलाए हैं।

■ **जब अराजकता नहीं है, तो आप जैसा विद्वान प्रवक्ता जिस पार्टी का हिस्सा है, वो इस प्रकार का अभियान क्यों लेकर आ रहा है ?**

■ मैं बताना चाहता हूं। देखिए, दुनिया में जहां कहीं उपद्रवियों ने बवाल किया, यूरोप से लेकर हमारे पड़ोसी देशों तक, मगर भारत में आपको पहली बार दिखाई पड़ा कि एक नेता प्रतिपक्ष उतरता है और दौड़कर आकाशवाणी के अंदर घुस जाता है। नेशनल ब्रॉडकास्टर के अंदर कौन जाता है? उपद्रवी। मैं शब्द नहीं प्रयोग करना चाहता, जो लोग आतंकवाद टाइप की गतिविधियां करते हैं। आप सुनते हैं ना कि नेशनल ब्रॉडकास्टर के अंदर घुस गए। अब आप आइए, प्रधानमंत्री आवास के सामने जाकर लोटपोट हो जाता है, सड़क पे लेट जाता है। सर्वोच्च न्यायालय के ऊपर वो निकाल देता है। तो जनता कहीं नहीं साथ में है। उन्होंने सोचा था कि युवा निकलेंगे, ये होगा, कुछ हुआ नहीं, तो मैं ही जाकर करना शुरू कर दूं। तो वो अपनी तरफ से यह अराजकता लाने का प्रयास और अराजकता सिर्फ सिर्फ राजनीतिक नहीं है, अराजकता धर्म और संस्कृति के खिलाफ भी है।

■ **आप लोग तो लगातार यह बताते थे कि जो राहुल गांधी हैं, इनको कोई गंभीरता से नहीं लेता। धारणा बदल गई आपकी ? इरादा बदल गया ? सोच बदल गई ? ये राहुल गांधी को लेकर इतने बड़े-बड़े कैंपेन अब भारतीय जनता पार्टी लेकर आ रही है ?**

■ देखिये, मैं कह रहा हूं, प्रधानमंत्री आवास के सामने लोटपोट होने वाला व्यक्ति, आकाशवाणी में घुस जाने वाला व्यक्ति और जो खुद यह कहे कि मेरी बहन ने मुझसे पूछा, ब्रो, प्लानिंग क्या है? उन्होंने कहा, प्लानिंग कुछ नहीं करनी है, अब अपने आप हो जाएगा। वो व्यक्ति जिसने सत्ता में रहते हुए अध्यादेश फाड़ा, वो व्यक्ति जिसने संसद में प्रधानमंत्री जी के गले पड़ने के बाद अपनी कुर्सी पर बैठकर आंखों से गोली मारी, मुझे नहीं लगता देश की जनता उसको गंभीरता से लेता है। हां, हम राहुल गांधी के खिलाफ नहीं हैं, ना व्यक्तिगत रूप से, ना कांग्रेस पार्टी से। कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी भारत विरोधी शक्तियों का मुखौटा बन गए हैं, हम इसलिए सावधान करना चाहते हैं कि इस मुखौटे पर मत जाइए, पीछे छुपे असली खतरे को पहचानिए। और राहुल गांधी जाने-अनजाने में आज उन शक्तियों का टूल बन गए हैं पूरी तरीके से। और उसके लिए वो एक लंबा पॉडकास्ट हो जाएगा कि अगर हम लोग उसके एक-एक उदाहरण बताएं, जिस जिस प्रकार के संगठनों से वो जुड़े रहे हैं, जिस प्रकार की चीजों के, अब उनके प्रूफ हैं कि अप्रैल 2025 में वो जिस संगठन से मिले, उस संगठन की सोर्सेस क्या है? अब फेडरेशन फॉर डेमोक्रेटिक लीडर्स एशिया-पैसिफिक', इसकी को-चेयर सोनिया गांधी जी हैं, उसके स्पॉन्सर्स में जॉर्ज सोरेस हैं। कहीं कोई समस्या नहीं है। बताइए, भारत में भाजपा और कांग्रेस दोनों में इस बात पर तो एकमत थी ना कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। फिर राहुल गांधी लद्दाख में उमर से क्यों मिलते हैं जो कहते हैं 'कश्मीर इंडिपेंडेंट है'? तो इसका मतलब आप कांग्रेस के नेता नहीं हैं, आप भारत विरोधी शक्तियों के नेता हैं। और ना कांग्रेस का भी ये स्टैंड था कि कश्मीर भारत का अभिभाज्य अंग है। फिर आप ऐसी शक्तियों से जाकर मिलेंगे तो क्या कांग्रेस ने कह दिया कि कश्मीर भारत का अंग नहीं है? राहुल गांधी उन शक्तियों के साथ जाकर खड़े हुए।

आशीष ऊषा अग्रवाल...

कई महत्वपूर्ण दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। जब परिवार में नए सदस्य जुड़ते हैं, तो यह हम सभी के लिए गर्व और हर्ष का अवसर होता है। हम तीनों नेताओं का भाजपा परिवार में हार्दिक स्वागत करते हैं। पंजाब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सरदार केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का काफिला दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। जिस विश्वास और सोच के साथ ये नेता पार्टी में आए हैं, भाजपा उन्हें पूरा मान-सम्मान देगी और उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। आम आदमी पार्टी की डूबती नाव से समझदार नेता और विधायक अब भाजपा में आ रहे हैं। आने वाले समय में आम आदमी पार्टी के कई और नेता पार्टी छोड़ेंगे, क्योंकि उसका चुनाव चिह्न 'झाड़ू' अब बिखर चुका है। पंजाब में सरकार होने के बावजूद सत्ताधारी आम आदमी पार्टी पार्टी के विधायक और मंत्री पार्टी छोड़ रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि आम आदमी पार्टी के जाने का समय आ गया है। पंजाब की जनता अब इस झूठे इंकलाब को और बर्दाश्त नहीं करेगी। बदलाव के नाम पर आम आदमी पार्टी ने पंजाब के लोगों के साथ बहुत बड़ा धोखा किया है। पार्टी ने पौने पांच साल में पंजाब को बर्बाद कर दिया। नशे, कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार, कर्ज और कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) जैसे मुद्दों पर सरकार ने कोई काम नहीं किया और केवल चुटकुले सुनाकर समय बिताया।

पेज दो का शेष

दिल्ली में राहुल ...

की मृत्यु हो गई है, जो व्यक्ति अब इस दुनिया में है ही नहीं, उसके नाम पर कौन वोट देगा? कांग्रेस पार्टी फर्जी मतदान के जरिए चुनाव हथियाना चाहती है। करीब एक करोड़ वोट ऐसे हैं, जिनकी डुप्लीकेट एंट्री है। अगर एक व्यक्ति के नाम पर दो वोट दर्ज हैं, तो उनमें से एक वोट रद्द करना चाहिए। अब राहुल गांधी को इसी बात से परेशानी हो रही है। करीब तीन करोड़ वोट ऐसे हैं, जो ऐसे लोगों के नाम पर दर्ज हैं, जो वास्तव में मौजूद ही नहीं हैं। इनमें बांग्लादेशी घुसपैठिए भी शामिल हैं। राहुल गांधी ऐसे नामों को मतदाता सूची से हटाने का विरोध कर रहे हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी एक-एक घुसपैठिए को मतदाता सूची से हटाकर रहेगी।

शैक्षिणक संस्थान ...

निर्माता केवल ग्रीन पटाखों का ही निर्माण कर सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया है कि बेरियम वाले पटाखों और वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान से मंजूरी नहीं पाने वाले पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होगी।

25% अग्निवीरों को ...

75% अग्निवीरों को बाहर कर दिया जाएगा। 25 अनुपात 75 के इस आंकड़े में फिलहाल कोई बदलाव संभव नहीं है। हां, इतना जरूर है कि चार साल के बाद बाहर जाने वाले 75% अग्निवीरों में से कुछ को दो वर्ष का सेवा विस्तार दिया जा सकता है। गौरतलब है कि पूर्व योजना के मुताबिक, चार साल की सेवा पूरी करने के बाद सभी अग्निवीरों को बाहर किया जाएगा और फिर इनमें से 25% को उनकी सेवा, प्रदर्शन, मेरिट सहित अन्य जरूरी मानकों पर खरा उतरने के बाद ही सेनाओं में स्थायी नौकरी के लिए चुना जाएगा।

21 नवंबर से पहले साफ होगी पूरी तस्वीर: सूत्रों ने बताया कि 24 महीने का सेवा विस्तार पाने वाले अग्निवीरों से जुड़ी घोषणा के संबंध में अभी कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। मसलन अग्निवीरों की कुल संख्या कितनी होगी? तीनों सशस्त्र सेनाओं में किसमें सेवा विस्तार पाने वाले अग्निवीरों की सबसे ज्यादा तादाद होगी? सेवा विस्तार से भविष्य में उन्हें कौन-कौन से लाभ होंगे? क्या इस व्यवस्था से इन अग्निवीरों के समक्ष सेनाओं में स्थायी नौकरी पाने का विकल्प भी मिलेगा या नहीं? जैसे प्रश्न फिलहाल अनुतरित हैं। लेकिन 21 नवंबर से पहले केंद्र की ओर से अग्निवीरों (दो वर्षीय सेवा विस्तार शामिल है) के संबंध में कोई बड़ा ऐलान किया जा सकता है।

2026-27 बनेगा टर्निंग पॉइंट: अग्निपथ योजना के तहत सेना, वायुसेना और नौसेना में अग्निवीरों की भर्ती की शुरुआत वर्ष 2022 में हुई थी। जिसके मुताबिक तीनों सेनाओं में वर्तमान में कुल करीब 20 हजार अग्निवीर कार्यरत हैं। जिनमें सबसे पहले 21 नवंबर को नौसेना के 3 हजार नौसैनिक (पुरुष और महिलाएं शामिल) अपनी चार साल की सेवा पूरी करने के बाद बाहर हो रहे हैं। इसके बाद इसी साल के अंत में यानी दिसंबर या अगले साल की शुरुआत में जनवरी-27 में वायुसेना में शामिल हुए 2 हजार 500 अग्निवीर बाहर निकलेंगे। दोनों के बाद अंत में थलसेना की बारी आएगी और जनवरी-2027 में सेना के 14 हजार अग्निवीरों का पहला बैच अपना सेवाकाल पूरा करने के बाद बाहर निकलेगा।

नौसेना के बैच की खास बातें: 2022 में अग्निवीर योजना लागू होने के अगले साल 2023 के मध्य में नौसैनिकों ने सबसे पहले आईएनएस चिल्का अड्डे से सबसे पहले अपने प्रशिक्षण की शुरुआत की थी। जिसमें प्रारंभिक प्रशिक्षण 16 हफ्तों का था और फिर इन्होंने व्यावसायिक और समुद्री प्रशिक्षण में भाग लिया। समुद्री सेना के अग्निवीरों की पासिंग आउट परेड चिल्का अड्डे पर मार्च 2023 में आयोजित की गई थी। अग्निवीरों में संख्याबल के हिसाब से सबसे बड़ा बैच थलसैनिकों का ही है। इनके प्रशिक्षण की अवधि दो साल की थी और बैच का वास्तविक कार्यकाल 2023 में शुरू हुआ। इस लिहाज से देखें तो सेना के अग्निवीरों के लिए चार साल का सेवाकाल पूरा करने का समय जनवरी 2027 होगा।

75% अग्निवीरों को मिलेंगे रोजगार के मौके: यहां बता दें कि निर्धारित अवधि के बाद बाहर होने वाले 75% अग्निवीरों के लिए रोजगार की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी केंद्रीय गृह मंत्रालय संभाल रहा है। मंत्रालय ने इस संबंध में लिए अपने कुछ निर्णयों में केंद्रीय अर्धसैन्यबलों (सीएपीएफ) में रोजगार की व्यवस्था करने की बात कही है। कुछ राज्य सरकारों ने भी 75% अग्निवीरों के लिए नौकरी में 20% आरक्षण का प्रावधान किया है। जिसमें उत्तर-प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली जैसे राज्य शामिल हैं। जबकि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान ने अपनी वर्दीधारी सेवाओं में भर्ती के दौरान पूर्व अग्निवीरों को प्राथमिकता देने का फैसला लिया है।

हरिभूमि

नई दिल्ली, मंगलवार

3 नवंबर 2026

सहेली



दीपक की आभा-सी दमकें अनुभूतियां

दीपावली पर प्रज्ज्वलित मिट्टी के दीपक जीवन में हमें बड़ी-बड़ी सीख देते हैं। ये बताते हैं कि हम कैसे अज्ञानता के अंधेरे में ज्ञान की ज्योति जलाकर सही मार्ग पर चलें, जीवन में आभा बिखेरें, हमारी अस्मिता बनी रहे। ये दीपक आपस में जुड़कर मानवीय प्रेम का प्रकाश फैलाने का महत्व भी बताते हैं। सही मायने में ये दीपक हमें जीवन दर्शन बताते हैं, जीवन जीने की कला सिखाते हैं।

आवरण कथा

डॉ. मोनिका शर्मा



दीपावली के पर्व पर दीयों से भरी थाली लिए प्रकाश बांटते हुए थोड़ी-सी चमक अपने अंतर्मन में भी उतारें। मिट्टी के नन्हे दीये की उजास से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। दीये की सहज-सी टिमटिमाहट जीवन से जुड़े अनगिनत पाठ पढ़ाती है। दीपावली पर अपने आंगन में ही नहीं, दूसरों की देहरी पर भी दीप रखने की परंपरा निभाने वाली स्त्रियां, दीपक से बहुत कुछ सीख सकती हैं। दीपोत्सव मनाते हुए, दीये जलाते हुए, मिट्टी के प्यारे से दीपक से जीवन में उजास भर देने वाले सबक जरूर लें।

भरें अपने मन में उजास

घर-आंगन ही नहीं, रिश्तों को भी स्नेह के उजास से पूरने वाली स्त्रियां खुद उपेक्षा और अकेलेपन के अंधकार से घिर जाती हैं। इंसानी भाव-चाव के उजालों से दूर अपने आप में सिमट कर रह जाती हैं। यह आशा बनी रहती है कि किसी का स्नेह, साथ या सहारा इस घेरे को तोड़ेगा। ऐसे मनोभावों से घिरी हर स्त्री माटी के दीये से सार्थक सीख ले सकती है। कहा भी गया है 'अपना दीपक स्वयं बनो' यानी पहले अपने मन को प्रकाशित करो, फिर औरों के जीवन को। यह बात उजाला फैलाने के मोर्चे पर तैनात माटी के दीपक से बेहतर कौन सिखा सकता है। स्त्रियां अकसर औरों के जीवन में उजाला भरने की जद्दोजहद में अपने भीतर पसरती अनचाही-सी पीड़ा के अंधेरे को नहीं देख पातीं, जबकि दिवाली केवल बाहर नहीं, भीतर भी उजास भरने का उत्सव है। केवल घर की साफ-सफाई नहीं बल्कि तनाव, चिंता और तुलना के भाव वाली मन में जमी धूल झाड़ने का भी अवसर है। यह त्योहार अपने हिस्से की उजास पाने के मोर्चे पर तैनात होने का जाग्रत-भाव साथ लाता है। नन्हे दीये की कांपती लौ का सौंदर्य परेशानियों में भी डटे रहने का ही सबक देता है। असीम धैर्य और हौंसला सहेजे यह आभा, स्वयं अपनी अनुभूतियों को समझने का भी संदेश लिए है। आत्म साक्षात्कार के इस पर्व में महिलाएं एक दीया अपने मन में भी जलाएं।

दिखावटी चमक से दूरी

माटी का दीपक ठहराव की भी सीख देता है। आज के समय में यह सबक बहुत जरूरी है, क्योंकि झूठी चमक-दमक स्त्रियों को बहुत सी समस्याओं का शिकार बना देती है। विचारणीय है कि झिलमिलाते हुए प्रकाश की उजास में भी दीया कहीं गुम नहीं हो जाता। दीपक का अस्तित्व और आलोक चमक-दमक के बीच भी बना रहता है। वह किसी भी परिस्थिति में भ्रमित होकर अपनी लौ नहीं बुझा लेता। माटी के दीये की इस सीख में हर महिला के लिए बहुत गहरी बात समाहित है। चमचमाती कृत्रिम रोशनी के बीच भी दीये की रौनक के अपने मायने हैं। आनंद और आत्मीयता के इस उत्सव को, उल्लास से जीते हुए यह सीख जरूर लें कि अपने मन-जीवन की आभा की तुलना किसी से नहीं करनी है।

जज्बाती जुड़ाव की रोशनी

बिखरते रिश्तों के इस दौर में माटी का दीपक जुड़कर रहने की सीख भी देता है। घर-परिवार को थामने वाली महिलाएं यह बात स्वयं भी समझें और अपनों को भी समझाएं। यूं ही दिवाली के सुंदर उत्सव का प्रकाश भी अपनों के साथ से ही तो बिखरता है। दीया भी समझाता है कि जितनी आभा के साथ वह अकेला जलता है, उससे कहीं अधिक पूर्णता एक पंक्ति से जुड़ पाता है। अपने साथियों की कतार में शामिल होते ही दीपक की दमक और बढ़ जाती है। समाज, परिवार और संबंधों को आज ऐसे ही जुड़ाव की जरूरत है। अपनेपन से आलोकित होने की दरकार है। दीये जलाने का प्रतीकात्मक अनुष्ठान असल में अनुभूतियों को मानवीयता से जोड़ने का उद्देश्य लिए है। दीपक नई शुरुआत का भी प्रतीक होता है। ऐसे में रिश्तों में आई उलझनों को सुलझाकर किसी भी मोड़ पर फिर एक नई शुरुआत करने का सबक लें। मिट्टी का दीपक बंद दरवाजे के पीछे भी जल रहा हो , तो भी उसकी रोशनी बाहर निकलने का रास्ता बना ही लेती है। कहीं दूर अंधेरे में जल रहा दीया भी अपने होने की चमक हम तक पहुंचा ही देता है। इसीलिए घरों की चौखट और मुंडेर पर दीपक जलाते हैं। दीपक से जीवन के किसी भी पड़ाव पर नई शुरुआत कर अपने जीवन को जगमग करने का पाठ अवश्य पढ़ें।

कोशिशों की उजास

माटी का टिमटिमाता दीपक समझाता है कि अपनी शक्ति और सामर्थ्य को समेटकर आगे बढ़ते रहो। दीपक की बाती हवाओं से पूरी हिम्मत से जूझती है। ठिठकती है, मंद पड़ती है पर बुझती नहीं। स्त्रियों को भी चेतना के धरातल पर यूं ही जाग्रत रहना चाहिए। हंसते-मुस्कुराते जीवन के हर पहलू के प्रति जागरूक रहते हुए आगे बढ़ने का भाव रखना चाहिए। जिम्मेदारियों की भाग-दौड़ में अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए उम्मीदों का दामन थामे रहना आवश्यक है। दीया जलते ही घर के सभी कोने सकारात्मक ऊर्जा से भर जाते हैं। यूं ही महिलाएं भी हर परिस्थिति में अपने व्यवहार को सकारात्मक और विचारों की समझ से प्रकाश से लबरेज रखने की कोशिश करती हैं। यह बात व्यक्तिगत रूप से महिलाओं के जीवन में ही नहीं, पूरे परिवार में खुशहाली लाती है। दीये से यह सीखना होगा कि किस तरह सौम्य मुस्कुराहट बिखेरते हुए सहज स्वीकार्यता का भाव रखना है।

रंग-बिरंगी रंगोली से सजाएं घर

जब तक घर-आंगन में खूबसूरत सी रंगोली न सजी हो, दीपावली की सजावट अधूरी लगती है। रंगोली से सारी सज्जा खिल उठती है। हम यहां आपको बता रहे हैं, कुछ आसान-आकर्षक रंगोली डिजाइंस के बारे में।

साज-सज्जा

श्वेता आयंगर



जब बात हो दीपावली पर सजावट करने की, तो आज के दौर में इसके आधुनिक और हाईटेक के कई तरीके उपलब्ध हैं। लेकिन सजावट के कुछ पारंपरिक तरीकों का सौंदर्य, लाजवाब होता है। रंगोली भी इन तरीकों में से एक है। रंगोली सजाने के कुछ खूबसूरत पैटर्न के बारे में जानिए।

बिंदुओं वाली रंगोली: ट्रेडिशनल बिंदु वाली रंगोली दीपावली पर खूब पसंद की जाती हैं। इसे शुभ भी माना जाता हैं। भले ही इसे बनाने में समय अधिक लगता है लेकिन तैयार होने पर बेहद खूबसूरत लगती है। इसमें बिंदु छाप या सफेद चाक की मदद से खूबसूरत पैटर्न बनाए जाते हैं। इसमें ज्यादातर भगवान कृष्ण, भगवान गणेश, देवी लक्ष्मी के चरण, स्वास्तिक, स्टार, फूल, दीपक, जियोमेट्रिकल शेप्स, मोर या दक्षिण भारतीय कला पैटर्न बनाए जाते हैं। आप इसे केवल सफेद आउटलाइन के रूप में छोड़ सकती हैं या रंगोली पावडर, हल्दी-चावल और रंग-बिरंगे अनाज से रंग भरकर और आकर्षक बना सकती हैं।



फूलों वाली रंगोली: इस तरह की रंगोली जल्दी बन जाती है और इसे सजाने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती है। इसे बनाने के लिए आप अलग-अलग तरह के ताजे साबुत फूल, सूखे फूल, फूलों की पंखुड़ियों और पत्तियों का इस्तेमाल करके शानदार रंग-बिरंगे पैटर्न और डिजाइन बना सकती हैं। आप इसे गोल, चौकोर किसी भी आकार में बना सकती हैं। इसके बीच में छोटे दीए रख सकती हैं। जब इस रंगोली पर दीयों की रोशनी चमकती है, तो यह और भी खूबसूरत लगती है।

रेडीमेड रंगोली: अगर आप रंगोली बनाने में एक्सपर्ट नहीं हैं, तो निराश न हों। आजकल बाजार में रेडीमेड रंगोली स्टेंसिल्स मिल जाते हैं। ये स्टेंसिल्स आप कई बार इस्तेमाल कर सकती हैं। इनमें आपको अलग-अलग डिजाइन और शेप मिल जाएंगे। ॐ, स्वास्तिक और फेस्टिवल के अनुसार डिजाइन आपको आसानी से मिल जाएंगे। आप अपनी क्रिएटिविटी के अनुसार इन स्टेंसिल्स का उपयोग करके रंगोली को और भी खास बना सकती हैं। स्टेंसिल्स के अलावा इन दिनो डी. आई. वाई. रंगोली किट भी ट्रेंड में हैं। इस तरह की किट में डिजाइन शीट, कलर और सजावट का समान एक साथ आता हैं। बस आपको इसमें रंग भरना होता है और मिनटों में सुंदर रंगोली रेडी हो जाती है।

पानी पर रंगोली: अगर आप कुछ नया और अलग आजमाना चाहती हैं, तो पानी पर रंगोली बनाना भी बेहतर विकल्प है। पानी पर बनी रंगोली न केवल आकर्षक दिखती है, बल्कि इसे संभालना और सजाना आसान होता है। इसके लिए किसी चौड़े बर्तन या थाली में पानी भरें और ऊपर से कुछ बूंदें तेल की डालें, ताकि रंग पानी में फैले नहीं। आप चाहें तो थाली के अंदर की सतह पर पहले हल्का तेल लगा सकती हैं। इससे रंगोली ज्यादा देर तक टिकती है। फिर धीरे-धीरे रंग या फूलों के पीटल्स से अपनी पसंद का पैटर्न बना लें। इसे और आकर्षक बनाने के लिए आप इसमें फ्लोटिंग दीयों या अरोमा कैंडल्स से भी सजा सकती हैं।



क्रिएटिविटी का करें यूज: थोड़ी-सी क्रिएटिविटी और घर में मौजूद कुछ सामान से भी आप शानदार रंगोली बना सकती हैं। जैसे चूड़ी, सुपारी, ईयरबड्स, पेपर कप्स, चम्मच आदि चीजों की मदद से भी बेहद सुंदर रंगोली डिजाइन बना सकती हैं। ई-टूल्स से रंगोली जल्दी बन जाती है और देखने में भी बेहद सुंदर लगती है। आप चाहें तो यू-ट्यूब पर रंगोली ट्यूटोरियल की मदद से स्टेप बाय स्टेप इस तरह की रंगोली बनाना सीख सकती हैं। थोड़ी सी-प्रैक्टिस और कल्पनाशक्ति के साथ आप हर बार कुछ नया ट्राई कर सकती हैं।

(रंगोली एक्सपर्ट प्राची वर्मा से बातचीत पर आधारित)

त्योहार पर हाउस हेल्पर्स का भी रखें ख्याल

दीपावली के मौके पर अपने हाउस हेल्पर्स की खुशी का पूरा ख्याल रखें। वे भी त्योहारी खुशी के हकदार हैं। हमेशा आपके मददगार रहने वाले ये हाउस हेल्पर्स जब त्योहार पर आपका स्नेह-प्यार और सम्मान पाएंगे, इनको खुशियां तो मिलेंगी ही, आपकी खुशियां दोगुनी हो जाएंगी।

सलाह

चैतन्या



क्लिंग वूमेन हों या हाउस वाइफ, इनकी मदद के बिना दीपावली का पर्व नहीं मनाया जा सकता। सफाई के मोर्चे पर डटने से लेकर खाने-पीने की सामग्री तैयार करने तक, मार्केट से सामान लाने तक हाउस हेल्पर्स की सहायता ली जाती है। ऐसे में दीपावली पर अपने डोमेस्टिक वर्कर्स को भी खास सम्मान दें। आभार और उपहार संग पराए कहे जाने वाले इन अपनों के प्रति भी अपनापन जरूर जताएं।

मन से कहें धन्यवाद: चमचमाते घर में दीपावली मनाते हुए साफ-सफाई के काम में आपका साथ देने वाली अपनी सहायिका या हेल्पर को ना भूलें। त्योहारी तैयारी से जुड़े कितने की कामों में आपका साथ देने वाले इन हाउस हेल्पर्स को दिल से धन्यवाद कहें। आमतौर पर काम हो जाने के बाद किसी की भी उपेक्षा का रवैया अपनाना हमारे घरों में आम सी बात है। महिलाएं तो इस सोच और व्यवहार को और अच्छे से समझ सकती हैं। ऐसे में आपकी मदद करने वाले हाउस हेल्पर्स के लिए प्यारा-सा धन्यवाद तो बनता ही है। दिखावटी औपचारिकता से दूर आपके शब्द और बर्ताव उन्हें यह जरूर महसूस करवाएं कि उनकी मदद की बहुत अहमियत है। उनका साथ आपके यहां नौकरी करने वाले एक इंसान भर का नहीं बल्कि मन-जीवन का संबल-सा है।

दें जरूरत के सामान: उपहार किसी को भी दिया जाए, इमोशनल बॉन्डिंग को मजबूत करता है। ऐसे में अपने हाउस हेल्पर्स को उनकी जरूरत के मुताबिक कोई गिफ्ट दें। यहां-वहां से आए गिफ्ट थमाकर फॉरमैलिटी पूरी न करें। बहुत चीजें भले ही महंगी हों, अच्छी हों लेकिन उनके लिए काम की नहीं होती हैं। यह ना भूलें कि उनकी जीवनशैली और जरूरतें आपसे अलग हैं। चाहें तो अपने बजट के अनुसार उनसे पूछ लें कि उन्हें किस चीज की जरूरत है। समय पर उन्हें त्योहारी बोनस दें। मिठाइयां, कपड़े या कोई अन्य आइटम देते हुए उनकी जिंदगी की आवश्यकताओं को भी समझें। कई घरों से एक ही तरह के सामान मिलने से उनके लिए संभालना मुश्किल हो जाता है। इतना ही नहीं, घर को गैर-जरूरी चीजों से फ्री करने के लिए उन्हें पुराने समान भी ना थमाएं। वे शायद खुलकर मना ना कर पाएं, लेकिन आप तो समझें कि क्लटर तो उनके भी किसी काम नहीं आएगा। गिफ्ट देते हुए बरती गई थोड़ी सी समझदारी आपका जीवन सहज बनाने वाले सहायकों का जीवन आसान कर सकती है।

त्योहार से पहले लें मदद



दीपावली आपके लिए ही नहीं, उनके लिए भी बड़ा त्योहार है। ऐसे में अपने मददगारों को दीपपर्व के दिन तक बिजी न रखें। समय रहते और प्लानिंग के साथ उत्सव की तैयारियां शुरू करें। अपने घर के सारे काम निबटाते हुए यह ना भूलें कि आपकी घरेलू सहायिका के घर भी त्योहार है। डोमेस्टिक हेल्पर को अपने घर में भी तैयारियां करनी होती हैं। उत्सव के दिन तक चलने वाला काम का यह ओवर लोड उनका भी रूटीन बिगाड़ देता है। खुशियां मनाने के बजाय तनाव के घेरे में ले आता है। उनकी मदद जरूर लें, लेकिन समय पर फ्री भी कर दें। साथ ही अगर आपके यहां काम कर रहे किसी डोमेस्टिक हेल्पर को दीपावली पर अपने घर जाना हो तो उसे छुट्टी देने में भी आनाकानी न करें।

फेस्टिव ऑकेजन पर एसेसरीज से पाएं स्टनिंग लुक

ट्रेंड

ललिता गोयल

जब मौका हो दीपावली जैसे पर्व का तो सजना-संवरना और खूबसूरत दिखना भला कौन नहीं चाहेगा! दूसरों से खुद को अलग दिखाने के लिए कुछ अलग एफर्ट करना जरूरी होता है। इसके लिए आप कुछ स्पेशल एसेसरीज को कैरी कर सकती हैं।

स्टेटमेंट ज्वेलरी: स्टेटमेंट ज्वेलरी, आमतौर पर बड़ी साइज की और डिजाइनर होती है, जो लुक को एक नए लेवल पर ले जाती हैं। स्टेटमेंट ज्वेलरी में चंकी नेकलेस, पायल, झुमका, चूड़ी या कड़ा शामिल होते हैं, जो साड़ी या लहंगे के साथ परफेक्ट लगते हैं। ट्रेंडी और मॉडर्न लुक के लिए मेटल और स्टोन से बनी स्टेटमेंट ज्वेलरी जैसे गोल्डन और सिल्वर चोकर सेट, मीनाकारी कड़ा या स्टोन वाली अंगूठियां भी लुक को और सुंदर बना सकती हैं। खूबसूरत-सी कॉकटेल रिंग भी परफेक्ट लुक देने में मदद करती है।



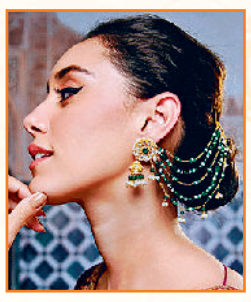

मांगटीका और बिंदी: पारंपरिक मांगटीका और बिंदी भी फेस्टिव लुक में एक खास टच जोड़ती है। भारतीय परंपरा में एथनिक लुक के साथ बिंदी न लगाई जाए तो कुछ अधूरा सा लगता है। लहंगे और साड़ी के साथ मांग टीका भी आपके लुक को कंप्लीट करता है।

पोल्की झुमके विद लेयर चेन: फेस्टिव लुक में पोल्की झुमके एकदम ट्रेडिशनल लुक देते हैं पोल्की झुमकों के साथ लेयर में चेन अटैच्ड करके बालों में पिनअप करके एंटीक टच पाया जा सकता है।



डिजाइनर चूड़ियां: फेस्टिव सीजन में लुक को और भी ज्यादा इनहैंस करने के लिए आप आउटफिट के हिसाब से मैचिंग या फिर कलरफुल चूड़ियां पहन सकती हैं। इसके अलावा ऑक्सीडाइज और कुंदनवर्क के बैंगल्स भी परफेक्ट लुक देते हैं।

आकर्षक कमरबंद: स्टोन स्टडेड एंड पर्ल बीडेड कमरबंद भी साड़ी और लहंगे के साथ परफेक्ट लुक देता है। कांजीवरम या बनारसी साड़ी पर ट्रेडिशनल कमरबंद पहनने से एक स्टाइलिश और अट्रैक्टिव लुक मिलता है।

हेयर एसेसरीज: गजरा, हेयर पिंस या फ्लोरल हेड गियर के जरिए आप अपने हेयरस्टाइल को फेस्टिव रंग में रंग सकती हैं।

(फैशन डिजाइनर मीनाक्षी खंडेलवाल से बातचीत पर आधारित)

जब लेंगी प्रॉपर डाइट सही रहेगी आपकी हेल्थ

महिलाएं त्योहार की तैयारियों में इतनी व्यस्त रहती हैं कि अपनी डाइट और सेहत पर ध्यान नहीं दे पातीं। ऐसे में उनको कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इससे बचने के लिए डाइट का ध्यान रखना जरूरी है।

प्रिकॉशन

दीपावली जैसे बड़े फेस्टिवल पर महिलाएं सफाई, सजावट, पूजा और मेहमानों की खातिरदारी में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देती हैं। ऐसे में ज्यादा मीठा और तला-भुना खाने, पानी कम पीने और नींद पूरी न होने से गैस, एसिडिटी, थकान होने के साथ ही ब्लड शुगर व ब्लड प्रेशर में उतार-चढ़ाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए त्योहार का आनंद लेने के साथ खान-पान में संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है।

न करें ये गलतियां: त्योहार के दिनों में मिठाइयों और नमकीन का जरूरत से ज्यादा सेवन, समय पर भोजन न करना, पानी कम पीना और देर रात तक जागना सेहत पर भारी पड़ सकता है। लंबे समय तक खाली पेट रहने से एसिडिटी बढ़ सकती है, जबकि पर्याप्त पानी न पीने से कब्ज और डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। इसलिए व्यस्तता के बीच भी समय पर खाना खाएं और आराम के लिए वक्त जरूर निकालें।

खुद को भी दें प्राथमिकता: कई महिलाएं परिवार और मेहमानों की देखभाल के साथ अपनी सेहत का ध्यान रखना भूल जाती हैं। ऐसे में अपनी सेहत को भी प्राथमिकता दें।



इस दौरान संतुलित भोजन, पर्याप्त पानी, पूरी नींद और हल्की शारीरिक गतिविधि आपको ऊर्जावान बनाए रख सकती है। याद रखें, त्योहार का असली आनंद तभी है, जब स्वाद के साथ सेहत का भी ख्याल रखा जाए। महिलाएं अकसर परिवार और मेहमानों का ख्याल रखते-रखते अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देती हैं। नतीजा यह होता है कि त्योहार के बाद वे थकान, एसिडिटी, वजन बढ़ना या ब्लड शुगर/बीपी में गड़बड़ी जैसी समस्याओं से जूझने लगती हैं। इसलिए जरूरी है कि महिलाएं खुद की डाइट और दिनचर्या का संतुलन बनाए रखें।

ऐसी हो आपकी डाइट: त्योहार के समय महिलाओं की डाइट कैसी हो इस बारे में कोकून हॉस्पिटल, जयपुर में सीनियर कंसल्टेंट-ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, **डॉ. चारुलता बंसल** बताती हैं, 'महिलाओं को हल्का, संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर भोजन लेना चाहिए। दिन की शुरुआत पोहा, उपमा, दलिया या इडली जैसे पौष्टिक नाश्ते से करें। खाने में हरी सब्जियां, दाल, दही, सलाद और साबुत अनाज शामिल करें। मिठाइयां खाएं, लेकिन उनकी मात्रा सीमित रखें। तले-भुने स्नैक्स की जगह भुने चने, मखाने और मेवे चुनें। दिनभर पर्याप्त पानी पिएं और छाछ या नीबू-पानी जैसे पेय भी लें।

शुगर-बीपी पेशेंट रहें सतर्क: डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर से जूझ रही महिलाओं को त्योहारों में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। इस बारे में श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-एंडोक्राइनोलॉजी **डॉ. साकेत कांत** सलाह देते हैं, 'दवाएं समय पर लें और डॉक्टर की सलाह के अनुसार ब्लड शुगर की जांच करवाती रहें। मीठे और ज्यादा कार्बोहाइड्रेट वाले खाद्य पदार्थों की मात्रा नियंत्रित रखें। बीपी की समस्या होने पर नमक और तली भुनी चीजों का सेवन सीमित करें।

दिवाली जैसे त्यौहार में स्वादिष्ट व्यंजन खाने का आनंद लेना गलत नहीं है, लेकिन समझदारी से खाया गया हर निवाला ही सेहत का असली मंत्र है। ऐसे में त्योहार की खुशी अच्छे से मना पाएंगी।

प्रस्तुति: सहेली फीचर्स

खबर संक्षेप

अपना पक्ष रखने अनंत सिंह को विस से नोटिस

पटना। विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार ने जेडीयू से बर्खास्त विधायक अनंत सिंह को दल-बदल



कानून के तहत पार्टी द्वारा कार्रवाई की मांग के मद्देनजर अपना पक्ष रखने नोटिस भेजा है। एमएलसी चुनाव में जदयू उम्मीदवार नीरज कुमार के खिलाफ प्रचार करने के लिए अनंत व उनकी पत्नी नीलम देवी को पार्टी से निकालने के बाद स्पीकर से उनकी विधायिकी भी खत्म करने की मांग की है।

दुर्गा रूप' में मायावती की होर्डिंग

बांदा। कुछ दिन पहले सपाइयों ने अखिलेश यादव को श्रीकृष्ण का रूप बताकर जगह-जगह उनकी होर्डिंग लगाई थी। अब बसपा कार्यकर्ताओं ने मायावती को दुर्गा का स्वरूप बताकर उनकी होर्डिंग को बरगद के पेड़ पर टांगी है। इस होर्डिंग में कार्यकर्ताओं ने बसपा मुखिया को आगामी मुख्यमंत्री बनाने की इच्छा जाहिर की गई है। होर्डिंग में मायावती को दुर्गा के स्वरूप में दिखाया गया है।



हाई कोर्ट की रील्स और फीस के प्रचार पर रोक

रांची। झारखंड हाईकोर्ट परिसर की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर खुद का प्रचार करने वाले अधिवक्ताओं पर अब एसोसिएशन ने सख्ती दिखाई है। झारखंड हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन ने वकीलों द्वारा रील्स बनाने, न्यायिक कार्यवाही से जुड़ीं तस्वीरें साझा करने और फीस का प्रचार कर मुवक्किलों को आकर्षित करने पर आपत्ति जताई है।



दीपोत्सव की तैयारियां परखने अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री योगी

सीएम योगी का निर्देश, ऐसी तैयारी करें कि दुनिया देखती रह जाए दीपोत्सव का वैभव

हरिभूमि न्यूज ⏭ अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को दीपोत्सव-2026 की तैयारियों का जायजा लेने अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले दीपोत्सव से संबंधित विभिन्न स्थलों पर चल रही तैयारियों का निरीक्षण किया।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने संकटमोचन हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन-पूजन कर प्रदेश की सुख-शांति की कामना की। फिर श्रीराम मंदिर पहुंचकर श्रीरामलला के चरणों में शीश नवाया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को अयोध्या पहुंचे और दीपोत्सव की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर खुद भी तैयारियों को परखा...



स्थल और व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया

मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर रामकथा पार्क के समीप बने हेलीपैड पर उतरा। यहां जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री सीधे रामकथा पार्क पहुंचे। यहां उन्होंने दीपोत्सव के लिए तैयार किए जा रहे आयोजन स्थल और व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। अधिकारियों से अब तक हुए कार्यों और शेष तैयारियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने केवल अधिकारियों की बात सुनने तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि विभिन्न व्यवस्थाओं को मौके पर देखकर उनकी प्रगति परखी। जहां काम शेष थे, वहां समयबद्ध तरीके से उन्हें पूरा कराने के निर्देश दिए।

श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दीपोत्सव की भव्यता ऐसी हो कि पूरी दुनिया रामनगरी के वैभव को देखे। आयोजन में कहीं कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और व्यवस्थाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी तैयारियां तय समय में पूरी कर ली जाएं।

शेष कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने का निर्देश

सीएम अयोध्या में करीब ढ़ाई घंटे तक रहे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री का विशेष जोर इस बात पर रहा कि दीपोत्सव की भव्यता के साथ व्यवस्थाओं में भी कोई कमी न रहे। उन्होंने अधिकारियों से तैयारियों की प्रगति पूछी और शेष कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने को कहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए घाटों, मार्गों और आयोजन स्थलों पर आवागमन की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। आने वाले मेहमानों व संतों की सुविधा में कोई कमी न रहे,इसका भी निर्देश दिया।

चुनाव से पहले यूपी के शहरों में योगी सरकार की बड़ी तैयारी

2 महीने में 18 हजार करोड़ से सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा

यूपी में विधानसभा चुनाव के पहले यूपी के शहरों को लेकर सरकार की बड़ी तैयारी है। अगले दो महीने को लेकर स्पेशल प्लान तैयार है। इस दौरान 18 हजार करोड़ रुपए के काम कराए जाने हैं...

अंतिम किस्त से पहले फोटोग्राफ के साथ उपयोग प्रमाण पत्र भी उपलब्ध कराने को कहा गया

एजेंसी ⏭ लखनऊ

विधानसभा चुनाव से पहले योगी सरकार की यूपी के शहरों को लेकर बड़ी तैयारी है। उत्तर प्रदेश का नगर विकास विभाग शहरी सुविधाओं के काम में और तेजी लाने जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में करीब 18 हजार करोड़ रुपए के काम दो महीने में कराने का लक्ष्य रखा गया है। शासन स्तर पर हुई बैठक में नगर विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि इस वित्तीय वर्ष की बची हुई राशि को विशेष अभियान चलाकर दो महीने में खर्च किए जाएं, जिससे शहरी सुविधाएं और बेहतर हो सकें। अधिकारियों ने निर्देश दिया है कि स्थानीय निकायों में लगने वाले प्रांतीयकृत मेलों और प्रदर्शनियों के लिए जितने भी प्रस्ताव आए हैं, उसे तत्काल जारी किया जाए।

नगर योजना के तहत शहरों में सुविधाएं देने के कामों में तेजी

सड़क, नाली जैसी मूलभूत जरूरतें पूरी होगी

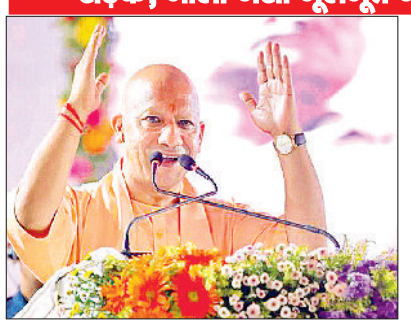

शासन के आदेश के बाद निकायों को पैसा दिए जाने के बाद लोगों को जरूरत के आधार पर विकास कार्य की सुविधाएं मिलेंगी। खासकर नए क्षेत्रों में जहां सड़क, नाली आदि की जरूरत है वहां इसकी मांग पूरी होगी। राज्य सरकार का पूरा ध्यान शहरी सुविधाओं को बढ़ाना है। इसीलिए उच्च स्तर पर तय किया गया है कि इस वित्तीय वर्ष का पैसा तीन माह पर खर्च कर लिया जाए।

पार्कों के निर्माण व सुधारीकरण के कामों पर होगा खर्च

पं. दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना, उपवन योजना में पार्कों के निर्माण व सुधारीकरण के कामों में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। नाली, सड़क, सीवर और अन्य जरूरी बचे हुए कामों को शुरू कराया जाए। इसके साथ ही प्रदेश के सभी निकायों को निर्देश दिया है कि उन्हें जो बजट दिया गया है उससे संबंधित योजनाओं का काम कराते हुए दूसरी या फिर अंतिम किस्त के पैसे की मांग शासन से की जाए। पैसे की मांग करते समय विकास कार्य की मौजूदा वस्तु स्थिति से अवगत कराया जाए। इसके लिए स्थलीय फोटोग्राफ के साथ उपयोग प्रमाण पत्र भी उपलब्ध कराया जाए।

बजट का शेष पैसा जल्द खर्च करने के निर्देश

शासन में वित्तीय वर्ष 2026-27 के आवंटित बजट को खर्च करने की स्थिति को लेकर बैठक हुई थी। इसमें पाया गया कि 21 अक्तूबर तक इस वित्तीय वर्ष में आवंटित 26513 करोड़ में अब तक 8129 करोड़ स्वीकृत हो चुके हैं। शेष धनराशि 18283 करोड़ बची है। बैठक में यह भी बताया गया कि 5224 करोड़ उस अवधि तक खर्च हो चुके हैं। शासन के उच्चाधिकारियों ने निर्देश दिया है कि बजट का शेष पैसा जल्द खर्च किया जाए, जिससे शहरी सुविधाओं में और इजाफा हो सके। वंदन योजना में धार्मिक, ऐतिहासिक दृष्टि वालों शहरों से प्रस्ताव प्राप्त करते हुए उसे जारी किया जाए।

आचार संहिता में नहीं होंगे नए टेंडर

यूपी में जल्द ही विधानसभा चुनाव प्रस्तावित है। आचार संहिता लगने के बाद विकास कार्य संबंधी नए टेंडर नहीं होंगे। इसीलिए शासन स्तर पर तय किया गया है कि विकास संबंधी कामों के लिए पैसे जल्द जारी कर दिया जाए, जिससे टेंडर निकालते हुए नए काम शुरू करा दिए जाएं। शासन स्तर से पैसा जारी होने के तुरंत बाद निकायों को टेंडर प्रक्रिया पूरी करते हुए काम शुरू कराना होगा।

520 करोड़ की परियोजनाओं का किया लोकार्पण

35 हजार कांस्टेबलों व 42 हजार होमगार्ड्स को जल्द मिलेंगे नियुक्ति पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोंडा

सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोंडा में सपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के लिए एक शाप है। यह जब भी आई, हमेशा तबाही मचाई।

सपा सरकार में दुर्गा पूजा के पंडालों को विवादित किया जाता था, पूजा की अनुमति नहीं मिलती थी और कांवड़ यात्रा पर रोक लगा दी जाती थी। आज उत्तर प्रदेश कर्फ्यू-दंगा मुक्त है। भाजपा का मतलब आस्था को सम्मान देने वाली पार्टी है, जबकि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का मतलब अपराध है। वे बदमाश लाते हैं, हम बदलाव लाते हैं।



गोंडा को 16 हजार करोड़ व देवीपाटन मंडल को 50 हजार करोड़

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में अकेले गोंडा जिले के लिए 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। पूरे देवीपाटन मंडल के लिए लगभग 50 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। कुछ परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, कुछ पर काम चल रहा है और नई परियोजनाओं के प्रस्ताव भी मांगे गए हैं।

इस बार नवरात्र में प्रदेश में 67 हजार मूर्तियां स्थापित

मुख्यमंत्री सोमवार को गोंडा में 520 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 69 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण-शिलान्यास अवसर पर जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस बार नवरात्र में पूरे प्रदेश में 67 हजार मूर्तियां स्थापित की गई थीं। गोंडा कमिश्नरी के लिए उन्होंने विशेष रूप से कहा था कि मूर्ति स्थापना के लिए अनुमति मांगने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। जो भी अपने घर में मूर्ति रखना चाहता है, उसे अनुमति दे दो। किसी सपाई या किसी कसाई को परेशानी होती है, तो बोलो अपने घर में शोक मनाओ, लेकिन किसी को परेशान मत करो।

संविधान पखवाड़े के तहत जनप्रतिनिधि सम्मेलन में बोले लोकसभा अध्यक्ष

लोकतंत्र में असहमति का भी हो सम्मान साझे प्रयासों से ही आगे बढ़ेगा देश : बिरला

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लोकतंत्र में विचारों और दृष्टिकोण में भिन्नता हो सकती है तथा सहमति और असहमति भी होती है, लेकिन असहमति का भी सम्मान होना चाहिए। असहमति दिशा देती है, दर्शन देती है और काम करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि सहमति-असहमति के बावजूद देश और प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए सभी के साझे प्रयास होने चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन चलाना एक जिम्मेदारी है, लेकिन उससे बड़ी जिम्मेदारी जनसेवा की है। बिरला सोमवार को पंचकूला के इंद्रधनुष ओडिटोरियम में हरियाणा विधानसभा संविधान पखवाड़ा के तहत आयोजित जनप्रतिनिधि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, विधानसभा स्पीकर हरविन्द्र कल्याण, नेता प्रतिपक भूपेंद्र सिंह हुड्डा, विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण मिड्ढा, संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा सहित मंत्रीगण, विधायकगण उपस्थित थे। लोकसभा अध्यक्ष ने दीप प्रज्जवलित कर जनप्रतिनिधि सम्मेलन का उद्घाटन किया। लोकसभा अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा की धरती कर्म की धरती रही है। भगवान श्रीकृष्ण की धरती ने भगवद्गीता के माध्यम से कर्म का संदेश दिया है। बिरला ने प्रदेश के वीर जवानों, किसानों और खेल प्रतिभाओं को भी जमकर सराहा।



संविधान जीवंत रूप में देश का मार्गदर्शक

लोकसभा स्पीकर ने कहा कि संविधान आज भी जीवंत रूप से हम सभी का मार्गदर्शन करता है। संविधान केवल शासन चलाने की व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह भारत की आत्मा है। इसमें भारत की राष्ट्रीय चेतना के साथ देश के करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं का प्रतिबिंब है। संविधान हमारे हर दृष्टिकोण और हर विचार में मार्गदर्शन करता है। इसी से ही देश का लोकतंत्र मजबूत हो रहा है।

हरियाणा की प्रगति और खुशहाली हमारी साझा मंजिल : नायब सैनी

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की राजनीतिक राहें और विचारधाराएं अलग हो सकती हैं, लेकिन हरियाणा की प्रगति और प्रदेश के लोगों की खुशहाली सभी की साझा मंजिल है। हम सभी की पहचान इस बात से है कि हम हरियाणा की जनता के प्रतिनिधि हैं। जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे जनता की आकांक्षाओं और आवश्यकताओं को समझते हुए प्रदेश के विकास में अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री सोमवार को हरियाणा विधानसभा द्वारा संविधान पखवाड़े के तहत आयोजित जनप्रतिनिधि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने अपनी स्थापना के 60 वर्ष पूरे कर लिए हैं। हीरक जयंती के इस अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर भविष्य की दिशा तय करने का अवसर है। सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष की उपस्थिति से इसकी गरिमा बढ़ी है और संसदीय प्रक्रियाओं, सदन की मर्यादा तथा जनप्रतिनिधियों के दायित्वों पर उनका मार्गदर्शन सभी के लिए मूल्यवान है।

होर्डिंग में फोटो नहीं थी, नाराज 'फूफा' बनकर निकले भूपेंद्र हुड्डा

पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में सोमवार को आयोजित जनप्रतिनिधि सम्मेलन के दौरान उस समय असहज स्थिति बन गई, जब नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा कार्यक्रम स्थल के बाहर लगे होर्डिंग्स पर अपनी तस्वीर नहीं देखकर 'फूफा' की तरह नाराज हो गए। पार्टी के कुछ नेताओं द्वारा इस ओर ध्यान दिलाए जाने के बाद हुड्डा कार्यक्रम में शामिल हुए बिना ही वापस जाने लगे। उन्हें मनाने के लिए विधानसभा के अधिकारी और कर्मचारी पीछे-पीछे पहुंचे। बाद में विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण से बातचीत के बाद हुड्डा कार्यक्रम में लौटे। इसके बाद मंच के बैकड्रॉप पर भी उनकी तस्वीर शामिल की गई। कार्यक्रम स्थल के बाहर लगाए गए होर्डिंग्स पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, राज्यपाल असीम घोष और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तस्वीरें लगाई गई थीं, लेकिन नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा की तस्वीर नहीं थी। इसे लेकर हुड्डा ने कड़ी नाराजगी जताई और वहां से वापस जाने लगे। अधिकारियों ने उन्हें रोकने और मनाने का प्रयास किया। विधानसभा अध्यक्ष से बातचीत के बाद वे कार्यक्रम में शामिल हुए।

काशी नरेश विवि के समग्र विकास की कार्ययोजना तैयार करें: राज्यपाल

लखनऊ। यूपी की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने भदोही के काशी नरेश राजकीय विश्वविद्यालय का निरीक्षण कर शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत मौलश्री का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

राज्यपाल ने कुलपति प्रो. उमा श्रीवास्तव एवं 21 विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक कर विश्वविद्यालय के समग्र विकास के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के मानकों के अनुरूप विकसित करने तथा समर्थ पोर्टल के सभी मॉड्यूल सक्रिय करने पर जोर दिया। विद्यार्थियों से संवाद करते हुए राज्यपाल ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, रोजगारपरक पाठ्यक्रमों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने का आह्वान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में लगभग सात हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप कौशल आधारित एवं व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है।

तेजस्वी यादव भाजपा पर भड़के

सत्ता में बैठकर मलाई खा रहे लोगों में बेचैनी और घबराहट क्यों है?

एजेंसी ⏭ पटना

दिल्ली के रामलीला मैदान में एक नवंबर को इंडिया गठबंधन ने वोट बचाओ देश बचाव रैली का आयोजन किया गया। भारतीय जनता पार्टी ने रैली को फ्लॉप बताया है। पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने ट्रिक फोटोग्राफी से रैली में भीड़ दिखाने का आरोप विपक्षी दलों पर लगाया। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव इसे लेकर भाजपा पर भड़क गए हैं।

पूछा है कि रैली फ्लॉप थी तो इतनी बेचैनी और घबराहट में क्यों हैं? तेजस्वी ने कहा कि इंडिया गठबंधन की रैली से भाजपा और उसके सहयोगी दलों में काफी घबराहट और बेचैनी है। पूछा कि ये लोग रैली को फ्लॉप बताने की जरूरत क्या है? कहा कि ये लोग सत्ता में बैठकर मलाई खा रहे हैं। इनकी चोरी पकड़ी गई है तो निराशा और हताशा में आ गए हैं। रैली के बाद इनकी बेचैनी और भी बढ़ गई है। ज्ञानेश कुमार की मदद से लोकतंत्र को कुचलकर सत्ता में बैठे हैं। इन लोगों से ऐसे ही बयान की उम्मीद की जाती है।



वोट बचाओ, देश बचाव महारैली

गौरतलब है कि एक नवंबर को एसआईआर रोकने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर इंडिया गठबंधन ने रामलीला मैदान में रैली बुलाई थी। इसे वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली का नाम दिया गया था। रैली में सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत विपक्ष के बड़े बड़े नेता मंच पर मौजूद थे।

आकाश आनंद का भाजपा पर तंज

ज्यादा तेल पीती है डबल इंजन की सरकार समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा

एजेंसी ⏭ सहारनपुर

बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनन्द ने सोमवार को भाजपा सरकार पर तंज कसा और समाजवादी पार्टी को भाजपा की बी टीम करार दिया। उन्होंने दावा किया कि सपा मुखिया अखिलेश यादव की राजनीति की कोई दिशा तय नहीं है। बसपा प्रमुख और यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के भतीजे आनन्द ने सहारनपुर के सोराणा में एक जनसभा में कहा कि अखिलेश यादव कभी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) में पंडितों की बात करते हैं तो कभी पिछड़ों की।



यूपी में सबसे ज्यादा हत्या के मुकदमे

बसपा नेता ने दावा किया, पिछले 10 साल में भाजपा की सरकार न तो शिक्षा दे पाई, न हमारी बहन-बेटियों को सुरक्षा दे पाई और न ही हमारे युवाओं को रोजगार दे पाई। यह जरूर कहा जाता है कि बाबा की सरकार 'एनकाउंटर' वाली सरकार है। लेकिन आंकड़े कुछ और बताते हैं।

भाजपा की सरकार में 'जंगल राज' का आरोप

उन्होंने तंज किया कि यूपी में भाजपा की 'डबल इंजन' की सरकार है, इसलिए तेल ज्यादा पीती है। उन्होंने सपा की तरह भाजपा की सरकार में भी 'जंगल राज' का आरोप लगाया। आनन्द ने सभा में भाजपा और सपा के बीच रिश्ता होने का दावा करते हुए कहा, 'सपा ने धनराज नाथवानी को राज्यसभा चुनाव में टिकट दिया और वह जीते। प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपने एक बयान में अखिलेश यादव को अपना दोस्त बताते हुए कहा था कि वह समय-समय पर उनकी मदद करते रहते हैं।'

उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से दी जा रही सुविधाएं

पंजाब के उद्यमियों को हरियाणा में निवेश का न्योता, नायब ने दिया सहयोग का भरोसा



चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सैनी से सोमवार को हरियाणा निवास में पंजाब से आए उद्योगपतियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों का स्वागत करते हुए उन्हें हरियाणा में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया और आश्वासन दिया कि प्रदेश में उद्योग स्थापित करने के लिए उन्हें सरकार की ओर से हर संभव सहयोग एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने और निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य में उद्योगपतियों की सुविधा के लिए सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से विभिन्न विभागों की आवश्यक स्वीकृतियां एवं सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इसके अलावा, सरकार द्वारा उद्योगों की जरूरत के अनुसार औद्योगिक भूमि भी उपलब्ध करवाई जा रही है, ताकि निवेशकों को अपना कारोबार स्थापित करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम लगातार उद्योगपतियों के संपर्क में रहकर उन्हें प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित कर रहा है।

चिंतन

उत्सव और पर्यावरण में संतुलन रखना जरूरी

दीपावली रोशनी, उल्लास और खुशियों का पर्व है। यह अंधकार पर प्रकाश और निराशा पर आशा की जीत का प्रतीक है, लेकिन उत्सव की उमंग जब दूसरों की सांसों पर भारी पड़ने लगे तो आत्ममंथन जरूरी हो जाता है। पटाखों को लेकर सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला इसी संतुलन की आवश्यकता को रेखांकित करता है। अदालत ने दिल्ली-एनसीआर में 7 और 8 नवंबर को निर्धारित समय में केवल ग्रीन पटाखे जलाने की ही अनुमति दी है। अस्पतालों, वृद्धाश्रमों और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास नो-क्रैकर जोन बनाने के निर्देश भी दिए हैं। यह फैसला उत्सव पर रोक नहीं, बल्कि उसे जिम्मेदारी के दायरे में रखने का प्रयास है। सवाल है कि हर साल दीपावली पर पटाखों को लेकर अदालत को हस्तक्षेप क्यों करना पड़ता है? क्या त्योहार मनाने के लिए नागरिक जिम्मेदारी का भाव इतना कमजोर हो गया है कि न्यायिक आदेशों की जरूरत पड़ने लगी है? दिल्ली-एनसीआर पहले ही वायु प्रदूषण के गंभीर संकट से जूझ रहा है। वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण कार्यों की धूल और पराली का धुआं हवा की गुणवत्ता बिगाड़ते हैं। ऐसे में पटाखों का अतिरिक्त धुआं स्थिति को और भयावह बना सकता है। इसका सबसे अधिक खामियाजा बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से जूझ रहे लोगों को भुगतना पड़ता है। प्रदूषण किसी एक घर या मोहल्ले तक सीमित नहीं रहता, उसका असर पूरे समाज पर पड़ता है। स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर 2025 की रिपोर्ट के हवाले से अदालत में बताया गया कि भारत में वायु प्रदूषण के कारण 20.1 लाख से अधिक मौतें हुईं। यह आंकड़ा समाज को झकझोरने के लिए पर्याप्त है। धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान जरूरी है, लेकिन किसी की सेहत और जीवन की कीमत पर नहीं। इसलिए उत्सव और पर्यावरण में संतुलन रखना बेहद जरूरी है। ग्रीन पटाखे भी पूरी तरह प्रदूषण मुक्त नहीं होते। इसलिए इनके नाम पर असीमित आतिशबाजी की छूट नहीं होनी चाहिए। असली और नकली ग्रीन पटाखों की पहचान, प्रमाणित उत्पादों की बिक्री और नियमों का पालन सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। अदालत ने सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक ही पटाखे चलाने की अनुमति दी है। अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में रोक तथा शैक्षणिक संस्थानों को नो-क्रैकर जोन घोषित करने का निर्देश महत्वपूर्ण है। प्रशासन को इन क्षेत्रों की स्पष्ट पहचान करनी होगी और पुलिस व प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियों को निगरानी रखनी होगी। नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई भी जरूरी है। विराट कोहली जैसी लोकप्रिय हस्तियों से प्रदूषण रहित दीपावली की अपील करवाने का सुझाव भी सराहनीय है। खिलाड़ियों, कलाकारों, सामाजिक संगठनों और शिक्षण संस्थानों को जागरूकता अभियान से जोड़ना चाहिए। हालांकि प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई केवल दीपावली तक सीमित नहीं रह सकती। वाहनों, उद्योगों, निर्माण स्थलों और कचरा जलाने से होने वाले प्रदूषण पर सालभर प्रभावी नियंत्रण जरूरी है। दीपावली पर दीप जलाना हमारी परंपरा है और खुशियां मनाना हमारा अधिकार। मगर दूसरों की सांसों की सुरक्षा भी हमारी जिम्मेदारी है। पटाखों का शोर कुछ क्षणों का आनंद देता है, जबकि उसका धुआं लंबे समय तक परेशानी पैदा कर सकता है। इस बार संकल्प होना चाहिए कि घरों में दीपों की रोशनी बढ़े, लेकिन हवा में जहर नहीं।

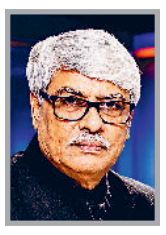

सत्ता संघर्ष

ओमकार चौधरी

इजराइल में जनादेश का गतिरोध

इजराइल के संसदीय चुनाव ने एक बार फिर देश को राजनीतिक अनिश्चितता के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन बहुमत के आंकड़े से दूर रह गई। दूसरी ओर, नेतन्याहू विरोधी दलों के पास संयुक्त रूप से 67 सीटें हैं, मगर वैचारिक मतभेदों के कारण वे भी सरकार बनाने की स्थिति में नहीं दिख रहे। इस चुनाव में अरब राजनीतिक दलों की सीटें 10 से बढ़कर 19 हो गई हैं, जिससे उनका महत्व बढ़ा है। सैन्य सेवा, न्यायिक सुधार, गाजा युद्ध और फलस्तीनी प्रश्न पर गहरे मतभेद गठबंधन की राह रोक रहे हैं। राष्ट्रपति की पहल के बाद ही स्पष्ट होगा कि नई सरकार बनेगी या इजराइल फिर चुनाव में जाएगा।

इजराइल में राजनीतिक अस्थिरता का समाधान केवल चुनाव प्रणाली बदलने या किसी एक दल के अधिक सीटें जीतने से नहीं जुड़ा है। मूल चुनौती विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक समूहों के बीच ऐसी सहमति विकसित करने की है, जिससे सरकार अपना कार्यकाल पूरा कर सके। फिलहाल 27 अक्टूबर के जनादेश ने किसी को स्पष्ट सत्ता नहीं सौंपी है। राष्ट्रपति की पहल और दलों के बीच होने वाली बातचीत तय करेगी कि इजराइल को नई गठबंधन सरकार मिलती है या देश एक बार फिर चुनाव की ओर बढ़ता है। इजराइल में 27 अक्टूबर 2026 को हुए संसदीय चुनावों ने एक बार फिर राजनीतिक गतिरोध पैदा कर दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, लेकिन सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत उनके पास नहीं है। दूसरी ओर विपक्षी दलों की संयुक्त ताकत नेतन्याहू को सत्ता से बाहर रखने के लिए पर्याप्त है, लेकिन उनके बीच वैचारिक सहमति का अभाव है। इस चुनाव में अरब राजनीतिक दलों की ताकत लगभग दोगुनी होने से सत्ता का समीकरण और जटिल हो गया है। वे सरकार गठन में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन विपक्ष के कई प्रमुख नेता उनका समर्थन लेने के लिए तैयार नहीं हैं। इजराइल की 120 सदस्यीय संसद नेसेट में सरकार बनाने के लिए 61 सांसदों का समर्थन चाहिए। इस चुनाव में लिकुड को 27, पूर्व सेना प्रमुख गादी आइज़नकोट की याशार पार्टी को 21 और पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट के ब'याखाद गठबंधन को 12 सीटें मिली हैं। अरब दलों की जॉइंट लिस्ट ने 11 और मंसूर अब्बास की राआम ने आठ सीटें जीती हैं। द डेमोक्रेट्स को आठ, अविग्दोर लिबरमैन की इस्राइल बेतेनु को सात, यूनाइटेड तोराह जूडाइज्म को सात, इतामार बेन-गवीर की ओत्ज़मा येहुदित को सात, शास को छह और रिलिजियस ज़ायोनिज़्म–जेहुत गठबंधन को छह सीटें मिली हैं।

नेतन्याहू के दक्षिणपंथी और धार्मिक सहयोगियों के पास कुल 53 सीटें हैं। आइज़नकोट और उनके संभावित सहयोगियों की संख्या 48 है, जबकि अरब नेतृत्व वाले दलों के पास 19 सीटें हैं। अर्थात नेतन्याहू के विरोध में 67 सांसद हैं, लेकिन उनमें से सभी एक साझा सरकार के लिए तैयार नहीं हैं। यही वर्तमान गतिरोध का मूल कारण है। किसी दल को संसद में प्रतिनिधित्व पाने के लिए कम से कम 3.25 प्रतिशत वोट प्राप्त करने होते हैं। इस व्यवस्था में धार्मिक, राष्ट्रवादी, उदारवादी, धर्मनिरपेक्ष और अरब समुदायों के छोटे दल भी संसद में पहुंचते हैं। इजराइल के इतिहास में किसी एक राजनीतिक दल को अपने बूते 61 सीटें नहीं मिली हैं। इसलिए गठबंधन सरकार वहां राजनीतिक अनिवार्यता है। कई बार पांच-सात सीटों वाला छोटा दल भी सरकार बनाने या गिराने की स्थिति में आ जाता है, लेकिन धार्मिक परंपराओं, राष्ट्रीय सुरक्षा, न्यायपालिका, सैन्य सेवा और फलस्तीनी प्रश्न पर दलों के बीच इतने गहरे मतभेद हैं कि गठबंधन स्थायी नहीं रह पाते। वर्ष 2019 से 2022 के बीच इजराइल में पांच संसदीय चुनाव हुए। जून 2021 में नफ्ताली बेनेट और याइर लापिद ने नेतन्याहू-विरोधी दलों को एकजुट करके सरकार बनाई।



इसमें पहली बार मंसूर अब्बास की राआम जैसी स्वतंत्र अरब पार्टी भी औपचारिक रूप से शामिल हुई। लेकिन वैचारिक मतभेदों के कारण यह सरकार लगभग एक वर्ष में गिर गई। उसके बाद नेतन्याहू फिर सत्ता में लौट आए। इस चुनाव का सबसे उल्लेखनीय घटनाक्रम अरब राजनीतिक दलों की सफलता है। वर्ष 2022 में इन्हें कुल दस सीटें मिली थीं, जबकि इस बार 19 सीटें मिली हैं। जॉइंट लिस्ट और राआम ने मिलकर लगभग आठ लाख चालीस हजार वोट प्राप्त किए, जो पिछले चुनाव से करीब 64 प्रतिशत अधिक हैं। इजराइल की आबादी में अरब नागरिकों की हिस्सेदारी लगभग पांचवां हिस्सा है। हालांकि सभी अरब दलों की राजनीति एक जैसी नहीं है। मंसूर अब्बास की राआम पहले भी यहूदी नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हो चुकी है। जॉइंट लिस्ट के विभिन्न घटकों की इजराइल की राष्ट्रीय पहचान और फलस्तीनी प्रश्न पर अलग राजनीतिक स्थितियाँ हैं। इसलिए उनकी 19 सीटों को किसी एक गठबंधन का सुनिश्चित समर्थन मानना सही नहीं होगा। नेतन्याहू के लिए इस बार चुनावी परिणाम झटका हैं। वर्ष 2022 में उनकी लिकुड ने 32 सीटें जीती थीं। इस बार वह 27 पर सिमट गई। उनके सहयोगी गठबंधन की संख्या भी पिछली संसद में एक समय 68 तक पहुंचने के बाद अब 53 रह गई है। इसके कई कारण रहे। सबसे बड़ा मुद्दा 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किया गया हमला था, जिसने इजराइल की सुरक्षा और खुफिया व्यवस्था की गंभीर कमियां उजागर की थीं।

अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है कि क्या पूर्व सेना प्रमुख गादी आइज़नकोट और नेतन्याहू मिलकर राष्ट्रीय एकता सरकार बना सकते हैं? आइज़नकोट ने चुनाव में नेतन्याहू को सत्ता से हटाने को प्रमुख उद्देश्य बनाया था। चुनाव के बाद भी उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह नेतन्याहू के अधीन सरकार में शामिल नहीं होंगे। यहां तक कि बारी-बारी से प्रधानमंत्री बनने की व्यवस्था को भी उन्होंने स्वीकार नहीं किया है। नफ्ताली बेनेट और अविग्दोर लिबरमैन भी नेतन्याहू के साथ सरकार बनाने का विरोध कर चुके हैं। आइज़नकोट ने संभावित सहयोगियों के लिए चार सिद्धांत निर्धारित किए हैं। पहला, इजराइल को यहूदी, लोकतांत्रिक, उदार और समानतापूर्ण राज्य के रूप में स्वीकार करना होगा। दूसरा, स्वतंत्रता की घोषणा में व्यक्त मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक होगी। तीसरा, सभी नागरिकों के लिए सैन्य, राष्ट्रीय अथवा नागरिक सेवा का दायित्व स्वीकार करना होगा। चौथा, हमास को आतंकवादी संगठन मानते हुए गाजा में उसकी सैन्य और शासन-संचालन क्षमता समाप्त करने के उद्देश्य का समर्थन करना होगा। गठबंधन के तीन प्रमुख विकल्प हैं। पहला, आइज़नकोट 19 अरब सांसदों का समर्थन लेकर 67 की संख्या तक पहुंचें। इसके लिए बेनेट और लिबरमैन जैसे नेताओं को सहमत करना होगा। दूसरा, शास और यूनाइटेड तोराह जूडाइज्म के 13 सांसदों को साथ लेकर 61 का बहुमत बनाया जाए। लेकिन सैन्य भर्ती के प्रश्न पर समझौता आवश्यक होगा। तीसरा, नेतन्याहू और विपक्ष के कुछ दल राष्ट्रीय एकता सरकार बनाएं। इसके लिए प्रधानमंत्री पद, न्यायिक सुधार, सुरक्षा नीति और 7 अक्टूबर के हमले की जांच जैसे विषयों पर सहमति बनानी पड़ेगी। चुनाव परिणामों का औपचारिक प्रमाणन 4 नवंबर तक निर्धारित है। इसके बाद राष्ट्रपति दलों से परामर्श करके किसी सांसद को सरकार बनाने का अवसर देंगे। पहले उम्मीदवार को सामान्यतः 28 दिन मिलते हैं और आवश्यकता पड़ने पर 14 दिन का विस्तार संभव है। असफल होने पर दूसरे नेता को अवसर दिया जा सकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

विडंबना

योगेश कुमार सोनी



वर्चस्व की लड़ाई में उलझते जा रहे वकील और पुलिस के पेशे

दिल्ली की कानून व्यवस्था में पुलिस और वकीलों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। पुलिस का दायित्व कानून का पालन कराना, अपराधों पर अंकुश लगाना और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, जबकि वकील न्याय व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हैं। दोनों पेशों का उद्देश्य अलग-अलग जिम्मेदारियों के माध्यम से एक ही लक्ष्य को हासिल करना है। कानून का शासन और जनता को न्याय, लेकिन जब इन दोनों पेशों के बीच आपसी सम्मान, संवाद और कार्यक्षेत्र की मर्यादा को लेकर विवाद खड़ा होने लगे, तब यह केवल दो पक्षों का टकराव नहीं रह जाता, बल्कि पूरी न्याय एवं कानून व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगते हैं। शाहदरा में एसीपी मनस्वी वशिष्ठ और शाहदरा थानाध्यक्ष के तबादले के बाद सामने आए घटनाक्रम ने इसी व्यापक बहस को जन्म दिया है। शाहदरा में पुलिस अधिकारियों के तबादलों के बाद एसीपी मनस्वी वशिष्ठ द्वारा मोर्चा खोले जाने के घटनाक्रम ने पुलिस और वकीलों के संबंधों को लेकर चर्चा तेज कर दी है। हालांकि, इस पूरे मामले में संबंधित पक्षों के आधिकारिक वक्तव्यों, विभागीय आदेशों और विवाद की परिस्थितियों की स्वतंत्र पुष्टि के बिना किसी व्यक्ति को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक अधिकारी और नागरिक को अपना पक्ष रखने का अधिकार है। साथ ही, किसी भी विवाद की वास्तविकता सामने लाने के लिए तथ्यों, साक्ष्यों और निष्पक्ष जांच को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यदि किसी अधिकारी को लगता है कि उसके साथ अन्याय हुआ है या किसी कार्रवाई में नियमों का पालन नहीं किया गया, तो उसके पास अपनी बात रखने के लिए विभागीय और कानूनी मंच उपलब्ध हैं। इसी प्रकार, यदि किसी वकील को पुलिस की किसी कार्रवाई से आपत्ति है, तो वह भी कानून के दायरे में रहकर शिकायत दर्ज करा सकता है। लेकिन जब किसी विवाद में व्यक्तिगत प्रतिष्ठा, पेशेवर पहचान या वर्चस्व का प्रश्न हावी होने लगता है, तो समाधान की संभावनाएं कमजोर पड़ने लगती है। पुलिस अधिकारी को कानून के अनुसार कार्रवाई करनी होती है। उसे शिकायतकर्ता, आरोपी, गवाह और अन्य संबंधित व्यक्तियों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। किसी व्यक्ति की सामाजिक हैसियत, पेशा या प्रभाव कानून से ऊपर नहीं हो सकता। यदि कोई वकील किसी मामले में पक्षकार है या किसी पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहा है, तो उसके पेशे के कारण उसे कानून से अलग कोई विशेष छूट नहीं मिलती। दूसरी ओर, वकील न्याय व्यवस्था के अभिन्न अंग हैं। उन्हें अपने मुवक्किलों के अधिकारों की रक्षा करने, कानूनी प्रक्रियाओं पर सवाल उठाने और किसी अनुचित कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठाने का अधिकार है। लेकिन यह अधिकार भी कानून और पेशेवर आचरण की सीमाओं के भीतर ही प्रभावी होता है। पुलिस के काम में वैधानिक हस्तक्षेप और पुलिस की किसी कार्रवाई पर कानूनी आपत्ति जताना दो अलग-अलग बातें हैं। इसी प्रकार, पुलिस की वर्दी किसी अधिकारी को मनमानी करने का अधिकार नहीं देती। पुलिस और वकीलों के बीच मतभेद होना अस्वाभाविक नहीं है। कानून के अलग-अलग पक्षों की व्याख्या करते समय असहमति हो सकती है, लेकिन असहमति और टकराव में अंतर है। असहमति व्यवस्था को बेहतर बना सकती है, जबकि व्यक्तिगत संघर्ष व्यवस्था की ऊर्जा और संसाधनों को नष्ट करता है। कानून के सामने सभी समान हैं। न पुलिस का पद कानून से ऊपर है और न वकील का पेशा। दोनों को अपने अधिकारों का इस्तेमाल जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए। किसी भी पक्ष के साथ अन्याय होने पर निष्पक्ष जांच और कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से समाधान होना चाहिए। अंततः, सवाल यह नहीं है कि शाहदरा में किसका वर्चस्व स्थापित होगा, बल्कि यह है कि कानून, निष्पक्षता और जनता के विश्वास की जीत कैसे सुनिश्चित होगी। यदि पुलिस और वकील अपनी-अपनी पेशेवर मर्यादा को प्राथमिकता देते हुए संवाद और संवैधानिक प्रक्रिया का रास्ता अपनाते हैं, तो विवादों का समाधान संभव है। लेकिन यदि हर मतभेद प्रतिष्ठा की लड़ाई बनता रहा, तो नुकसान किसी एक अधिकारी, वकील या विभाग का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का होगा जिससे आम नागरिक न्याय और सुरक्षा की उम्मीद करता है।लोकतंत्र में संस्थाओं की मजबूती किसी व्यक्ति के प्रभाव से नहीं, बल्कि उनके निष्पक्ष कामकाज से तय होती है। इसलिए समय की मांग है कि वर्चस्व की लड़ाई के बजाय कानून के सम्मान, जवाबदेही और संस्थागत समन्वय को प्राथमिकता दी जाए। यही पुलिस और वकील, दोनों के पेशे की गरिमा और जनता के विश्वास को बनाए रखने का सबसे प्रभावी रास्ता है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

चेतना का मूल आधार है अस्तित्व का ज्ञान

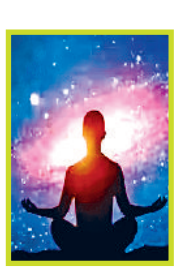

संकलित

दर्शन

जब हम दर्शनशास्त्र का अध्ययन करते हैं, तो हमें यह ज्ञान होता है कि संपूर्ण विश्व एक है। आध्यात्मिक, भौतिक, मानसिक तथा प्राण-जगत भिन्न-भिन्न नहीं हैं। समस्त विश्व, यहां से वहां तक, एक है। बात इतनी ही है कि अलग-अलग दृष्टिकोण से देखे जाने के कारण वह विभिन्न प्रतीत होता है। 'मैं शरीर हूं, इस भावना से जब तुम अपनी ओर देखते हो तो यह भूल जाते हो कि मैं मन भी हूं'। और, जब तुम अपने को मनोरूप में देखने लगते हो, तो तुम्हें अपने शरीरत्व की विस्मृति हो जाती है। विद्यमान वस्तु केवल एक है और वह तुम हो। वह तुम्हें जड़ या शरीर के रूप में अथवा मन या आत्मा के रूप में दिख सकती है। जन्म, जीवन, मरण ये सब भ्रम मात्र हैं। न कोई कभी मरता है और ना कोई कभी जन्म लेता है। होता इतना ही है कि मनुष्य एक स्थिति से दूसरी स्थिति में चला जाता है। लोगों को मृत्यु से इतना भय पाते देख मुझे बहुत दुख होता है। वे मानो जीवन को पकड़ कर रखने की सतत चेष्टा करते रहते हैं। वे कहते हैं कि मृत्यु के बाद हमें जीवन दो। हमें मरणोत्तर जीवन दो। यदि कोई आए और उन्हें बताए कि मृत्यु के बाद भी वे विद्यमान रखेंगे, तो वे कितने आनंदित होते हैं? वस्तुतः मनुष्य के अमरत्व में मैं अविश्वास ही किस तरह कर सकता हूं? मैं मृत हूं, यह कल्पना ही मैं किस प्रकार कर सकता हूं? तुम यदि अपने को मृत सोचने की कोशिश करो तो देखोगे कि तुम अपने मृत शरीर को देखने के लिए वर्तमान हो ही। जीवन का अस्तित्व एक ऐसा आश्चर्यमय सत्य है कि तुम एक क्षण भी उसका विस्मरण नहीं कर सकते।

ब्राह्मण का सपना



संकलित

प्रेरणा

एक नगर में कोई कंजूस ब्राह्मण रहता था। उसने भिक्षा से प्राप्त सत्तुओं में से थोड़े से खाकर शेष से एक घड़ा भर लिया था। उस घड़े को उसने रस्सी से बांधकर खूंटी पर लटका दिया और उसके नीचे पास ही खटिया डालकर उसपर लेटे-लेटे विचित्र सपने लेने लगा, और कल्पना के हवाई घोड़े दौड़ाने लगा। उसने सोचा कि जब देश में अकाल पड़ेगा तो इन सत्तुओं का मूल्य 100 रुपए हो जाएगा। उन सौ रुपयों से मैं दो बकरियां लूँगा। छः महीने में उन दो बकरियों से कई बकरियां बन जाएंगी। उन्हें बेचकर एक गाय लूंगा। गौओं के बाद भैंसे लूंगा और फिर घोड़े ले लूंगा। घोड़ों को महंगे दामों में बेचकर मेरे पास बहुत सा सोना हो जाएगा। सोना बेचकर मैं बहुत बड़ा घर बनाऊँगा। मेरी सम्पत्ति को देखकर कोई भी ब्राह्मण अपनी सुरुपवती कन्या का विवाह मुझसे कर देगा। वह मेरी पत्नी बनेगी। उससे जो पुत्र होगा उसका नाम मैं सोमशर्मा रखूंगा। जब वह घुटनों के बल चलना सीख जाएगा तो मैं पुस्तक लेकर घुड़शाला के पीछे की दीवार पर बैठा हुआ उसकी बाल-लीलाएं देखूंगा। उसके बाद सोमशर्मा मुझे देखकर मां की गोद से उतरेगा और मेरी ओर आएगा तो मैं उसकी मां को क्रोध से कहूँगा- 'अपने बच्चे को संभाल।' वह गृह-कार्य में व्यग्र होगी, इसलिए मेरा वचन न सुन सकेगी। तब मैं उठकर उसे पैर की ठोकर से मारूंगा। यह सोचते ही उसका पैर ठोकर मारने के लिए ऊपर उठा। वह ठोकर सत्तु-भरे घड़े को लगी। घड़ा चकनाचूर हो गया। कंजूस ब्राह्मण के स्वप्न भी साथ ही चकनाचूर हो गए।

अंतर्मन



आज की पाती

मानसिक स्वास्थ्य में एआई की भूमिका

आधारित चैटबॉट लोगों के लिए तेजी से संपर्क का पहला माध्यम बनते जा रहे हैं। अकेलापन, चिंता, तनाव, अवसाद, रिश्तों की उलझन या भावनात्मक संकट के क्षणों में कई लोग पहले किसी चिकित्सक के पास जाने के बजाय एआई से बातचीत करना पसंद कर रहे हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अभी भी असमान है, एआई तकनीक एक नई संभावना प्रस्तुत करती है। हालांकि, यह समझना आवश्यक है कि एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने का माध्यम हो सकता है, उनका विकल्प नहीं। मानसिक स्वास्थ्य में एआई की भूमिका बढ़ने वाली है। *- प्रकाश पटेल, रायगढ़*

ट्रेंड

टूलकिट बने राहुल



राहुल गांधी उन ताकतों की एक टूलकिट है, जिन्होंने नेपाल और अन्य पड़ोसी देशों में अशांति पैदा की। वह उन ताकतों का नेतृत्व कर रहे है, जो पूरे देश में अराजकता लाना चाहता है। उनके पास कोई विजन नहीं है। **-नितिन नवीन,** भाजपा अध्यक्ष

मोदीजी झूठ बोलना बंद करें



मोदीजी इस देश से झूठ बोलना बंद कीजिए आप विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने हुए हैं। मै आपको इस मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती देता हूं। कोई भी मंच किसी भी समय हिम्मत है तो सामने आइये। **-राहुल गांधी,** नेता विपक्ष

'डबल इंजन' ने धोखा दिया



उत्तराखंड में भाजपा की डबल इंजन सरकार के प्रदेश की जनता की उम्मीदों और आकांक्षाओं को छलने का काम किया है। ध्वस्त कानून-व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल, सत्ता का अहंकार और जवाबदेही से लगातार पल्ला झाड़ने की प्रवृत्ति ने प्रदेश की जनता को निराश किया है। **-मल्लिकार्जुन खड़गे,** कांग्रेस अध्यक्ष

एक्सपोज हुई आप



आम आदमी पार्टी जनता के सामने एक्सपोज हो चुकी है। पंजाब में भाजपा के पक्ष में एक अंडरकरंट है और आम आदमी पार्टी के खिलाफ बहुत मजबूत सत्ता विरोधी लहर (एंटी इनकंबेंसी) है। इसी वजह से आप के नेता भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर हमारी पार्टी से जुड़ रहे हैं। **-सतीश पूनिया,** भाजपा के पंजाब प्रभारी

करंट अफेयर

पाक में पोलियो टीकाकरण के लिए 8 हजार पुलिसकर्मी तैनात



पाकिस्तान के कराची शहर में एक सप्ताह तक चलने वाले पोलियो रोधी अभियान के दौरान टीकाकरण दलों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए 8,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। दो से आठ नवंबर तक चलने वाला यह अभियान पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में भी शुरू किया गया है। इनमें बलूचिस्तान प्रांत भी शामिल है, जहां 31 जिलों में टीकाकरण दल कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच काम कर रहे हैं। यह घटनाक्रम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के खैबर जिले में पोलियो का एक नया मामला सामने आने की राष्ट्रीय पोलियो उन्मूलन आपातकालीन संचालन केंद्र द्वारा पुष्टि किए जाने के एक दिन बाद हुआ है। कराची के आयुक्त सैयद हसन नकवी ने कहा कि टीकाकरण दलों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है, क्योंकि पूर्व में टीकाकरण अभियानों के दौरान सुरक्षा संबंधी घटनाएं और हमले हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं तथा सुरक्षा मजबूत करने के लिए औचक जांच के साथ मोटरसाइकिल से गश्त भी बढ़ा दी गई है। पाकिस्तान में पोलियो रोधी टीकाकरण अभियान अक्सर हिंसा की घटनाओं से प्रभावित होते रहे हैं।

ऑफ बीट

मंगल के 4.1 अरब साल पुराने उल्कापिंड का रहस्य किया उजागर



नासा ने मंगल ग्रह पर 13 ऐसी जगहों का पता लगाया है, जहां से तेघाजा 001 उल्कापिंड आया हो सकता है। यह पत्थर माली के सहारा रेगिस्तान में 2022 में मिला था और यह करीब 4.1 अरब साल पुराना है। इसी वजह से यह पृथ्वी पर मिले मंगल के सबसे पुराने उल्कापिंडों में से एक है। वैज्ञानिकों ने मंगल ऑर्बिटर से मिले डाटा की मदद से इसके खनिजों का मिलान मंगल ग्रह के उन क्षेत्रों से किया है, जो ज्यादातर प्राचीन दक्षिणी उच्चभूमि (हाइलैंड्स) में आते हैं। मंगल की दक्षिणी उच्चभूमि सबसे पुरानी जमीनों में से एक है, जिसमें ग्रह के शुरुआती दिनों के अहम सुराग छिपे हैं। तेघाजा 001 में मिले अजीब ज्वालामुखी खनिज ये संकेत देते हैं कि यह मंगल के ऐसे हिस्से से आया है, जिसके नमूने हमने पहले कभी नहीं लिए हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि एक एस्ट्रोयड के टकराने से यह मंगल से उछलकर पृथ्वी तक अपनी लंबी यात्रा पर आया होगा। हालांकि, यह किस खास क्षेत्र से आया था, यह अभी भी एक रहस्य है, जिसे वे सुलझाने की उम्मीद कर रहे हैं।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

राहत वितरण में न हो देरी, प्रभावित राज्यों के साथ काम करेगा कृषि मंत्रालयः चौहान

केंद्रीय मंत्री चौहान ने की देश में कृषि क्षेत्र के हालातों की समीक्षा, किसानों को हरसंभव मदद के दिए निर्देश

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार कृषि मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ देशभर में खरीफ फसलों की कटाई, मौजूदा मौसमी परिस्थितियों और रबी सत्र की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में देश के विभिन्न हिस्सों में सूखे, चक्रवाती प्रभाव और अनियमित वर्षा से उत्पन्न परिस्थितियों पर विचार-विमर्श करते हुए किसानों के हित में ठोस रणनीति बनाने के लिए निर्देशित करने के साथ ही कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि संकट के समय किसानों के प्रति पूरी संवेदनशीलता बरती जाए और राहत कार्यों में प्रक्रियात्मक देरी बिल्कुल न हो। बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव अतीश चंद्रा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

- रबी फसलों के लिए खाद और अच्छे बीज का पुख्ता रोडमैप तैयार
- केंद्रीय कृषि मंत्री हर हफ्ते कर रहे हैं स्थिति की समीक्षा



जलवायु अनुकूल और गर्मी रोधी उन्नत बीज किसानों तक पहुंचाएं

समीक्षा बैठक के दौरान बताया गया कि देशभर में खरीफ फसलों की कटाई का काम चल रहा है। मूंग और सोयाबीन जैसी प्रमुख फसलों की कटाई अंतिम चरण में है। कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि कटाई के तुरंत बाद खेतों में उपलब्ध नमी का अधिकतम उपयोग करते हुए रबी फसलों की बुआई को गति दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में सिंचाई के पानी की सीमित उपलब्धता है, वहां किसानों को चना, सरसों, मसूर और मोटे अनाज जैसी कम पानी और कम लागत वाली फसलों के लिए प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही, तापमान के उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिकों द्वारा विकसित जलवायु अनुकूल और गर्मी रोधी उन्नत बीज किसानों तक पहुंचाए जाएं।

सभी उर्वरकों और बीजों का पर्याप्त स्टॉक

चौहान ने देश में खाद एवं उर्वरकों की स्थिति का भी जायजा लिया। समीक्षा में पाया गया कि रबी सत्र के लिए यूरिया, डीएपी, एमओपी और एनपीके सहित सभी जरूरी उर्वरकों और प्रमाणित बीजों का देश में पर्याप्त और मजबूत स्टॉक उपलब्ध है। किसानों को बुआई के समय किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए राज्यों के साथ समन्वय बनाकर जिला स्तर तक आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। मंडियों के विश्लेषण में यह सकारात्मक तथ्य भी सामने आया कि धान, गेहूं, मक्का, चना, मसूर, अरहर, सोयाबीन और सरसों जैसी प्रमुख फसलों के दाम किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य से काफी ऊपर मिल रहे हैं जिससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर और लाभकारी मूल्य प्राप्त हो रहा है।

बीमा के दावों का भुगतान जल्द कराएं

चौहान ने कहा कि चाहे वह अत्यधिक वर्षा और बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र हों या फिर कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे सूखे से जूझ रहे राज्य, पीएम मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में केंद्र सरकार हर किसान के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षति के त्वरित आकलन और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के दावों का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर करें।

मणिपुर की जातीय हिंसा, उत्तराखंड में भर्ती घोटालों, अंकिता भंडारी प्रकरण और मंदिरों के चढ़ावे का मुद्दा बनेगा बड़ा चुनावी हथियार

खरगे-राहुल ने मणिपुर और उत्तराखंड के नेताओं के साथ बनाई चुनावी रणनीति

केसी वेणुगोपाल ने भाजपा सरकारों पर लगाया कुशासन, भ्रष्टाचार और जमीनों को कॉरपोरेट के हवाले करने का आरोप

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के रामलीला मैदान में एक नवंबर को आयोजित विपक्षी गठबंधन की बड़ी रैली के बाद कांग्रेस ने अब 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियां तेज कर दी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को नई दिल्ली में मणिपुर और उत्तराखंड के पार्टी नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें कर दोनों राज्यों की राजनीतिक स्थिति, संगठनात्मक तैयारियों और आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति पर चर्चा की।

कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने इन बैठकों के बाद भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि मणिपुर और उत्तराखंड में जनता के बीच भाजपा सरकारों के खिलाफ व्यापक असंतोष है। उन्होंने कहा कि रामलीला मैदान में उमड़ा आक्रोश तो केवल एक झलक थी। दोनों राज्यों में भाजपा का कथित 'ट्रबल इंजन मॉडल' नफरत, भ्रष्टाचार, जमीनों पर कब्जे और कुशासन का प्रतीक बन गया है।

वेणुगोपाल ने विश्वास जताया कि 2027 के विधानसभा चुनावों में दोनों राज्यों की जनता भाजपा को सत्ता से बाहर कर कांग्रेस को भारी बहुमत से सरकार बनाने का अवसर देगी। हालांकि, यह कांग्रेस नेतृत्व का राजनीतिक दावा और चुनावी आकलन है, न कि अभी तक किसी चुनावी परिणाम का संकेत।

मणिपुर पर विशेष चर्चा, उत्तराखंड में चुनावी मोर्चेबंदी

मणिपुर की बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ओ. इबोबी सिंह, कांग्रेस विधायक दल के नेता के. मेघचंद्र सिंह, एआईसीसी प्रभारी सप्तगिरी शंकर उलाका और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में राज्य की कानून-व्यवस्था, लगातार जारी हिंसा, विस्थापन, सुरक्षा और सामान्य स्थिति बहाल करने की चुनौती पर चर्चा हुई।



इसके साथ ही 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए संगठन की तैयारियों और राजनीतिक रणनीति की समीक्षा भी की गई।

मणिपुर में मई 2023 से शुरू हुआ मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष राज्य की राजनीति का सबसे गंभीर मुद्दा बना हुआ है। हिंसा के कारण सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों परिवार विस्थापित हुए हैं। एक नवंबर 2026 को भी राज्य में हिंसा की नई घटनाओं में पांच कुकी लोगों की मौत की खबर सामने आई। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दो अलग-अलग घटनाओं में ये मौतें हुईं। इससे स्पष्ट है कि राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करना अब भी बड़ी चुनौती है।

कांग्रेस इस मुद्दे पर केंद्र और राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों को लगातार घेर रही है। पार्टी का आरोप है कि सरकार जातीय संघर्ष को समाप्त करने और दोनों समुदायों के बीच विश्वास बहाली में विफल रही है। कांग्रेस नेतृत्व ने बैठक में शांति, सुरक्षा और जवाबदेह शासन को अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं में शामिल करने पर जोर दिया।

मणिपुर में 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे भी कांग्रेस के लिए उत्साह बढ़ाने वाले रहे थे। राज्य की दोनों लोकसभा सीटों-इनर मणिपुर और आउटर मणिपुर पर कांग्रेस उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की थी। इनर मणिपुर से अंगोमचा बिमोल अकोइजाम और आउटर मणिपुर से अल्फ्रेड कांगम आर्थर निर्वाचित हुए थे। कांग्रेस इन नतीजों को राज्य में भाजपा के खिलाफ जनमत के संकेत के तौर पर पेश कर रही है।

उत्तराखंड में मंदिरों, जमीन और युवाओं के मुद्दे पर भाजपा को घेरने की तैयारी

उत्तराखंड को लेकर कांग्रेस की रणनीति में धार्मिक आस्था, भ्रष्टाचार, रोजगार, महिला सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों को प्रमुखता दी गई है। केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि भाजपा ने देवभूमि की धार्मिक आस्था को भी नहीं छोड़ा है। अयोध्या समेत देश के विभिन्न हिस्सों में मंदिरों के चढ़ावे और धन के नाम पर कथित अनियमितताओं का जिक्र करते हुए उन्होंने उत्तराखंड में भी 'चंदा चोरी' का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि मंदिरों के साथ-साथ उत्तराखंड के विशाल पर्वतीय क्षेत्रों को भी कॉरपोरेट घरानों के हवाले किया जा रहा है। प्रकृति की ओर से बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद पहाड़ों के पर्यावरण और पारिस्थितिकी के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। यह आरोप उत्तराखंड में विकास परियोजनाओं, भूमि उपयोग, पहाड़ों की संवेदनशीलता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर चल रही बहस के बीच आया है। हालांकि, कांग्रेस के बयान में मंदिरों के चढ़ावे की कथित चोरी या कॉरपोरेट घरानों को जमीन सौंपने के विशिष्ट मामलों और दस्तावेजों का विवरण नहीं दिया गया है।

पेपर लीक से लेकर अंकिता भंडारी हत्याकांड तक, महिला और युवा वोटरों पर नजर

उत्तराखंड में कांग्रेस भाजपा को घेरने के लिए युवाओं और महिलाओं से जुड़े मुद्दों को भी चुनावी अभियान के केंद्र में रखने जा रही है। वेणुगोपाल ने सरकारी भर्तियों में पेपर लीक और अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय को लेकर उठ रहे सवालों को भाजपा सरकार की विफलता बताया।

उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की स्नातक स्तरीय भर्ती परीक्षा में 21 सितंबर 2025 को प्रश्नपत्र के कुछ पन्ने लीक होने का मामला सामने आया था। हरिद्वार के एक परीक्षा केंद्र से प्रश्नपत्र के तीन पन्ने बाहर आने के बाद राज्य में युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई और सरकार ने परीक्षा रद्द कर दोबारा परीक्षा कराने का फैसला किया।

इस प्रकरण में अगस्त 2026 में देहरादून की विशेष सीबीआई अदालत ने तीन आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त आधार पाया। इसके अलावा 2016 और 2021 की भर्ती परीक्षाओं से जुड़े पुराने पेपर लीक मामलों में प्रवर्तन निदेशालय ने अगस्त 2026 में 63.30 लाख रुपये की संपत्ति भी कुर्क की थी।

अंकिता भंडारी हत्याकांड भी कांग्रेस के चुनावी अभियान का महत्वपूर्ण मुद्दा बनता दिखाई दे रहा है। सितंबर 2022 में ऋषिकेश के वनंतरा रिजॉर्ट में काम करने वाली 19 वर्षीय अंकिता की हत्या ने पूरे उत्तराखंड को झकझोर दिया था। इस मामले में रिजॉर्ट संचालक पुलकित आर्य सहित तीन आरोपियों को 30 मई 2025 को अदालत ने दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

हालांकि, इस मामले में कथित वीआईपी की भूमिका को लेकर उठे सवाल अब भी राजनीतिक विवाद का विषय बने हुए हैं। जनवरी 2026 में सरकार ने वीआईपी से जुड़े आरोपों की जांच सीबीआई से कराने का निर्णय लिया था। कांग्रेस का आरोप है कि इस मामले में महिलाओं को न्याय और जवाबदेही का भरोसा दिलाने में सरकार नाकाम रही है। पार्टी इस मुद्दे को महिला सुरक्षा और शासन की जवाबदेही से जोड़कर जनता के बीच ले जाने की तैयारी में है।

उत्तराखंड कांग्रेस की बैठक में कौन-कौन रहा शामिल

खरगे के आवास पर हुई बैठक में राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल के अलावा उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा, प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह और चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरक सिंह रावत सहित अन्य नेता शामिल हुए। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की अनुपस्थिति भी चर्चा में रही। हालांकि प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने इसे सामान्य बताते हुए कहा कि बैठक प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों और महत्वपूर्ण समितियों के प्रमुखों के साथ बुलाई गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी बैठकों में हरीश रावत भी शामिल होंगे।

पीएम मोदी ने किया चार दिवसीय समिट का उद्घाटन

छग में होगा 5.60 लाख करोड़ का निवेश, 2030 तक 15 हजार मेगावाट ग्रीन एनर्जी बनाएंगे

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भारत के ऊर्जा भविष्य को नई दिशा देने वाले वैश्विक मंच भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो-2026 में छत्तीसगढ़ ने अपनी निवेश क्षमता और महत्वाकांक्षी ऊर्जा योजनाओं के साथ मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। पीएम मोदी ने भारत मंडपम में चार दिवसीय समिट का उद्घाटन किया। इसके बाद मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों की उच्चस्तरीय राउंड टेबल बैठक में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ का ऊर्जा विजन प्रस्तुत करते हुए अगले पांच वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में 5.60 लाख करोड़ रुपये के निवेश की रूपरेखा साझा की। उन्होंने निवेशकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को राज्य में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी तथा केंद्रीय विद्युत एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्री श्रीपाद येसो नाइक भी उपस्थित रहे। सीएम साय ने बताया कि इस निवेश में 23,923 मेगावाट क्षमता की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 1 लाख 33 करोड़ रुपये तथा अतिरिक्त ताप विद्युत क्षमता विकसित करने के लिए लगभग 3.27 लाख करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। राज्य का लक्ष्य वर्ष 2030 तक हरित ऊर्जा क्षमता को वर्तमान लगभग 3,000 मेगावाट से बढ़ाकर 15,000 मेगावाट करना है। बिजली की कुल मांग में हरित ऊर्जा की हिस्सेदारी मौजूदा लगभग 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 45 प्रतिशत से अधिक करने की योजना है। राज्य में 28 हजार मेगावाट से अधिक क्षमता के कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र पहले से स्थापित हैं। ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए सौर, जलविद्युत, बायोमास और ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं का संतुलित विस्तार किया जाएगा।



130 से अधिक देशों के वैश्विक ऊर्जा समिट में छत्तीसगढ़ की दमदार मौजूदगी

पंप स्टोरेज, बैटरी और सौर ऊर्जा में बड़े अवसर

राज्य में 12,300 मेगावाट क्षमता की 10 पंप स्टोरेज जलविद्युत परियोजनाएं चिह्नित की गई हैं, जिनमें लगभग 65 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। आगामी दो वर्षों में 10,000 मेगावाट-घंटा क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियां स्थापित करने की योजना है। राजनांदगांव में 100 मेगावाट सौर परियोजना के साथ 40 मेगावाट/ 120 मेगावाट-घंटा की बैटरी भंडारण प्रणाली पहले से संचालित है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत लगभग 1.26 लाख सौर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। राज्य में 1.66 लाख सोलर सिंचाई पंपों से करीब 1.94 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई हो रही है। वहीं, प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत 395 मेगावाट क्षमता के सौर संयंत्र स्थापित करने की योजना है।

बायोगैस, एथेनॉल और परमाणु ऊर्जा पर भी नजर

मुख्यमंत्री ने कृषि अपशिष्ट, गोबर और अन्य जैव संसाधनों के उपयोग से कंप्रेस्ड बायोगैस, बायो-एथेनॉल और ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की संभावनाओं को खांकित किया। राज्य में 80 मीट्रिक टन क्षमता के आठ कंप्रेस्ड बायोगैस संयंत्रों की स्थापना पर काम जारी है, जिनमें 800 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। निजी निवेशकों के करीब 6,000 करोड़ के प्रस्तावों पर काम जारी है। करीब 4,200 मेगावाट क्षमता के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों सहित अन्य के लिए 1.60 लाख करोड़ का निवेश होगा।

सुधांशु का इंडिया गठबंधन पर हमला

राहुल लोकतंत्र के लिए चुनौती भारत की तरक्की से खुश नहीं



एजेंसी ⏭ भुवनेश्वर

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने भुवनेश्वर में विपक्ष पर निशाना साधे हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी, भारत के लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गए हैं। राहुल गांधी ने एक गलत नैरेटिव फैलाने की कोशिश की है, जिसमें वे दावा करते हैं कि 'सत्ता-विरोधी लहर' चल रही है और उनकी पार्टी सत्ता में वापसी नहीं कर पा रही है। मैं उन्हें याद दिलाना चाहूंगा राहुल, आप केवल अराजकता फैला रहे हैं, लेकिन ठोस और वास्तविक तथ्य क्या कहते हैं? पिछले पच्चीस वर्षों से ओडिशा में कांग्रेस का एक भी सीएम नहीं रहा है। 1995 से कांग्रेस गुजरात से नदारद हैं।

मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि इस समय पूरी दुनिया उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भाजपा और एनडीए सरकार के साथ, भारत इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद सबसे बेहतर स्थिति में आगे बढ़ रहा है। हम दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहे हैं। परसों ही, विश्व बैंक ने अपनी 2025 की रिपोर्ट में भारत की तारीफ करते हुए कहा कि भारत सरकार ने पिछले 12-13 वर्षों में लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में सफलता हासिल की है। 2011-12 में जहां 27 प्रतिशत लोग अत्यधिक गरीबी रेखा के नीचे थे। अब यह घटकर केवल 2.6 प्रतिशत रह गया है। 2011-12 में जहां 57% लोग प्रतिदिन 4.2 डॉलर से कम कमाते थे आज केवल 16 प्रतिशत लोग हैं।

कांग्रेस अपने कर्मों के कारण हारीः पात्रा

वाराणसी। भाजपा के सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता ने संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस अपने कर्मों से हारी है। कांग्रेस के 2014 से 19 फरवरी 2025 तक कांग्रेस 56 चुनाव हार चुकी है। हम इसे 56 टिकुली कहते हैं। यही 56 टिकुली माथे पर लगा कर राहुल गांधी और कांग्रेस घूम रही है।

आईडीबीआई बैंक की बिक्री प्रक्रिया तुरंत रोके सरकार, जेपीसी से हो पूरे मामले की जांच, कांग्रेस का जोरदार प्रहार

गोहिल बोले- आईडीबीआई बैंक को विदेशी कंपनी फेयरफैक्स के हाथों बेचने में मोदी सरकार कर रही बड़ा घोटाला

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस ने आईडीबीआई बैंक को विदेशी कंपनी फेयरफैक्स के हाथों बेचने में मोदी सरकार पर घोटाले का आरोप लगाते हुए पूरी बिक्री प्रक्रिया तत्काल रोकने और मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग की है। पार्टी ने कहा है कि कनाडा की फेयरफैक्स कंपनी आईडीबीआई बैंक को खरीदने के लिए उसी बैंक के पैसे का इस्तेमाल कर रही है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि आईडीबीआई बैंक को खरीदने के लिए फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स की ओर से बताया गया है कि शुरुआती भुगतान उसके द्वारा किया जाएगा और बाकी रकम आईडीबीआई बैंक के पास मौजूद पूंजी से ही जुटाई जाएगी। उन्होंने फेयरफैक्स के चेयरमैन प्रेम वत्स को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करीबी बताया और कहा कि उन्हें फायदा पहुंचाने के लिए देश का एक महत्वपूर्ण बैंक बेचा जा रहा है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार और एलआईसी मिलकर आईडीबीआई बैंक में अपनी कुल 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बेच रहे हैं। इस हिस्सेदारी को 52,878 करोड़ रुपये में फेयरफैक्स कंपनी को बेचकर सरकार बैंक का पूरा नियंत्रण उसे सौंप रही है और सार्वजनिक उपक्रम का दर्जा खत्म कर रही है।



आईडीबीआई बैंक लगातार मुनाफा कमा रहा

गोहिल ने कहा कि आईडीबीआई बैंक घाटे में नहीं है, बल्कि लगातार मुनाफा कमाने वाली संस्था है। बैंक ने 2021 से 2026 तक कुल 30,105 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। प्रति कर्मचारी मुनाफे के मामले में भी आईडीबीआई प्रमुख बैंकों में आगे है। उन्होंने बताया कि बैंक के पास देश के प्रमुख शहरों में 29 कीमती संपत्तियां भी हैं, जो इस सौदे के तहत विदेशी कंपनी के हाथों में चली जाएंगी।

दूसरे वैल्यूएशन में कीमत घटाकर 75 की, पहले थी 94.42 रुपये

कांग्रेस नेता ने बैंक के शेयरों के मूल्यांकन की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि पहले वैल्यूएशन में एक शेयर की कीमत 94.42 रुपये तय की गई थी, लेकिन बोली खुलने के बाद पुराने मूल्यांकन को खारिज कर दोबारा वैल्यूएशन कराया गया और कीमत घटाकर 75 रुपये कर दी गई। उन्होंने पूछा कि जब टेंडर खुलने के बाद मूल्यांकन बदलना नियमों के सरासर खिलाफ है, तो आखिर किसके कहने पर ऐसा किया गया? उन्होंने कहा कि बैंक से जुड़े आयकर विवादों के निपटारे को लेकर खरीदार को दी गई रियायतों की जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा रही है और सरकार दूसरे बोलीदाता की पहचान भी उजागर नहीं कर रही है।

बैंक को बेचा ही नहीं जा सकता

कांग्रेस नेता ने जोर देकर कहा कि इस बैंक को बेचा ही नहीं जा सकता है। उन्होंने 2003 में तत्कालीन वित्त मंत्री जसवंत सिंह के संसद में दिए गए वक्तव्य का हवाला देते हुए कहा कि उस समय सरकार ने स्पष्ट किया था कि आईडीबीआई में सरकारी हिस्सेदारी 51 प्रतिशत से कम नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अब भाजपा सरकार अपना वादा तोड़कर बैंक को बेचने पर तुली है। उन्होंने बताया कि संसद की वित्त संबंधी स्थायी समिति ने भी सिफारिश की थी कि आईडीबीआई बैंक में सरकार की हिस्सेदारी कभी भी 51 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए।

लोगों की नौकरियां खत्म हो जाएंगी

गोहिल ने कहा कि बैंक के निजीकरण से छोटे कारीगरों, लघु उद्योगों व एमएसएमई क्षेत्र को मिलने वाली वित्तीय सहायता और जनधन योजना जैसी सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावित हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि बैंक के विदेशी कंपनी के हाथ में जाने से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजनों और महिलाओं के लिए आरक्षित नौकरियां खत्म हो जाएंगी। कांग्रेस नेता ने आगे बताया कि इस निर्णय के विरोध में हड़ताल पर जा रहे बैंक कर्मचारियों को डराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बहुत पहले ही बैंक कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात के बाद मांग की थी कि आईडीबीआई को किसी विदेशी कंपनी को न बेचा जाए।

मूल्यांकन रिपोर्ट सार्वजनिक करें

गोहिल ने केंद्र सरकार से बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया तत्काल रोकने, पूरे मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति गठित करने और दोनों मूल्यांकन रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने बोली खुलने के बाद दोबारा मूल्यांकन कराने के कारणों का खुलासा करने और आयकर विवादों के निपटारे में खरीदार को दी गई रियायतों की जानकारी सार्वजनिक करने की भी मांग की। उन्होंने दूसरे बोलीदाता का नाम सार्वजनिक करने को कहा और सवाल किया कि फेयरफैक्स की ओर से जुटाई जा रही रकम के स्रोत की जानकारी सार्वजनिक करें।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **संजय पुत्र हरि सिंह निवासी मकान नं. 126, गली नं. 7, नाला रोड, महालक्ष्मी विहार, करावल नगर, दिल्ली** ने **FIR No. 611/2021 U/S 33D Ex Act,** अन्तर्गत थाना **करावल नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **संजय** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **संजय** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये खुद को छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोशणा की जाती है कि **FIR No. 611/2021 U/S 33D Ex Act, अन्तर्गत थाना करावल नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **संजय** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.12.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
इसरा जैदी
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–04
उत्तर–पूर्व, कमरा नंबर 64
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/15505/NE/2026(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्ता **मेसर्स रजनी, डब्ल्यू/डी/सी/ओ फूल चंद, निवासीः ए–45–ई ब्लॉक, पीरा गढ़ी कैंप, पीरा गढ़ी, पुलिस चौकी के पास, शकूर बस्ती डिपो, उत्तर पश्चिम, दिल्ली** ने **Reg No.: 2250/2024, U/s: 25 PASA Act, पुलिस थाना मौर्य एन्क्लेव, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि अभियुक्ता **रजनी** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि अभियुक्ता **रजनी** फरार हो गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना मौर्य एन्क्लेव, दिल्ली** के अभियुक्ता **रजनी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 18.12.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री संयम जैन
जेएमएफसी–04, उत्तर पश्चिम, कमरा नंबर 112,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/15821/NW/2026

खबर संक्षेप

प्रिज्म का लाभ 17 प्रतिशत बढ़कर 353 करोड़ रुपये



नई दिल्ली। आतिथ्य सेवा प्रदाता ओयो की मूल कंपनी प्रिज्म का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 353 करोड़ रुपये हो गया। अपना आईपीओ लाने की तैयारी में जुटी कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 301 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

यूरेका फोर्ब्स का लाभ 17.8% बढ़कर 74 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। स्वास्थ्य और स्वच्छता उत्पाद क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी यूरेका फोर्ब्स लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की जुलाई-सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 17.76 प्रतिशत बढ़कर 74.09 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी के जल शुद्धिकरण कारोबार के बेहतर प्रदर्शन से लाभ में वृद्धि हुई।

रुपया 10 पैसे टूटकर 94.86 प्रति डॉलर पर

मुंबई। विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर में मजबूती के बीच रुपया सोमवार को 10 पैसे टूटकर 94.86 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि पिछले कुछ कारोबारी सत्रों में डॉलर के मुकाबले तेज सुधार के बाद रुपये में निकट अवधि में स्थिरता के संकेत दिख रहे हैं। हालांकि, घरेलू शेयर बाजार में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने रुपये की गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.90 प्रति डॉलर पर कमजोर खुला। कारोबार के दौरान यह और टूटकर 95.04 के निचले स्तर तक पहुंच गया।

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने एचएसबीसी के कार्यक्रम में कहा

निजी निवेश बढ़ने तक पूंजीगत व्यय के जरिए वृद्धि को समर्थन देती रहेगी सरकार

सरकार राजकोषीय अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है

खर्च के मामले में सरकार संतुलन बनाए रखेगी

निजी क्षेत्र विस्तार पर जब तक निवेश नहीं करते सरकार पूंजीगत व्यय जारी रखेगी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि निजी क्षेत्र का निवेश बढ़ने तक सरकार पूंजीगत व्यय के जरिये आर्थिक वृद्धि को समर्थन देना जारी रखेगी।

सीतारमण ने यहां एचएसबीसी की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि सरकार राजकोषीय अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए पूंजीगत व्यय जारी रखने के साथ खर्च के मामले में संतुलन बनाए रखेगी। सीतारमण ने कहा, ''पूंजीगत व्यय हमारी वृद्धि रणनीति का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब तक निजी क्षेत्र क्षमता विस्तार या नई क्षमता स्थापित करने के लिए निवेश नहीं करता, तब तक सरकार के लिए पूंजीगत व्यय को जारी रखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पिछले चार-पांच वर्षों में इस रणनीति के अच्छे नतीजे देखने को मिले हैं और इससे अर्थव्यवस्था को लाभ हुआ है।

देश में निराशावाद कम होना चाहिए

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कभी-कभी जानकार लोग भी संदेह जताते हैं, लेकिन देश को इस भाषा में बदलाव लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''भारत को बहुत आशावाद की जरूरत है। देश में आशावादी बातचीत बढ़नी चाहिए और निराशावाद कम होना चाहिए। हमें यह जताना होगा कि हमें खुद पर भरोसा है।'



हाईवेयर का प्रशिक्षण देने का सुझाव

सीतारमण ने एआई और सूचना प्रौद्योगिकी के साथ हार्डवेयर का प्रशिक्षण देने वाली प्रयोगशालाएं स्थापित करने का सुझाव दिया। उन्होंने दो साल पहले आईटीआई के पुनरुद्धार के लिए बजट में की गई पहल का जिक्र करते हुए कहा कि इसे अपनाने वाले राज्यों को काफी लाभ हुआ है। उन्होंने बताया कि असम और ओडिशा ने सिंगापुर सरकार के साथ मिलकर वहां की सरकार से प्रमाणित प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं। इन कार्यक्रमों के तहत एक बैच सिंगापुर भी जा चुका

वृद्धि दर सात फीसदी से अधिक रहने का उल्लेख

सीतारमण ने अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सात प्रतिशत से अधिक बने रहने का उल्लेख करते हुए भारतीयों से देश के बारे में पूरे भरोसे के साथ बात करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था में कोई कमजोरी नहीं है और जमीनी स्तर पर गतिविधियां मजबूत हैं। सीतारमण ने कहा कि मजबूत जीएसटी संग्रह और भारतीय बैंकों की स्थिति अर्थव्यवस्था की बुनियादी मजबूती को दर्शाती है।

वृद्धि दर की रफ्तार कमजोर नहीं पड़नी चाहिए

सरकार इस दिशा में आगे भी काम करती रहेगी, क्योंकि भारत की वृद्धि की रफ्तार किसी भी सूरत में कमजोर नहीं पड़नी चाहिए। वित्त मंत्री ने राजकोषीय अनुशासन को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि वृद्धि को प्रोत्साहित करने और खर्च जारी रखने के लिए विवेकपूर्ण होने के साथ नए तरीके भी अपनाने होंगे।

सफल रक्तदान शिविर, निःस्वार्थ मानव सेवा का एक प्रेरणादायक उत्सव



नई दिल्ली। भगवानश्री सत्य साईं बाबा की असीम कृपा एवं आशीर्वाद तथा हमारे समर्पित सेवादल बंधुओं एवं बहनों के अथक प्रयासों और सहयोग से, श्री सत्य साईं सेवा संगठन, दिल्ली-एनसीआर, जिला पश्चिम द्वारा प्रशांति धाम, द्वारका में एम्स, नई दिल्ली के सौजन्य से आयोजित रक्तदान शिविर आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस शिविर में कुल 90 रक्तदाता पहुँचे, जिनमें से एम्स की गहन चिकित्सकीय जाँच के उपरांत 45 सफल रक्तदान संपन्न हुए।एम्स सीएनसी के 13 डॉक्टरों एवं तकनीशियनों की समर्पित टीम, जिसका नेतृत्व सीनियर रेजिडेंट डॉ. प्रज्ञा भारद्वाज ने किया, ने पूरी दक्षता एवं कुशलता के साथ रक्तदान की प्रक्रिया संपन्न कराई।पिछले एक सप्ताह से लगातार रक्तदाताओं से संपर्क एवं प्रचार अभियान में जुटे सभी सेवादल बंधुओं एवं बहनों, जिला पश्चिम के सभी समिति संयोजकों, सेवा एवं आध्यात्मिक समन्वयकों, स्वयंसेवकों तथा इस पुनीत कार्य में योगदान देने वाले सभी रक्तदाताओं का हृदय की गहराइयों से आभार एवं धन्यवाद।

दीपावली एवं छठ के अवसर पर दिल्ली क्षेत्र में पार्सल यातायात पर अस्थायी प्रतिबंध

नई दिल्ली। सभी संबंधित लोगों को सूचित किया जाता है कि आगामी दिवाली और छठ त्योहारों के दौरान यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, नई दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल और दिल्ली जंक्शन रेलवे स्टेशनों पर 03.11.2026 से 15.11.2026 तक विभागीय बुकिंग पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही, 05.11.2026 से 15.11.2026 तक सभी प्रकार के पार्सल (जिसमें लीज्ड एसएलआर, लीज्ड वीपी, डिमांड वीपी और एडवांस वीपी शामिल हैं) की लोडिंग/अनलोडिंग पर भी प्रतिबंध रहेगा। हालांकि, आनंद विहार टर्मिनल रेलवे स्टेशन की वाशिंग लाइन और स्टेबलिंग लाइन से होने वाली लोडिंग/अनलोडिंग इस पूरी अवधि के दौरान जारी रहेगी। हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर 05.11.2026 से 08.11.2026 तक विभागीय बुकिंग और सभी प्रकार के पार्सल (जिसमें लीज्ड एसएलआर, लीज्ड वीपी, डिमांड वीपी और एडवांस वीपी शामिल हैं) की लोडिंग/अनलोडिंग पर प्रतिबंध रहेगा। हालांकि, हजरत निजामुद्दीन वीपी साइडिंग से होने वाली लोडिंग/अनलोडिंग इस पूरी अवधि के दौरान जारी रहेगी। यात्रियों को अपना निजी सामान केवल यात्री कोचों में ले जाने की अनुमति होगी। सार्वजनिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, पंजीकृत समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की बुकिंग की अनुमति दी जाएगी।

■ बीएसई सेंसेक्स 1.66 प्रतिशत चढ़कर 75,692 .78 अंक पर बंद हुआ

सेंसेक्स 1,233 अंक चढ़ा निफ्टी 388 अंक मजबूत

मुंबई (भाषा)। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी आई। कच्चे तेल के दाम में नरमी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में जोरदार लिवाली से मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 1,233 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 23,400 अंक के पार पहुंच गया। विदेशी निवेशकों के पूंजी प्रवाह और घरेलू अर्थव्यवस्था के सकारात्मक संकेतकों से भी बाजार धारणा मजबूत हुई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,233.25 अंक यानी 1.66 प्रतिशत चढ़कर 75,692.78 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 387.70 अंक यानी 1.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,440.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में 11.64 प्रतिशत की जोरदार तेजी आई। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, कंपनी का लाभ जुलाई-सितंबर तिमाही में 33.8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 29,550 करोड़ रुपये पर रहा। इसके अलावा, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारतीय स्टेट बैंक, एनटीपीसी और मारुति सुजुकी के शेयर में भी तेजी रही। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयर में इन्फोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और सन फार्मा शामिल हैं। बीएसई मिडकैप सिलेक्ट सूचकांक 1.07 प्रतिशत उछला, जबकि स्मॉलकैप सिलेक्ट सूचकांक में 0.67 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

देबेंद्र दलाई ने सीवीओ के रूप में कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। देबेंद्र दलाई, भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के 1999 बैच के प्रतिष्ठित अधिकारी एवं एजीएमयूटी कैडर से संबंधित हैं। उन्होंने 02 नवंबर, 2026 को एनएचपीसी लिमिटेड के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) के रूप में पदभार ग्रहण किया। एनएचपीसी लिमिटेड, भारत की अग्रणी जलविद्युत कंपनी एवं भारत सरकार का नवरत्न उद्यम है। उन्होंने मास्टर ऑफ साइंस (एमएससी) की डिग्री प्राप्त की है और वे सार्वजनिक सेवा में अपने लंबे कार्यकाल के दौरान पारदर्शिता, नीति कार्यान्वयन और संगठनात्मक सत्यनिष्ठा के प्रति लगातार प्रतिबद्ध रहे हैं। एनएचपीसी में सीवीओ के रूप में कार्यभार ग्रहण करने से पहले, श्री दलाई ने अरुणाचल प्रदेश में अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एपीसीसीएफ) के तौर पर काम किया। नोडल अधिकारी, वन (संरक्षण) अधिनियम (एफसीए) के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने एनएचपीसी की सुबनसिरी अपर जलविद्युत परियोजना, दिबांग बहुद्देशीय परियोजना, एटलिन जलविद्युत परियोजना आदि जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी अवसंरचना और विद्युत क्षेत्र के प्रस्तावों का मूल्यांकन करने और उन्हें आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके पेशेवर कैरियर में विभिन्न केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय विभागों में अति प्रभावशाली कार्यकाल भी शामिल हैं। विशेष रूप से, उन्होंने चंडीगढ़ प्रशासन के लिए मुख्य वन संरक्षक और पर्यावरण निदेशक के रूप में कार्य किया, जहां उन्होंने रूफटॉप सौर परियोजना का नेतृत्व करने और प्रमुख पर्यावरणीय पहलों, चंडीगढ़ बर्ड पार्क की स्थापना और चंडीगढ़ प्रदूषण नियंत्रण समिति (सीपीसीसी) के उपाध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, उन्होंने भारतीय सर्वेक्षण के वरिष्ठ उप निदेशक और दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली के लिए सीएफ/सीसीएफ जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सफलतापूर्वक दायित्वों का निर्वहन किया है।



Lost & Found

This Public at large is hereby notify that my client MRS. ALKA BACHLOO W/o SHRI SUDHIR BACHLOO is the absolute and lawful owner of Flat No.25, Aamarpali Apartments, Plot No.56, I.P. Extension, Patparganj, Delhi-110092. That all the original documents of the above said property has been all lost/misplaced by her and it is not traceable by her best efforts and for the same NCR has been filed vide L.R. No.733560/2026, Dated: 19/10/2026.

If anyone found or have any objection/ Claim for any type such as any Loan, Mortgage, Surety, Security etc. over the said property regarding the above said original documents, then contact to the undersigned within 15 days of this Notice. Thereafter no body have any right on the said property.

SAHIL ARORA (ADVOCATE)
Office No.107, First Floor, M.S. Chambers, Aruna Park, Laxmi Nagar, Delhi-110092

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **निखलेश सिंह उर्फ निक्की** पुत्र बाबू सिंह, निवासी मकान नंबर बी–35बी, तिलक विहार, तिलक नगर, नई दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 30/2016 धारा 379/34 भा.द.स., थाना न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **निखलेश सिंह उर्फ निक्की** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **निखलेश सिंह उर्फ निक्की** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 30/2016 धारा 379/34 भा.द.स., थाना न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **निखलेश सिंह उर्फ निक्की** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **04.12.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसारः श्री विनोद जोशी,
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, (दक्षिण–पूर्व)
कमरा सं. 515,
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/15804/NDD/2026

■ सोना बढ़कर 1,42,500 रुपये प्रति 10 ग्राम

दिवाली से पहले सोने की कीमतों में 500 रुपये की तेजी, चांदी रही स्थिर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



दिवाली से पहले आभूषण विक्रेताओं और खुदरा कारोबारियों की ओर से खरीदारी बढ़ने से राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोने की कीमत 500 रुपये बढ़कर 1,42,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। अक्टूबर में भारी गिरावट के बाद दिवाली की मांग से सोने की कीमतों में मामूली सुधार हुआ है। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव शनिवार को 1.42 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी की कीमत 1.86 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही। इसमें सभी कर शामिल हैं। कारोबारियों ने कहा कि त्योहार से पहले आभूषण विक्रेताओं और खुदरा कारोबारियों की खरीदारी बढ़ने से कीमती धातुओं की घरेलू कीमतों को समर्थन मिला।

भारत से पाक को व्यापार बंद होने से 4000 करोड़ डॉलर का नुकसान

एजेंसी ▶▶ लाहौर



पाकिस्तान-भारत व्यापार परिषद (पीआईबीसी) के अध्यक्ष नूर मोहम्मद कसूरी ने सोमवार को दावा किया कि 2019 में पुलवामा आतंकवादी हमले के बाद भारत के साथ व्यापार बंद होने से पाकिस्तान को अबतक करीब 4,000 करोड़ डॉलर का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

- पाकिस्तान-भारत व्यापार परिषद के अध्यक्ष कसूरी का दावा
- दोनों देशों से व्यापारिक संबंध बहाल करने की अपील

कसूरी ने एक बयान में दोनों देशों से व्यापारिक संबंध बहाल करने की अपील करते हुए कहा कि इससे दोनों तरफ के कारोबारियों को लाभ होगा और निवेश, पर्यटन तथा क्षेत्रीय सहयोग के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार बंद होने से पाकिस्तानी कंपनियों को जरूरी कच्चे माल और अन्य वस्तुओं के लिए दूर के बाजारों पर निर्भर होना पड़ा है। इससे परिवहन और माल ढुलाई की लागत बढ़ी है तथा आपूर्ति में भी अधिक समय लग रहा है। पाकिस्तान का दवा उद्योग भारत से मिलने वाले कच्चे माल पर निर्भर था। भारत से आयात बहाल होने पर पाकिस्तान को सालाना 200-300 करोड़ डॉलर की बचत हो सकती है। वहीं, घरेलू कपास उत्पादन घटने से पाकिस्तानी कपड़ा उद्योग को ब्राजील, मिस्र, चीन और अमेरिका से कपास मंगानी पड़ रही है, जिससे करीब 500 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त खर्च हुआ है। पाकिस्तान, भारत से चीनी, उर्वरक, सीमेंट, पेट्रोलियम उत्पाद, लोहा-इस्पात, सब्जियां और भारी मशीनरी भी आयात कर सकता है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/
84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **संजय पुत्र चन्द्र शेखर निवासी सी–303, बेगम विहार, बेगमपुर, दिल्ली ने एफआईआर संख्या 569/2017 धारा 380/411/34 भा.द.स. के तहत** थानाः बैगमपुर, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **संजय** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **संजय** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 569/2017 धारा 380/411/34 भा.द.स. के तहत थाना बैगमपुर, नई दिल्ली के उक्त संजय** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.12.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
अनुराधा प्रसाद
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
उत्तर पश्चिम, कोर्ट नं.101, प्रथम तल,
रोहिणी कोर्ट, नई दिल्ली

DP/15539/RD/2026

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष — धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।

मिथुन — मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

सिंह — नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी।

कन्या — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।

तुला — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।

धनु — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।

मकर — शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कुंभ — भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी।

आईआईटी रोपड़ ने योगिक विज्ञान एवं समग्र विकास केंद्र का उद्घाटन किया

चंडीगढ़। आईआईटी रोपड़ ने आज बुद्धिमत्ता से परेः कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए ज्ञान को परिभाषित करना और मापनानामक श्वेत पत्र का लोकार्पण आयोजित किया। यह श्वेत पत्र बताता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को केवल बुद्धि ही नहीं, बल्कि विवेक की कसौटी पर कैसे परखा जा सकता है। इसका लोकार्पण संस्थान में आयोजित आकार देने एआई माइंड कार्यक्रम में हुआ। इस अवसर पर आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा और स्टैनफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी में निदेशक (शोध) तथा आईआईटी रोपड़ में एडजंक्ट फैकल्टी डॉ. ईशान शिवानंद उपस्थित थे।श्वेत पत्र का लोकार्पण डॉ. ईशान शिवानंद ने किया। वे स्टैनफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी में निदेशक (शोध), आईआईटी रोपड़ में एडजंक्ट फैकल्टी और वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य गठबंधन कम्पैशन यूनाइट्स करुणा एकजुट करती है के संस्थापक हैं। यह पत्र उन्होंने डॉ. अंजलि समानी के साथ मिलकर लिखा है। डॉ. समानी सेल्सफ़ोर्स बिक्री बल में एआई और डेटा साइंस की पूर्व वरिष्ठ अधिकारी हैं। श्वेत पत्र बताता है कि एआई में विवेक को कैसे परिभाषित, मापा और परखा जा सकता है। यह डॉ. शिवानंद के शिव सूत्रों और मन पर भारत के शास्त्रीय ग्रंथों के अध्ययन पर आधारित है।कार्यक्रम में डॉ. ईशान अवधूत शिवानंद योगिक विज्ञान एवं समग्र विकास केंद्र का उद्घाटन भी हुआ। यह केंद्र आईआईटी रोपड़ में स्थापित किया गया है।



शब्द पहेली - 6397

■	1		2		■	3	4		5	■
6		■		■	7			■	8	9
	■	10				■	11	12	■	
13				■	■	14	■	15	16	
	■		■	17	18		19	■	20	
■	21		22	■		■	23	24		■
25		■	26	27			■		■	28
29		30	■		■	■	31			
	■	32	33	■	34				■	
35	36	■	37	38		■		■	39	
■	40				■	41				■

बाएँ से दाएँ
1.बलवान,ताकतवर–4
3.गाल,कपोल(ऊर्दू)–4
6.अनाज, धान–2
7.अवनति–3
8.जीवन तत्व–2
10.पुलिसकर्मी–4
11.भीगा हुआ–2
13.घमंडी,अभिमानी–4
15.दर्शन–3
17.अजदहा,शयालु–4
20.वायु रोग–2
21.दोस्त,सखा–3
23.ख्वाब,स्वप्न–3
25.अपशिष्ट पदार्थ–2
26.जंगल की आग–4
29.पुत्र,लड़का–3
31.पैगंबर,महापुरुष–4
32.राय,वोट–2
34.आफिस,दफ्तर–4
35.वीज,वीर्य–2
37.घर,भवन–3
39.सप्तम–2
40.आक्रमण,हमला–4
41.बलवान,सबल–4

ऊपर से नीचे
1.एक छोटी डबलरोटी–2
2.धर्मेंद्र,जीनत की एक फिल्म जो हीरे की चोरी पर बनी थी–4
3.मौसम,ऋतु–2
4.खोदना–3
5.छुट्टी,अवकाश–2
6.उदास,दुखी–4
7.पंख,पराया–2
9.जहीनता–4
10.आवश्यकता–4
12.अभिमान,गरुर–2
14.अग्नि,अनल–2
16.विदा होना–3
18.कुशल–3
19.फलों का रस–2
21.संगम,मिलना–3
22.वायदा–2
24.हार,मात–4
25.स्वार्थी–4
27.दीवार (अंग्रेजी–2)
28.आदत–4
30.यमराज–2
31.उथल-पुथल–4
33.पदक–3
34.श्रवणेंद्रिय–2
36.जीत,विजय–2
38.छोटी सवारी गाड़ी–2
39.पत्नी की बहन–2

शब्द पहेली- 6396 का हल

अ	ना	द	र	णी	य	■	प्र	क्षे	प	क
सं	ग	■	वे	■	कृ	पा	ण	■	र	म
वै	■	अ	दा	व	त	■	य	हां	■	जो
धा	रा	दा	र	■	■	अ	■	का	त	र
नि	■	व	■	प्र	क्षा	ल	न	■	म	■
क	म	त	र	ता	■	सा	ग	र	गा	मी
■	लि	■	स	र	मा	या	■	द	■	न
बे	का	बू	■	णा	■	■	व	न	वा	सी
क	■	आ	स	■	अ	द	र	क	■	लै
द	म	■	ब	हा	र	■	दा	■	ता	व
र	सा	त	ल	■	ज	ही	न	कु	श	ल

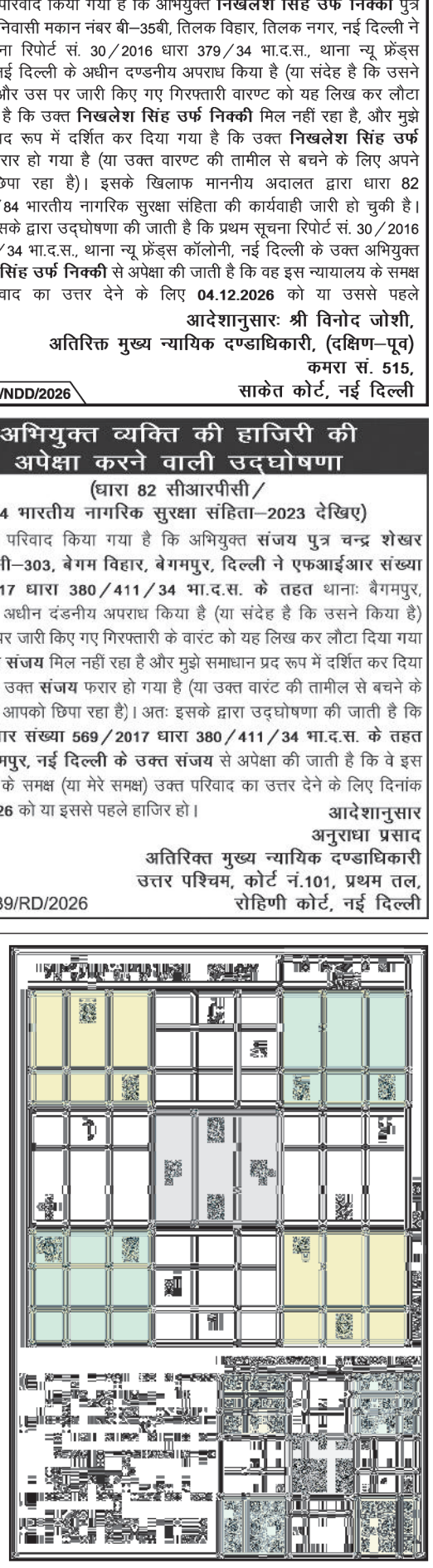



मेसी के गोल से इंटर मियामी की जीत, गोल्डन बूट की दौड़ में आगे

एजेंसी ▶▶| फॉक्सबोरो

लियोनेल मेसी ने एक बेहतरीन असिस्ट और मैच के आखिर में किए गए गोल की मदद से इंटर मियामी को न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही टीम ने अगले साल होने वाले कॉन्काकैफ चैंपियंस कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस जीत से मियामी एमएलएस कप प्लेऑफ से पहले ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में नंबर 2 सीड की स्थिति में पहुंच गई है। इस सीजन में मेसी के नाम अब 26 गोल और 16 असिस्ट हो गए हैं। इसके साथ ही वह लगातार तीसरी बार एमएलएस एमवीपी अवार्ड और लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट' जीतने की रेस में सबसे आगे हो गए हैं।



पहले 45 मिनट में कड़ा मुकाबला

पहले 45 मिनट तक दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला रहा और हाफ टाइम तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। इस दौरान इंटर मियामी को 28वें मिनट में एक अच्छा मौका मिला, जब मेक्सिकन खिलाड़ी बर्टेरामे ने बॉक्स के बाईं ओर से बाएं पैर से शॉट मारा, जिसे न्यू इंग्लैंड के गोलकीपर मैट टर्नर ने बचा लिया।

इंटर मियामी ने दिखाया शानदार टीम वर्क

दूसरे हाफ में, 53वें मिनट में डेनियल गाजदाग के गोल की बदौलत मेजबान टीम (न्यू इंग्लैंड) ने खाता खोला। 69वें मिनट में इंटर मियामी ने शानदार टीम वर्क दिखाते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। सेगोविया ने बॉक्स के अंदर एक 'लॉब' पास दिया, जिस पर मेसी ने हेडर से गेंद को बर्टेरामे की तरफ बढ़ाया। बर्टेरामे ने बॉक्स के बीच से एक जोरदार हेडर लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। यह इस रेगुलर सीजन में बर्टेरामे का 10वां गोल था, जबकि मेसी का यह इस लीग सीजन का 16वां असिस्ट रहा।

इंटर मियामी ने पलटा मैच का पासा

83वें मिनट में इंटर मियामी ने मैच का पासा पूरी तरह से पलटा। एक बेहतरीन पासिंग सीक्वेंस के बाद मेसी ने निर्णायक गोल किया। सुआरेज ने बॉक्स के बाहर बीच में मेसी को गेंद दी, जहां अर्जेंटीना के इस स्टार खिलाड़ी ने तीन डिफेंडरों को छकाया। इसके बाद सेगोविया के साथ मिलकर वह बॉक्स के अंदर पहुंचे और एक सटीक शॉट के जरिए गेंद को गोल पोस्ट के निचले दाएं कोने में पहुंचा दिया।

मेसी के कुल गोल की संख्या हुई 26

इस गोल के साथ मेसी के कुल गोल की संख्या 26 हो गई है, जिससे वह एमएलएस 2026 गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे निकल गए हैं। वहीं, इस रेगुलर सीजन में सेगोविया के असिस्ट की संख्या 12 हो गई है। इसके बाद 1-2 की स्कोरलाइन अंतिम सीटी बजने तक कायम रहा, जिससे इंटर मियामी ने अपने घर से बाहर खेलते हुए तीन अंक हासिल किए।

खबर संक्षेप

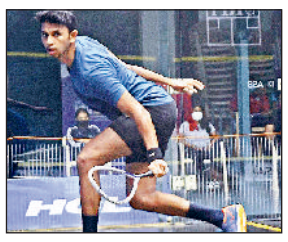

चेक ओपन स्क्वाश के फाइनल में सेंथिलकुमार

नई दिल्ली। भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी वेलवन सेंथिलकुमार ब्रनो में चल रहे 35,000 अमेरिकी डॉलर इनामी पीएसए चेक ओपन के फाइनल में पहुंच गए हैं। विश्व रैंकिंग में 42वें स्थान पर काबिज चौथी वरीयता प्राप्त सेंथिलकुमार ने सेमीफाइनल में विश्व रैंकिंग में 32वें स्थान पर काबिज फ्रांसीसी खिलाड़ी ऑगस्टे डुसॉर्ड को सीधे गेम में 11-7, 12-10, 11-1 से हराया। इससे पहले उन्होंने क्वार्टरफाइनल में अर्जेंटीना के आठवीं वरीयता प्राप्त जेरेमियास अज़ाना को 11-3, 11-8, 11-7 से और दूसरे दौर में ब्राजील के डिएगो गोब्बी को 11-4, 11-7, 11-2 से हराया था। उन्हें पहले दौर में बाइ मिली थी। पिछले महीने जापान में एशियाई खेलों में मिश्रित टीम वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाले सेंथिलकुमार खिताबी मुकाबले में यहां शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज स्कॉटलैंड के ग्रेग लोब्बन से भिड़ेंगे।

जम्मू कश्मीर ने जीती बधिर टी-20 चैंपियनशिप



सूरत। जम्मू कश्मीर ने फाइनल में राजस्थान को हराकर बधिरों की आईडीसीए 10वीं टी20 राष्ट्रीय क्रिकेट चैंपियनशिप का खिताब जीता। इस चैंपियनशिप में 14 राज्यों की टीमों ने भाग लिया था, जो भारत में बधिर क्रिकेट के निरंतर विकास में महत्वपूर्ण साबित होगा। भारतीय बधिर क्रिकेट संघ बधिर क्रिकेटरों के लिए खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और उनकी प्रतिभा और उपलब्धियों को अधिक मान्यता दिलाने की दिशा में लगातार काम कर रहा है। आईडीसीए का नए क्षेत्रों तक पहुंचने का लक्ष्य है, जिससे कि बधिर क्रिकेट को पहचान मिल सके।

इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम का ऐलान



ब्रिस्बेन। मैट रेनशॉ और कैमरन ग्रीन को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया का कार्यक्रम काफी व्यस्त है और इसलिए तेज गेंदबाजी की तिकड़ी मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और पैट कमिंस को इस महीने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली वनडे और टी20 श्रृंखला से विश्राम दिया गया है ताकि वह 9 दिसंबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला की तैयारी कर सकें। ग्रीन और रेनशॉ को एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिस, ट्रैविस हेड और कूपर कॉनॉली के साथ 13, 15 और 18 नवंबर को होने वाले तीन घरेलू वनडे मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में चुना गया है।

रणजी ट्रॉफी मध्य प्रदेश की टीम 209 रन पर सिमटी

हर्ष की फिरकी का कहर, एक पारी में 53 रन देकर झटके शानदार 9 विकेट

एजेंसी ▶▶| नागपुर

बाएं हाथ के फिरकी ऑलराउंडर हर्ष दुबे ने रणजी ट्रॉफी के चौथे राउंड के मुकाबले में 9 विकेट लेकर धूम मचा दी। विदर्भ की ओर से खेलते हुए उन्होंने मध्यप्रदेश के सामने 53 रन देकर 9 बल्लेबाजों को आउट किया। हर्ष दुबे महज एक विकेट से मध्य प्रदेश के सभी 10 बल्लेबाजों को आउट करने से चूक गए। यह एक सफलता नचिकेत भुटे को मिला, जिन्होंने मध्य प्रदेश का पहला विकेट गिराया। इसके बाद के सभी नौ विकेटों को हर्ष दुबे ने गिराया। नागपुर में हो रहे मुकाबले के पहले दिन मध्य प्रदेश की टीम 209 रन पर सिमट गई। उसकी तरफ से अथर्व महाजन ने सबसे ज्यादा 85 रन बनाए। जवाब में विदर्भ की हालत भी खराब है। दिन की समाप्ति होने तक उसके 4 विकेट 56 रन पर गिर चुके थे।



हर्ष ने 2022 में किया था डेब्यू

हर्ष दुबे ने 2022 में विदर्भ की ओर से फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। उन्होंने अपने पहले ही डेब्यू रणजी सीजन में तीन मैच खेले थे और पांच विकेट निकाले थे। इसके अगले सीजन पांच मुकाबले खेले और 23 विकेट लिए थे। वे 2024-25 के सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। तब उन्होंने 10 मैच में 16.98 की औसत से 69 विकेट लिए थे। उन्होंने पिछले रणजी सीजन में तीन ही मैच खेले थे और 14 शिकार किए थे। वर्तमान सीजन में वे अभी तक 23 विकेट ले चुके हैं और सर्वाधिक विकेट वाले गेंदबाजों में तीसरे नंबर पर हैं। उनसे आगे कार्तिक त्यागी (उत्तर प्रदेश) और तनय त्यागराजन (हैदराबाद) हैं, जिनके नाम 24 विकेट हैं।

मयंक मिश्रा की घातक गेंदबाजी के आगे बिखरी हरियाणा की पारी, उत्तराखंड मजबूत स्थिति में



रोहतक। रणजी ट्रॉफी के एक रोमांचक मुकाबले में उत्तराखंड ने हरियाणा के खिलाफ अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली है। अभिमन्यु क्रिकेट अकादमी ग्राउंड देहरादून पर खेले जा रहे इस मैच के पहले दिन उत्तराखंड के गेंदबाजों ने शानदार अनुशासन का परिचय देते हुए हरियाणा की पूरी टीम को पहली पारी में महज 153 रनों पर समेट दिया। दिन का खेल समाप्त होने तक उत्तराखंड ने बिना किसी नुकसान के 59 रन बना लिए हैं और वह पहली पारी के आधार पर अब केवल 94 रन पीछे है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा की शुरुआत बेहद खराब रही। उत्तराखंड के अनुभवी स्पिनर मयंक मिश्रा ने कहर बरपाते हुए हरियाणा के बल्लेबाजों को क्रीज पर टिकने का कोई मौका नहीं दिया। मयंक ने सटीक लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करते हुए 23 ओवरों में 57 रन देकर 6 महत्वपूर्ण विकेट झटके। उनका साथ निभाते हुए देवेंद्र बोरा ने भी किफायती गेंदबाजी करते हुए 2 विकेट अपने नाम किए। हरियाणा की ओर से कनिष्क चौहान ने सर्वाधिक 24 रन बनाए, जबकि निचले क्रम में तन्मय बालोदा ने 21 और अजीत चहल ने 16 रनों का योगदान दिया, जिससे टीम 150 के पार पहुंच सकी। इसके बाद पहली पारी खेलने उतरी उत्तराखंड के सलामी बल्लेबाजों ने बेहद सूझबूझ और संयम का परिचय दिया। स्टंप्स के समय आरव महाजन 33 रन और डेगा निश्चल 25 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे। दोनों बल्लेबाजों ने बिना कोई विकेट गंवाए 59 रन जोड़कर टीम को सुरक्षित शुरुआत दिलाई।

चोला शतरंज इंटरनेशनल

दस साल के सरबर्थो मणि ने किया उलटफेर, ग्रीस ग्रैंडमास्टर को दी मात



एजेंसी ▶▶| चेन्नई

पहले चोला शतरंज इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में 10 साल के भारतीय खिलाड़ी सरबर्थो मणि ने ऐसा कारनामा कर दिखाया, जिसने सभी को हैरान कर दिया। फिडे मास्टर सरबर्थो ने दूसरे दौर के मुकाबले में ग्रीस के ग्रैंडमास्टर दिमित्रिस एलेक्साकिस को हराकर बड़ा उलटफेर किया।

मुकाबले में एक समय ऐसा था, जब 15वीं चाल के बाद सरबर्थो मणि की लगभग हार नजर आ रही थी। सरबर्थो मणि के प्रतिद्वंद्वी को दो प्यादों की बढ़त हासिल थी। इसके बावजूद कोलकाता के इस नन्हें खिलाड़ी ने शानदार वापसी की और 58वीं चाल पर ग्रीक ग्रैंडमास्टर को हार मानने पर मजबूर कर दिया। दिलचस्प बात यह रही कि मुकाबला खत्म होने पर सरबर्थो मणि के पास घड़ी में 1 घंटा 12 मिनट का समय बचा था, जबकि दिमित्रिस एलेक्साकिस के पास महज 36 सेकंड शेष थे।

58वीं चाल में एलेक्साकिस को हराया

दिमित्रिस एलेक्साकिस के खिलाफ सरबर्थो मणि की जीत कई मायनों में खास रही। मुकाबले की 15वीं चाल तक उनकी स्थिति काफी खराब हो चुकी थी और जीत की उम्मीद भी कम नजर आ रही थी। इसके बावजूद 10 साल के सरबर्थो ने शानदार वापसी करते हुए 58वीं चाल पर ग्रीस के ग्रैंडमास्टर को हार मानने पर मजबूर कर दिया। इस जीत के साथ उन्होंने रेटिंग के बड़े अंतर को भी गलत साबित कर दिया।

शुरुआती चालों में मुश्किल में घिर थे सरबर्थो

सरबर्थो मणि शुरुआती चालों में ही मुश्किल में घिर गए थे। वह अपने प्रतिद्वंद्वी के राजा की तरफ दबाव बनाने की कोशिश कर रहे थे, जबकि एलेक्साकिस शतरंज की बिसात के बीच वाले हिस्से को खोलकर हमला करने की तैयारी में थे। 15 चालों के बाद खेल का आकलन करने वाले कंप्यूटर ने ग्रीस के ग्रैंडमास्टर को दो प्यादों के बराबर बढ़त दी थी।

युवा ओलंपिक

फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला तैराक बनीं धिनिधि



एजेंसी ▶▶| डकार

भारतीय तैराक धिनिधि देसिंघु सोमवार को यहां युवा ओलंपिक की महिला 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला तैराक बन गईं।

बेंगलुरु की 16 वर्षीय धिनिधि ने अपनी हीट में 56.80 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने सभी प्रतियोगियों में तीसरे सबसे तेज तैराक के रूप में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उनसे आगे क्रोएशिया की एना बोबानोविच (56.22 सेकंड) और न्यूजीलैंड की एलिसा लॉसन (56.53 सेकंड) रहीं। युवा ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली धिनिधि तीसरी भारतीय तैराक हैं। उनसे पहले 2018 में दो बार ओलंपिक में हिस्सा ले चुके श्रीहरि नटराज और मौजूदा सत्र में तीर्थंक पेगू यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। धि नि धि 2024 पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल की सबसे युवा सदस्य थीं।

जूडो में जीतीं 15 वर्षीय खुशबू

जूडो स्पर्धा में भारत की खुशबू राजकभाई दरजादा ने महिला 63 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में गिनी की मामइस्सता कैमारा को 1-0 से शिकस्त दी। इस 15 वर्षीय खिलाड़ी ने 'युको' के जरिए यह मुकाबला अपने नाम किया। जूडो में 'युको' एक प्रभावी तकनीक के इस्तेमाल पर दिया जाने वाला कम अंक होता है। मुकाबले के दौरान कैमारा को रेफरी ने एक मामूली दंड 'एक शिदो' भी दिया। यह दंड खेल के नियमों के मामूली उल्लंघन जैसे निष्क्रियता दिखाने, गलत आक्रमण करने, निर्धारित सीमा से बाहर जाने या अवैध पकड़ बनाने पर दिया जाता है।

वनडे सीरीज : भारत के खिलाफ नहीं खेलेंगे चैपमैन और रविंद्र

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के सीनियर बल्लेबाज मार्क चैपमैन और रचिन रविंद्र अभी तक चोटों से नहीं उबर पाए हैं और इस कारण बुधवार से भारत के खिलाफ होने वाली 5 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। चैपमैन अपनी हैमस्ट्रिंग (जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव) की चोट से उबरने की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं, जबकि रविंद्र अभी भी अपने कंधे की चोट से उबर नहीं पाए हैं।



न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा, 'हाल में किए गए एमआरआई से पता चला है कि चैपमैन को बायीं हैमस्ट्रिंग की चोट से पूरी तरह उबरने में अभी दो सप्ताह का समय लगेगा जबकि रविंद्र दाहिने कंधे की चोट के कारण अभी अपनी पूरी क्षमता से फील्डिंग नहीं कर पा रहे हैं।' इन दोनों के बाहर होने से चौथे और पांचवें वनडे के लिए चुने गए टिम सीफर्ट अब पूरी श्रृंखला के लिए टीम में बने रहेंगे, जबकि हेनरी निकोल्स पहले तीन मैचों में खेलेंगे। डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को श्रृंखला के चौथे और पांचवें मैच के लिए टीम में शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड ए को पहली पारी में बढ़त सिराज और मुकेश ने झटके 9 विकेट

एजेंसी ▶▶| क्राइस्टचर्च

मोहम्मद सिराज ने दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले लय हासिल करते हुए भारत ए की तरफ से न्यूजीलैंड ए के खिलाफ 4 विकेट लिए लेकिन वह मेजबान टीम को दूसरे अनौपचारिक टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन सोमवार को यहां पहली पारी में 78 रन की बढ़त हासिल करने से नहीं रोक पाए।

न्यूजीलैंड की टीम के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। न्यूजीलैंड का स्कोर एक समय 8 विकेट पर 338 रन था लेकिन इसके बाद उसने अंतिम दो विकेट गंवाने से पहले 86 रन जोड़े। इस तरह से उसकी टीम भारत के 346 रन के जवाब में 424 रन बनाने में सफल रही।



भारत ए 46 रन पीछे

भारत ए ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 32 रन बनाए और इस तरह से वह अभी न्यूजीलैंड की टीम से 46 रन पीछे है। स्टंप उखड़ने के समय यशस्वी जायसवाल 20 और साई सुदर्शन 11 रन पर खेल रहे थे। इससे पहले तेज गेंदबाज सिराज ने 35 ओवरों में 118 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि एक अन्य तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने 29 ओवर 87 रन देकर 5 विकेट झटके।

आज से 5 लाख डॉलर इनामी सुपर 500 टूर्नामेंट

कोरिया ओपन से हटे लक्ष्य, भारतीय चुनौती संभालेंगे प्रणय

एजेंसी ▶▶| ग्योंगसांग।

जर्मनी में हाइलो ओपन का खिताब जीतने वाले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन कोरिया ओपन से हट गए हैं, जिसके बाद मंगलवार से शुरू होने वाले इस 5 लाख डॉलर इनामी सुपर 500 टूर्नामेंट में अनुभवी एचएस प्रणय भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। लक्ष्य को पहले दौर में चीन के डोंग तियान याओ से भिड़ना था लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है।

प्रणय अपने अभियान की शुरुआत दक्षिण कोरिया के यू ताए बिन के खिलाफ करेंगे। 33 वर्षीय प्रणय अंतरराष्ट्रीय सर्किट में भारत के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं और लक्ष्य की गैरमौजूदगी में पुरुष एकल में उन पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। पुरुष एकल में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीय चोउ तिएन चेन, जापान के तीसरे वरीय कोडाई नाराओका और कनाडा के विक्टर लाई जैसे मजबूत खिलाड़ी भी चुनौती पेश करेंगे।



सोनाली और रितिका का सामना ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी से

महिला युगल में भारत की सोनाली सिंह और रितिका ठाकेर का सामना ऑस्ट्रेलिया की लौडिया चेल्सी ग्रिसेल्डा और नोजोमी शिमिजू से होगा। मिश्रित युगल में ध्रुव रावत और के मनीषा भारतीय चुनौती पेश करेंगे। पहले दौर में उनका मुकाबला झू यी जुन और ली कियान की सातवीं वरीयता प्राप्त चीन की जोड़ी से होगा।

सुइजु के खिलाफ उतरेंगी तन्वी

महिला एकल में तन्वी शर्मा अपने अभियान की शुरुआत जापान की मनामी सुइजु के खिलाफ उतरेंगी। इस साल ताइपे ओपन का खिताब जीतने वाली इस युवा भारतीय खिलाड़ी ने खुद को उभरती प्रतिभाओं में शामिल किया है। मालविका बंसोड़ को पहले दौर में कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। उनका मुकाबला दक्षिण कोरिया की चौथी वरीय सिम यू जिन से होगा। अनमोल खरब कनाडा की रेचल चान से भिड़ेंगी। 19 वर्षीय अनमोल का जर्मनी में प्रदर्शन प्रभावशाली रहा था, जहां उन्होंने दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के खिलाफ सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। कोरिया ओपन में उनके पास एक बार फिर ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ियों के खिलाफ अपनी क्षमता साबित करने का मौका होगा।

भारतीयों के लिए ब्रिटेन में नौकरी हासिल करना और पढ़ना हो जाएगा आसान!

एजेंसी ▶▶ लंदन

ब्रिटेन हायर एजुकेशन के साथ-साथ नौकरी के लिए भी एक लोकप्रिय ठिकाना रहा है। यहां काम करने वाले भारतीयों की तादाद लाखों में है। हालांकि, पिछले कुछ समय में इमिग्रेशन नियमों में हुए बदलावों ने भारतीयों की मुश्किलें बढ़ाई हैं। अब ब्रिटेन में इमिग्रेशन नीति में एक बार फिर बड़े बदलाव की तैयारी हो रही है। सरकार के 2026 के बजट में इसके लिए रूपरेखा पेश की गई है।

इन बदलावों का असर भारतीय पेशेवरों, छात्रों और विदेशी कर्मचारियों को नौकरी देने वाली कंपनियों पर पड़ सकता है। सरकार का मुख्य उद्देश्य ब्रिटेन और उसके विभिन्न क्षेत्रों की आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए कुशल कामगारों को आकर्षित करना है। प्रस्तावित बदलाव लागू होने पर भारतीय छात्रों और कामगारों को इसका सीधा फायदा मिल सकता है। ब्रिटेन में पिछले कुछ समय से इमिग्रेशन नियमों में लगातार बदलाव किए गए हैं। इससे पढ़ाई और नौकरी के लिए वहां गए भारतीयों की चिंताएं बढ़ी हैं। कई भारतीयों के लिए ब्रिटेन में लंबे समय तक रहना मुश्किल हो गया है। पोस्ट-ग्रेजुएट वीजा की अवधि कम करने के ऐलान ने भी उनकी चिंता बढ़ाई थी। हालांकि, अब सरकार के नए प्रस्तावों से स्थिति में बदलाव की उम्मीद जताई जा रही है। ये घोषणाएं ऐसे समय में की जा रही हैं, जब ब्रिटेन आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। देश की आर्थिक विकास दर के अनुमान घटाए गए हैं, कर्ज लेने की लागत बढ़ रही है, वित्तीय निवेश की गुंजाइश कम हो रही है और ऊर्जा की कीमतों में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे हालात में सरकार सार्वजनिक खर्च बढ़ाए बिना व्यापारिक निवेश और उत्पादकता को बढ़ावा देना चाहती है।

सैलरी लिमिट में बदलाव, एचपीआई वीजा का दायरा बढ़ाने की तैयारी

दो साल का ग्रेजुएट वीजा भी रहेगा जारी, और भी मिलेंगी राहतें

ब्रिटेन का इमिग्रेशन प्लान बदलेगा, जिससे आसान होंगे रास्ते

ब्रिटेन इन दिनों चुनौतियों से जूझ रहा है,कर्ज भी बढ़ रहा है

ब्रिटेन सरकार के 2026 के बजट में इसके लिए रूपरेखा पेश की



फाइल फोटो

नौकरी के हिसाब से वेतन सीमा को बढाने की योजना तैयार

इस तरह के होंगे बदलाव

- स्किल वर्कर्स की सैलरी लिमिटः नौकरी के हिसाब से वेतन सीमा को 25वें पर्सेंटाइल पर वापस लाने की योजना है
- एचपीआई वीजा का विस्तारः हाई पोटेंशियल इंडिविजुअल (एचपीआई) वीजा का दायरा बढ़ाया जाएगा
- ग्रेजुएट वीजा जारी रहेगाः विदेशी छात्रों के लिए दो साल का ग्रेजुएट वीजा बरकरार रखा जाएगा
- अधिक रियायती समयः कुछ उच्च कौशल वाले प्रायोजित कर्मचारियों को नौकरी या स्पॉन्सरशिप बदलने की स्थिति में ब्रिटेन में रुकने के लिए अधिक समय देने का प्रस्ताव है।

स्किल वर्कर और अन्य वीजा रूट में बदलाव

बजट में सरकार ने दोहराया है कि उसका जोर कम कौशल वाले कामगारों के इमिग्रेशन को सीमित करने और चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं के लिए रास्ता आसान बनाने पर है। नौकरी के हिसाब से वेतन सीमा को 25वें पर्सेंटाइल पर लाने के साथ सामान्य न्यूनतम वेतन सीमा भी बढ़ाई जाएगी। इससे उन क्षेत्रों की कंपनियों को राहत मिल सकती है, जहां औसत वेतन कम होने के कारण विदेशी पेशेवरों को नौकरी पर रखना और उनके लिए स्पॉन्सरशिप हासिल करना मुश्किल था। एचपीआई वीजा का दायरा भी बढ़ाया जाएगा। यह वीजा दुनिया के चुनिंदा शीर्ष विश्वविद्यालयों से पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों को बिना किसी स्पॉन्सर के ब्रिटेन में काम करने की अनुमति देता है। वहीं, दो साल के ग्रेजुएट वीजा को जारी रखने का फैसला विदेशी छात्रों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। इस वीजा के तहत छात्र पढ़ाई पूरी करने के बाद दो साल तक ब्रिटेन में रहकर बिना स्पॉन्सरशिप के नौकरी कर सकते हैं या रोजगार की तलाश कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

चारधाम चार्टर सेवा को रोका, श्रद्धालु फंसे

देहरादून। सह-पायलट नियम को लेकर हेलिकॉप्टर संचालकों द्वारा सोमवार को चारधाम चार्टर सेवा



रोक दिए जाने के बीच उनके साथ बातचीत बेनतीजा रहने के बाद गतिरोध समाप्त करने के लिए उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने चार नवंबर को एक और बैठक बुलाई है जबकि कई श्रद्धालु अब भी धामों में फंसे हुए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी ।

नेपाल में फंसे छह भारतीय निकाले गए

काठमांडू। नेपाल के शे-फोक्सुंडो राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में भारी बर्फबारी के कारण फंसे छह भारतीय पर्यटकों को सोमवार सुबह सुरक्षित



निकाल लिया गया। इनमें दो महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। डोल्पा जिला पुलिस के अनुसार, पर्यटकों से एक नवंबर से संपर्क टूट गया था। सोमवार को निजी हेलीकॉप्टर की मदद से उनका रेस्क्यू किया गया। सभी को दुनै स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर है।

8 में से 5 कॉर्वेट का निर्माण जीआरएसई में होगा और बाकी बचे हुए 3 जीएसएल में बनेंगे

नौसेना को मिलेंगे 8 कॉर्वेट, जीआरएसई-जीएसएल के साथ हुआ 53 हजार करोड़ से अधिक का समझौता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना की युद्धक क्षमता में आगामी समय में कई गुना की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। क्योंकि सोमवार को इस संबंध में रक्षा मंत्रालय ने देश के दो प्रमुख शिपयार्डों जैसे गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) के साथ अगली पीढ़ी के कुल 8 कॉर्वेट की खरीद को लेकर कुल 53 हजार 866.50 करोड़ रुपए के समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति रही। मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान के जरिए यह जानकारी दी है। गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ सशस्त्र सेनाओं द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर अभियान के अगले साल 2026 में सामने आया यह एक बड़ा घटनाक्रम है।

दो भागों में पूरी होगी परियोजना



एक दशक में बड़े पैमाने पर होगा रोजगार सृजन

मंत्रालय ने कहा कि इस परियोजना की मदद से दोनों शिपयार्डों से इतर निजी शिपयार्डों, एमएसएमई सहित भारतीय औद्योगिक भागीदारों के बीच सहयोग को काफी बढ़ावा मिलेगा। जो कि आखिरकार देश के स्वदेशी जहाज निर्माण इकोसिस्टम को गति प्रदान करेगा। आंकड़ों के हिसाब से इस निर्माण से अगले दस वर्षों में जीआरएसई और जीएसएल में करीब 72 लाख व्यक्ति-दिवस, सहायक उद्योगों तथा एमएसएमई में 460 लाख व्यक्ति-दिवस का रोजगार सृजित होने की संभावना है।



मजबूत होगा मेक-इन-इंडिया का संकल्प

ये परियोजना देश में निर्मित सामग्रियों, उपकरणों, स्वदेशी प्रौद्योगिकियों, भारतीय कौशल और विशेषज्ञता के उपयोग को बढ़ावा देकर रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के समान है। साथ ही कॉर्वेट की इस खरीद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के मेक-इन-इंडिया के संकल्प को मजबूती मिलेगी।

मंत्रालय ने बताया कि 8 कॉर्वेट निर्माण की यह परियोजना दो भागों में पूरी की जाएगी। जिसमें पहले में जीआरएसई द्वारा 8 में से 5 कॉर्वेट का निर्माण किया जाएगा। जबकि दूसरे में शेष बचे हुए 3 कॉर्वेट का निर्माण जीएसएल द्वारा पूरा किया जाएगा। यह पूरी कवायद एक प्रकार से रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का बड़ा प्रतीक बनकर उभरेगी। मंत्रालय इसे देश की स्वदेश में युद्धपोत डिजाइन व निर्माण क्षमताओं के मामले में एक प्रमुख उपलब्धि के रूप में परिभाषित कर रहा है। जिसकी अहम वजह इसका उस पहली परियोजना के रूप में भी सामने आना है। जिसमें नौसेना द्वारा स्वयं घरेलू रूप से जहाजों का डिजाइन किया जाएगा। साथ ही प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के तहत चुने जाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों (डीपीएसयू) द्वारा निर्माण कार्य किया जाएगा।

यूं पस्त होंगे दुश्मन के हौसले

यह सभी कॉर्वेट अत्याधुनिक हथियारों से लैस होंगे। जिसके तहत इनमें उन्नत मिसाइलें, हथियार और सेंसर लगाए जाएंगे। यह हथियार प्रणालियां इन्हें वायु, सतह से लेकर पानी में अपने मिशन को बखूबी अंजाम देने की काबिलियत प्रदान करेंगी। आठों कॉर्वेट के नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल होने से उसकी रणनीतिक संचालन क्षमता बढ़ेगी। साथ ही व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा, सतह पर मार करने वाले व दुश्मन की पनडुब्बियों के संभावित हमले का मुकाबला करने के लिए लांच किए जाने वाले सैन्य अभियानों को अंजाम देने की क्षमता में इजाफा देखने को मिलेगा। तटीय सुरक्षा को चाक-चौबंद बनाने और समुद्र में मौजूदगी व निगरानी मिशन को पूरा करने में भी कॉर्वेट की अहम भूमिका देखने को मिलेगी।

ब्रसेल्स में भारत-ईयू बैठक

दिसंबर में होंगे समझौतेः भारत-ईयू एफटीए लागू करने की तैयारियां तेज



बैठक में हुई विस्तृत चर्चा

ब्रसेल्स में वाणिज्य सचिव की यूरोपीय आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लागू करने की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसे लेकर ब्रसेल्स में हुई उच्चस्तरीय बैठकों में दोनों पक्षों ने बाजार तक पहुंच बढ़ाने, कस्टम प्रक्रियाओं को सरल बनाने और सप्लाई चेन सहयोग मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की। समझौते पर दिसंबर 2026 के मध्य तक हस्ताक्षर होने की संभावना है। इसके बाद 2027 के मध्य तक इसे लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने यूरोपीय आयोग के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा महानिदेशालय की महानिदेशक डिट्टे जूल जोर्गेनसेन, अंतरराष्ट्रीय भागीदारी महानिदेशालय के महानिदेशक कोएन डोएन्स और कराधान एवं कस्टम संघ महानिदेशालय के महानिदेशक गेरासिमोस थॉमस से मुलाकात की।

निर्यात के 99% हिस्से पर शुल्क खत्म होगा

भारत और ईयू ने 27 जनवरी 2026 को 16वें शिखर सम्मेलन में एफटीए वार्ता पूरी होने की घोषणा की थी। समझौते की कानूनी जांच और सत्यापन की प्रक्रिया जारी है। इसके लागू होने पर ईयू को होने वाले भारतीय निर्यात के 99 प्रतिशत से अधिक हिस्से पर शुल्क समाप्त हो जाएगा। इससे कपड़ा, चमड़ा और आभूषण जैसे श्रम आधारित उद्योगों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। वहीं, भारत यूरोपीय उत्पादों के 96 प्रतिशत से अधिक हिस्से पर शुल्क कम करेगा। इसमें कारों पर आयात शुल्क को चरणबद्ध तरीके से घटाकर 10 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। यह सालाना 2.5 लाख वाहनों के कोटे के तहत लागू होगा। वाणिज्य सचिव ने एंटवर्प के हीरा उद्योग के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। इसमें प्रमाणन, पारदर्शिता, जिम्मेदार सोर्सिंग और वैश्विक हीरा कारोबार की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

1 से 2 नवंबर तक की खाड़ी के इस अहम देश की यात्रा पर रहे मिस्री, हुई कई बैठकें

यूएई के साथ मजबूत होंगे भारत के आर्थिक संबंध, विदेश सचिव ने की यात्रा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली



अमेरिका, इजराइल और ईरान के त्रिपक्षीय युद्ध के मध्य विदेश सचिव विक्रम मिस्री 1 से 2 नवंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की दो दिनी यात्रा पर थे। जिसका मुख्य आधार दोनों देशों के बीच नियमित रूप से होने वाली उच्च-स्तरीय गतिविधियां हैं। जो मुख्यतः द्विपक्षीय संबंधों के वास्तविक रूप यानी चरित्र से जुड़ी हुई हैं। भारतीय विदेश सचिव की यात्रा के दौरान एक प्रकार से दोनों पक्षों को भारत, यूएई व्यापक सामरिक साझेदारी में अभी तक हुई प्रगति का आकलन करने का अवसर मिला है। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान के माध्यम से यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि हाल ही में विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने भी यूएई की यात्रा की थी। जिसके बाद विदेश सचिव का यह दौरा हुआ है।

इनके साथ हुई उच्च-स्तरीय बैठकें

मंत्रालय के मुताबिक, विक्रम मिस्री ने यूएई सरकार के प्रशासनिक प्रतिनिधियों के साथ कई अहम बैठकें की हैं। जिसमें सबसे पहले वह अबू धाबी में यूएई की अंतरराष्ट्रीय मामलों की राज्य मंत्री और भारत की विशेष दूत रीम अल हाशिमी में मिले। इसके बाद यूएई के पर्यटन-संस्कृति विभाग के अध्यक्ष मोहम्मद खलिफा अल मुबारक से मिस्री की मुलाकात हुई और अंत में वह अबू धाबी के वित्त विभाग के अध्यक्ष-प्रबंध निदेशक तथा एल'इमाड होल्डिंग कंपनी के ग्रुप सीईओ जसीम मोहम्मद अल जाबी से मिले। मिस्री की ये यात्रा दोनों देशों के संबंधों में मौजूद सामरिक समन्वय और आपसी विश्वास का प्रमाण प्रस्तुत करती है। साथ ही यह साझेदारी को आगामी समय में तीव्र गति से आगे बढ़ाने को लेकर दोनों पक्षों की साझा प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करती है।

बैठकों में शामिल रहे ये मुद्दे

विदेश सचिव की पहली बैठक में हुई चर्चा में दोनों पक्षों ने भारत-यूएई सामरिक द्विपक्षीय साझेदारी की समीक्षा की है। जिसमें मुख्यतः साझेदारी में शामिल तमाम पहलुओं पर विचार करने के साथ ही सहयोग की नई संभावनाओं की तलाश करने पर मंथन किया गया। इसके अलावा क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। दूसरी बैठक ने दोनों देशों के प्रतिनिधियों को एक ऐसा अवसर प्रदान किया। जिसके तहत दोनों देशों के बीच संपर्कों में निकटता आएगी और सांस्कृतिक विचार-विमर्श को भी बढ़ावा मिलेगा। पर्यटन उक्त रचनात्मक संवाद के केंद्र में रहा। यह एक ऐसा मसला है, जिससे दोनों देशों के लोग और अधिक निकटता से आपस में जुड़ेंगे। तीसरी अंतिम बैठक में हुई बातचीत में आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के विषय को शामिल किया गया। निवेश के फ्लो को बढ़ाने और दोनों देशों के बीच दीर्घावधि व्यापारिक भागीदारी इस मुद्दे में प्रमुखता से शामिल रही। क्योंकि अंत में इससे भारत, यूएई की अर्थव्यवस्थाओं को ही लाभ होगा।

नवनियुक्त वायुसेनाप्रमुख ने की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली



वायुसेना के नवनियुक्त प्रमुख एयरचीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ शिष्टाचार मुलाकात की है। इस दौरान रक्षा मंत्री ने एक बेहतरीन वायु योद्धा के रूप में वायुसेनाध्यक्ष की तारीफ करते हुए कहा कि देश उन्हें उनके शानदार नेतृत्व के लिए जानता है। मैं, उनके बेहतरीन कार्यकाल के लिए बधाई देता हूं। एक्स पर इस मुलाकात की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए राजनाथ सिंह ने यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि बीते 31 अक्टूबर को पूर्व वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह की सेवानिवृत्ति के बाद वायुसेना के नए प्रमुख के रूप में एयरचीफ मार्शल दीक्षित ने अपना कार्यभार ग्रहण किया था। इसके पूर्व में वह उप-वायुसेनाप्रमुख के रूप में कार्य कर रहे थे। पिछले रविवार को एयरचीफ मार्शल दीक्षित ने अपने पहले संबोधन में वायुसेना से जुड़े कई अहम मसलों पर अपनी बात रखी थी। जिसमें उन्होंने बल में तेजी से घटती लड़ाकू विमानों की संख्या को बरकरार रखने, स्वदेशी तेजस विमान और एम्का परियोजना को आगे बढ़ाने और त्रिस्तरीय सैन्य समन्वय को मजबूती प्रदान करने जैसे मुद्दों को प्राथमिकता में शुमार विषयों में बताया था।

कल से नेपाल की दो दिवसीय यात्रा पर रहेंगे विदेश सचिव विक्रम मिस्री

नेपाल के प्रधानमंत्री की जल्द होने वाली भारत यात्रा से जुड़ी तैयारियों पर होगा मंथन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

दुनिया के कुछ भागों में चल रहे भीषण युद्ध की वजह से चिंताजनक बने हुए हालातों के बीच नवंबर का ये महीना भारत-नेपाल के कूटनीतिक संबंधों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। कारण, इस दौरान होने वाली नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की पहली प्रस्तावित आधिकारिक यात्रा से जुड़ा हुआ है। इसी मामले पर जरूरी तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए इसी सप्ताह बुधवार से विदेश सचिव विक्रम मिस्री नेपाल की दो दिवसीय (4 से 5 नवंबर तक) यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मिस्री की पड़ोसी देश नेपाल की यात्रा के दौरान काठमांडू में होने वाली बैठकों में दोनों देशों के साझा हितों से जुड़े हुए द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर विस्तृत रूप से विचार-विमर्श किया जाएगा।

पहले मई में रद्द हो चुकी यात्रा

ज्ञात हो कि पूर्व में मौजूदा साल के मई महीने में विदेश सचिव नेपाल की यात्रा करने वाले थे। लेकिन पीएम शाह द्वारा उन्हें मुलाकात का समय न दिए जाने की वजह से यह दौरा अंतिम समय में रद्द हो गया था। यहां ये भी बताना रोचक होगा कि साल के मध्य में हुए इस घटनाक्रम के दौरान भारत के निकट पड़ोसी देश के नव- निर्वाचित प्रधानमंत्री ने सिर्फ भारत के विदेश सचिव से ही मुलाकात करने से इंकार किया था। बल्कि उन्होंने अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर से भी मिलने से मना कर दिया था। जिसे कूटनीतिक हलकों में प्रधानमंत्री के रूप में अपना कार्यभार संभालने के बाद बाकी देशों के राजनयिकों से शिष्टाचार मुलाकात की नेपाल की पुरानी परंपरा या परिपाटी में बदलाव के रूप में देखा गया।

बालेंद्र के बयानों से संबंधों में उपजा तनाव

यहां ये भी स्पष्ट कर दें कि नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद बालेंद्र शाह ने भारत और नेपाल सीमा से जुड़े कुछ पुराने, विवादित मुद्दों (लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा) के समाधान में किसी तीसरे देश जैसे चीन और ब्रिटेन की मदद लेने की बात कही थी। जो नई दिल्ली को बेहद नागवार गुजरी और उसने साफ किया था कि दोनों देशों के बीच सीमा संबंधी कोई भी मामला द्विपक्षीय है। जिसका समाधान सिर्फ और सिर्फ द्विपक्षीय आधार पर ही निकाला जाएगा। दुनिया के किसी देश की भारत, नेपाल के सीमाई मसलों को लेकर कोई भूमिका नहीं है, न ही ऐसे किसी विचार को नई दिल्ली कभी भी स्वीकार करेगी।

मंत्रालय के बयान का सार

मंत्रालय के मुताबिक, भारत और नेपाल आपस में मित्रतापूर्ण संबंधों को साझा करते हैं। जिनसे जुड़े हुए विविध क्षेत्रों में सहयोग को लेकर सराहनीय प्रगति देखने को मिली है। विदेश सचिव की आगामी काठमांडू यात्रा इस परंपरा यानी उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान के सिलसिले को आगे बढ़ाने में मददगार साबित होगी। जिससे अंततः व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी को बढ़ावा दिया जा सकेगा।

भारत-वियतनाम संबंधों के 55 साल पूरे होने पर होंगे आयोजन

एनएसए डोभाल ने वियतनाम के शीर्ष नेतृत्व से की 'मुलाकात' सुरक्षा सहयोग मजबूत करने पर बनी सहमति,कई मुद्दों पर चर्चा

वियतनाम स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी जानकारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और वियतनाम वर्ष 2027 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के 55 वर्ष पूरे होने पर विशेष कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इसे लेकर सोमवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और वियतनाम के विदेश मंत्री एवं कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के पोलित ब्यूरो सदस्य ले होआई ट्रुंग के बीच बैठक हुई।

दोनों नेताओं ने भारत-वियतनाम उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी के अनुरूप इस ऐतिहासिक अवसर को मनाने के तरीकों पर चर्चा की। वियतनाम स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी जानकारी दी। दोनों देशों ने मई में वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम की भारत यात्रा के दौरान अपने द्विपक्षीय संबंधों को उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया था। इसके बाद रक्षा, सुरक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में प्रयास तेज हुए हैं।

डोभाल ने सोमवार को वियतनाम के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री और वरिष्ठ लेफ्टिनेंट जनरल लुओंग टैम क्वांग से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने सुरक्षा क्षेत्र में मौजूदा सहयोग की समीक्षा की और इसे और मजबूत बनाने पर चर्चा की। साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

रविवार को राजधानी हनोई पहुंचे थे डोभाल



एनएसए डोभाल ने वियतनाम के उपप्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री जनरल फान वान जियांग से भी मुलाकात की। बैठक में दोनों देशों के बीच जारी रक्षा सहयोग की स्थिति की समीक्षा की गई और इस क्षेत्र में गतिविधियों को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। डोभाल रविवार को आधिकारिक यात्रा पर वियतनाम की राजधानी हनोई पहुंचे थे। यात्रा के दौरान वह वियतनाम के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठकें कर रहे हैं। इनका उद्देश्य दोनों देशों के बीच उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत रक्षा, सुरक्षा और द्विपक्षीय सहयोग को नई गति देना है।

पटनीटॉप में ईडी ने 41.38 करोड़ की संपत्ति जब्त

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पटनीटॉप में होटल भूमि अतिक्रमण मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत करीब 10.66 करोड़ की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया है। इनमें पटनीटॉप स्थित होटल हॉलिडे इन, होटल ब्रॉडवे, होटल हॉलीवुड और होटल माउंटव्यू की जमीन और इमारतें शामिल हैं। इस मामले में वर्ष 2025 में भी दो अलग-अलग आदेश जारी कर करीब 30.72 करोड़ की संपत्तियां अटैच की गई थीं। इस कार्रवाई के बाद मामले में अब तक अटैच की गई संपत्तियों का कुल मूल्य बढ़कर करीब 41.38 करोड़ हो गया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109